जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 83 प्रभात चूरू, रविवार 20 जुलाई, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पायलट एसोसिएशन ने "रॉयटर" व "वॉल स्ट्रील जरनल" को कोर्ट का नोटिस भेजा

नोटिस में आरोप लगाया गया है कि दोनों अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ संस्थानों ने एयर इंडिया की अहमदाबाद फ्लाइट के क्रैश के बारे में बिना प्रमाण के "कयासबाजी" के आधार पर, जो खबर प्रसारित की है, उससे भारत के "सिविल एविएशन" (नागरिक उड्डयन) की "सेफ्टी" की प्रतिष्ठा को भारी चोट पहुँची है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जुलाई। भारतीय पायलट संघ (फैडरेशन ऑफ इण्डियन पायलट्स/ एफ.आई.पी.) ने, गैर जिम्मेदाराना और पायलटों की छवि को नुकसान पहुँचाने वाली पत्रकारिता के खिलाफ एक असाधारण कदम उठाया है। शुक्रवार को, एफ.आई.पी. ने पुष्टि की कि उसने एआई 171 विमान क्रैश पर हालिया रिपोर्टों को लेकर वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। पायलट संघ ने दोनों मीडिया संगठनों से सार्वजनिक माफी की भी मांग की है।

- नोटिस में माँग की गई है कि रॉयटर ऐसी कयासबाजी पर आधारित खबरें छापना बंद करे तथा 17 जुलाई को जो खबर प्रकाशित की उसमें उचित परिवर्तन करके, स्थापित करे कि उसकी खबर "आधारहीन" थी तथा अभी "क्रैश" की जाँच जारी है, अतः अभी कोई निष्कर्ष निकालने की स्थिति में नहीं है।
- अगर "रॉयटर" व वॉल स्ट्रीट जरनल ने ये संशोधन नहीं किया तो मानहानि, मानसिक पीड़ा का मुकदमा चलाया जायेगा।
- अमेरिका के नैशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने भी रॉयटर व वॉल स्ट्रीट जरनल की खबर की काफी भर्त्सना की है।

एफ.आई.पी. के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा, "हमने वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स के खिलाफ औपचारिक नोटिस भेजकर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। इस प्रकार की अटकलें, विशेष रूप से बिना तथ्यों वाली, सार्वजनिक चिंता पैदा करती हैं और भारतीय विमानन की सुरक्षा के बारे में धारणा को कमजोर करती हैं।"

एफ.आई.पी. ने दो वैश्विक समाचार संगठनों को भेजे गए ईमेल में उनकी रिपोर्टिंग को "अप्रमाणित तथा सिलैक्टिव" बताया और कहा, "ऐसी कार्रवाइयाँ गैर-जिम्मेदार हैं, खासकर तब जबकि जांच अभी जारी है।" संघ ने इन मीडिया आउटलैट्स पर आरोप लगाया कि उन्होंने अनावश्यक डर पैदा किया और भारत की विमानन सुरक्षा प्रणाली की छवि को विकृत किया।

विशेष रूप से, एफ.आई.पी. ने पायलटों को उनकी मृत्यु के बाद दोषी ठहराए जाने पर गहरी चिंता जताई और कहा कि इस प्रकार की अटकलें "मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गंभीर और अपरिवर्तनीय नुकसान पहुँचाती हैं, जो अपनी ओर से बचाव नहीं कर सकते।" संघ ने तर्क दिया कि ऐसी कथाएँ न केवल शोक संतप्त परिवारों को दुख पहुँचाती हैं, बल्कि पूरे पायलट समुदाय का मनोबल भी प्रभावित करती हैं, जो भारी दबाव में काम करता है।

कानूनी नोटिस में विशेष रूप से यह मांग की गई कि रॉयटर्स भविष्य में ऐसी अटकलों से बचे और 17 जुलाई को प्रकाशित अपने लेख में संशोधन करके उसमें उपयुक्त अस्वीकरण (डिस्क्लेमर) जोड़े और ऐसी किसी भी सामग्री को हटाए जिसे दोषारोपण के रूप में समझा जा सकता है। पायलट संघ ने रॉयटर्स से यह भी कहा कि वह एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेपर लीक प्रकरण में डामोर को जमानत नहीं

जयपुर, 19 जुलाई। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 के पेपर लीक मामले में आरोपी विजय कुमार डामोर को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने दो अन्य मामलों को लेकर आरोपी की ओर से पेश जमानत प्रार्थना पत्रों को भी खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि आरोपी पर पेपर लीक के कई प्रकरण दर्ज हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

डामोर द्वारा जमानत अर्जी में कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। वह करीब ढाई साल से न्यायिक

- आरोपी विजय कुमार डामोर पर बेकरिया व सुखेर थाने में भी पेपर लीक मामले की एफआईआर दर्ज है।

अभिरक्षा में चल रहा है। वहीं, उसके खिलाफ प्रकरण में आरोप पत्र भी पेश किया जा चुका है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान ने बताया कि पेपर लीक के मामले में आरोपी के खिलाफ बेकरिया और सुखेर थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। आरोपी भर्ती के सामान्य ज्ञान विषय के प्रश्न पत्र अनिल मीणा को उपलब्ध कराने के षडयंत्र में बाबूलाल कटारा के साथ लिप्त था। आरोपी ने प्रश्न पत्र को हाथ से रजिस्टर में उतारा और अनिल मीणा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उड़ान भरने से पहले ही मस्क की "अमेरिका पार्टी" क्रैश हो गई

सीएनएन व क्विननिपैक यूनिवर्सिटी द्वारा हाल ही में किये गए सर्वे के अनुसार, क्रमशः 22 प्रतिशत व 17 प्रतिशत रजिस्टर्ड मतदाता ही मस्क द्वारा तीसरी राजनीतिक पार्टी बनाने के पक्ष में हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जुलाई। जब दुनिया के सबसे चर्चित अरबपति दुनिया के सबसे कठिन राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं, तो क्या होता है? ताजातरीन सर्वेक्षणों के अनुसार, वे रनवे पर कदम रखने के साथ ही दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं।

एलन मस्क की एक नई राजनीतिक पार्टी, जिसे अस्थायी रूप से "अमेरिका पार्टी" कहा गया था, को स्थापित करने की योजना को उसी जनता ने खारिज कर दिया, उन्हें जिसके साथ आने की उम्मीद थी। यह विचार मस्क और उनके पूर्व सहयोगी, यूएस राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच सार्वजनिक विवाद के बाद उभरा था, और इसका उद्देश्य दो-पार्टी प्रणाली को तोड़ना था। इसके बजाय, यह विचार अमेरिकियों को ही उनके विरोध में एकजुट कर रहा है।

सीएनएन द्वारा इस सप्ताह जारी एक सर्वेक्षण में यह खुलासा हुआ है कि

- तथा, क्रमशः 77 प्रतिशत मतदाता मस्क द्वारा नई तीसरी पार्टी बनाने के पक्ष में नहीं हैं।
- सीएनएन के इसी सर्वे के अनुसार, 23 प्रतिशत अमेरिकी मस्क को आशा भरी आँखों से देखते हैं तथा 60 प्रतिशत अमेरिकी मस्क के बारे में नैगेटिव भावना रखते हैं, यानी मस्क की रेटिंग माइनस 37 पॉइन्ट है। जबकि, 2016 में मस्क की रेटिंग प्लस 29 पाइन्ट थी।
- वैसे भी अमेरिका के इतिहास में केवल मात्र एक राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन, किसी पार्टी का समर्थन प्राप्त किये बिना राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़े थे और जीते थे। यह अलग बात है कि तब तक दोनों पार्टियों का अमेरिका के राजनीतिक रंगमंच पर जन्म नहीं हुआ था।
- उसके बाद भी अमेरिका में कई बार तीसरी पार्टी के गठन का प्रयास किया गया है। जैसे, 1990 के दशक में अरबपति रॉस पैरो ने खूब पैसा झोंका, पर वे सफल नहीं हुए।

केवल 25 प्रतिशत वयस्क और सिर्फ 22 प्रतिशत पंजीकृत मतदाता मस्क द्वारा तीसरी पार्टी बनाने के विचार का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भाजपा-आरएसएस "आप" के जन्मदाता हैं'

कांग्रेस के दलित नेता उदितराज ने, "आप" पर तीखा वार किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जुलाई। आम आदमी पार्टी (आप) ने कांग्रेस-नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन से बाहर निकलने की घोषणा कर दी है। पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि आप अब बिहार में राजद व कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ भी चुनाव लड़ेगी।

संसद सत्र शुरू होने से महज दो दिन पहले गठबंधन में आई इस दरार पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के दलित नेता उदित राज ने तीखा बयान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि "असल में आम आदमी पार्टी भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) का "टूल" है।"

उन्होंने कहा, "आप का जन्म भाजपा और आरएसएस की वजह से हुआ... अन्ना हज़ारे एक व्यक्ति थे, अरविंद केजरीवाल का एक एनजीओ था, लेकिन जिन लोगों ने पर्दे के पीछे से

- अन्ना हजारे एक सभ्रांत व्यक्ति थे, केजरीवाल एक एनजीओ चलाते थे। भाजपा, आरएसएस, बजरंग दल, वी.एच.पी. व एबीवीपी ने केजरीवाल को संभावित आंदोलन व मंच दिया और इस तरह "आप" का जन्म हुआ।
- संविधान को बचाने के लिए हम लोग साथ आये थे। हमारी विचारधाराएँ नहीं मिलती हैं। अतः, आज उन्होंने इंडिया गठबंधन छोड़ा है, कल फिर साथ आ सकते हैं। पर, उनके जाने से इंडिया गठबंधन में कोई कमज़ोरी नहीं आई है।

इन्हें ताकत दी, वे थे भाजपा, आरएसएस, बजरंग दल, विहिप और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी)। भाजपा ने उन्हें एक सुसज्जित आंदोलन और मंच दिया, और इसी तरह आप का जन्म हुआ। उनकी विचारधारा, भाजपा और आरएसएस की है।"

उन्होंने आगे कहाः "अरविंद केजरीवाल दलित-विरोधी हैं और सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं... हमारी विचारधाराएं कभी मेल नहीं खाई, लेकिन संविधान को बचाने के लिए हम साथ आए थे। अब यह उन पर निर्भर है कि वे गठबंधन में रहना चाहते हैं या नहीं... हो सकता है कि वे फिर से बाहर से भाजपा की मदद करें। वे भविष्य में फिर से इंडिया गठबंधन में शामिल हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बेंगुलुरु हवाई अड्डे पर एक यात्री से 4 किलो कोकीन मिली

नयी दिल्ली, 19 जुलाई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री से चार किलोग्राम से अधिक कोकीन ज़ब्त की है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 40 करोड़ रुपये है। इस प्रकरण में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

वित्त मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के

- कोकीन कॉमिक्स में छुपाकर रखी गई थी। इसकी कीमत 40 करोड़ के लगभग बताई जा रही है।

अनुसार, एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने शुक्रवार को सुबह दोहा से बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुँचे एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका। उसके सामान की सावधानीपूर्वक जाँच करने पर पता चला कि उसके पास दो सुपरहीरो कॉमिक्स ओर पत्रिकाएँ थीं, जो असामान्य रूप से भारी थीं। अधिकारियों ने पत्रिकाओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईडी ने उत्तराखंड के कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की

हरक सिंह रावत, उनकी पत्नी दीप्ती रावत तथा इन दोनों के सहयोगी बीरेन्द्र सिंह कंडारी, लक्ष्मी सिंह राणा व दिवंगत सुशीला रानी के खिलाफ आरोप है कि उन्होंने दो भूंखड, जिनका क्षेत्रफल 101 बीघा था, बहुत कम दामों में बेच कर "मनी लॉण्डरिंग" का अपराध किया?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जुलाई। प्रवर्तन निदेशालय (एन्फोर्समैंट डॉयरेक्टोरेट-ईडी) ने शुक्रवार (19 जुलाई, 2025) को कहा कि उसने उत्तराखंड के कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत, उनकी पत्नी तथा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला देहरादून में दो भूखंडों को, कथित रूप से, हड़पने से जुड़ा है, जिनकी बाजार कीमत 70 करोड़ रूपए से अधिक बताई जा रही है।

केन्द्रीय जाँच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कम्प्लैंट) राज्य की राजधानी देहरादून की एक विशेष

- ईडी के अनुसार, इन दो भूखंडों की कीमत बाज़ार में 70 करोड़ रूपए बताई गई है।
- हरक सिंह रावत उत्तराखंड में "वन मंत्री" थे तथा 2022 में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

प्रिवेन्शन ऑफ मनीलॉन्डरिंग एक्ट (पीएमएलए) में दर्ज की गई है।

चार्जशीट में जिन आरोपियों के नाम हैं, उनमें हरक सिंह रावत, उनकी पत्नी दीप्ति रावत, उनके कथित सहयोगी बीरेन्द्र सिंह कंडारी, लक्ष्मी सिंह राणा और श्रीमती पूर्णा देवी मेमोरियल ट्रस्ट शामिल हैं।

हरक सिंह रावत (64) उत्तराखंड के पूर्व वन मंत्री हैं। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा देकर कांग्रेस का दामन थामा था।

ईडी का यह पीएमएलए केस उत्तराखंड पुलिस की उस प्राथमिकी पर आधारित है, जो दीप्ति रावत और लक्ष्मी सिंह राणा के खिलाफ दर्ज की गई थी। उन पर आरोप है कि उन्होंने बीरेन्द्र सिंह कंडारी, हरक सिंह रावत, स्व. सुशीला रानी और कुछ अन्य लोगों द्वारा की गई एक "साजिश" के तहत, इस जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करवाई थी।

ईडी ने कहा, "माननीय न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बावजूद, सुशीला रानी ने अन्य लोगों के साथ साजिश रचकर, सहसपुर, देहरादून स्थित इन जमीनों की दो पावर ऑफ अटॉर्नी पंजीकृत करवाई।'

"इन भूखंडों को पावर ऑफ अटॉर्नी धारक बीरेन्द्र सिंह कंडारी, जो हरक सिंह रावत के करीबी माने जाते हैं, ने दीप्ति रावत और लक्ष्मी सिंह राणा को उस क्षेत्र में प्रचलित सर्किल रेट से काफी कम कीमत पर बेचा।"

ईडी ने आगे बताया कि दीप्ति रावत द्वारा खरीदे गए ये भूखंड अब "दून इंस्टीट्यूट ऑफ मैडिकल साइंसेज़" का हिस्सा हैं, जिसे "हरक सिंह रावत के परिवार और दोस्तों द्वारा "नियंत्रित" श्रीमती पूर्णा देवी मेमोरियल ट्रस्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अडानी के विरोध के कारण बघेल को सजा'

नयी दिल्ली, 19 जुलाई। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार छत्तीसगढ़ के जंगल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नजदीकी उद्योगपति गौतम अडानी को सौंप रही है और राज्य के

- कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि बघेल छत्तीसगढ़ के जंगल अडानी को देने का विरोध कर रहे हैं इसलिए उन पर यह कार्यवाही की गई है, पर हम डरने वाले नहीं हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इसका जमकर विरोध कर रहे हैं, इसलिए उनके परिवार को इसकी सजा दी जा रही है।

वाड्रा ने आज यहां कहा कि बघेल इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने वाले थे लेकिन उससे पहले ही उनकी आवाज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'उद्योग विभाग समन्वय कर एमओयू क्रियान्वयन की प्रगति रिपोर्ट दे'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राइज़िंग राजस्थान एमओयू की ग्राउन्ड ब्रेकिंग की समयबद्ध योजना बनाएं

जयपुर, 19 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की आर्थिक प्रगति को गति प्रदान करने में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट मील का पत्थर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर बनाने में समिट के निवेश प्रस्ताव उल्लेखनीय भूमिका निभाएंगे।

समिट के तहत हुए एमओयू के धरातल पर मूर्त रूप लेने से युवाओं के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के

- मुख्यमंत्री ने इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ग्राउन्ड ब्रेकिंग लक्ष्य हासिल करने के लिए ऊर्जा, उद्योग, खनन, यूडीएच, कृषि तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की सराहना की।

अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय से एमओयू को धरातल पर मूर्त रूप देने के साथ ही, आगामी तिमाही के ग्राउंड ब्रेकिंग लक्ष्य की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करें।

उन्होंने उद्योग विभाग को सभी विभागों से समन्वय कर एमओयू

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व विभाग को निर्देश दिए कि भूमि आवंटन की प्रक्रिया में और तेजी लाएं।

क्रियान्वयन की प्रगति की मॉनिटरिंग करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में विभागों के ग्राउंड ब्रेकिंग लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए, ऊर्जा, उद्योग, खनन, यूडीएच, कृषि और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागों के एमओयू क्रियान्वयन की प्रगति की सराहना की।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में एविएशन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र के निवेश प्रस्तावों के धरातल पर मूर्त रूप लेने से प्रदेश में हवाई सेवाओं का विस्तार होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

शर्मा ने समिट के तहत हुए निवेश एमओयू की श्रेणीवार समीक्षा भी की, तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी तिमाही में इनकी ग्राउंड ब्रेकिंग के लिए सभी विभाग विशेष कार्ययोजना बनाकर मिशन मोड पर कार्य करें।

स्वर्ण मंदिर को आठवीं बार बम से उड़ाने की धमकी

अमृतसर, 19 जुलाई। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को शनिवार को स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक और ई-मेल मिला। चौदह जुलाई के बाद से यह ऐसी आठवीं ऐसी धमकी है।

ऐसी धमकियों के मद्देनजर, पवित्र सिख तीर्थस्थल स्वर्ण मंदिर के आसपास

- शनिवार को भी ईमेल भेजकर धमकी दी गई। इस मामले में गिरफ्तार शुभम दुबे से पूछताछ चल रही है।

सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। मंदिर के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी परिसर में गश्त कर रहे हैं।

अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज ने अब तक अपराधियों की पहचान करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आत्मविश्वास सफलता का मुख्य रहस्य है। –एमर्सन

घास-भूमि पर आक्रामक प्रजातियों से उत्पन्न संकट व समाधान

अरावली पर्वतमाला उत्तर-पश्चिम भारत की प्रमुख पारिस्थितिक इकाई है। यह दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक लगभग 670 किलोमीटर में फैली हुई है। यह क्षेत्र मुख्यत: शुष्क से अर्द्ध-शुष्क जलवायु वाला है, जिसमें वार्षिक वर्षा औसतन 500-700 मिमी के बीच होती है। अरावली की घास-भूमियाँ पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी एवं जल संरक्षण तथा ग्रामीण समुदायों की आजीविका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये घास-भूमियाँथार रेगिस्तान के विस्तार को रोककर उत्तर भारत, विशेष रूप से दिल्ली-एनसीआर को मरुस्थलीकरण के खतरे से सुरक्षित रखती हैं। घासभूमियाँ पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का एक समृद्ध स्त्रोत हैं, जो जैवविविधता संरक्षण, जलसंरक्षण, जलवायु नियमन और मृदा उर्वरता जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य निभाती हैं। ये क्षेत्र अनेक वन्यजीवों, विशेषकर चरने वाले स्तनधारियों और परागणकर्ताओं का आवास हैं, जिससे खाद्यशृंखला और परागण-आधारित कृषि प्रणाली सुदृढ़ होती है। घासभूमियाँ वर्षा जल के संचयन और भूजल पुनर्भरण में सहायक होती हैं तथा भूमिकटाव को रोक कर मृदा की उत्पादकता बनाए रखती हैं। साथ ही, ये कार्बन को जैविक रूप में मृदा में संचित करके जलवायु परिवर्तन के शमन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन सेवाओं का आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक महत्व अत्यंत व्यापक है।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण, अनियंत्रित खनन, अत्यधिक चराई, अतिक्रमण और विदेशी आक्रामक पौधों के कारण अरावली की घासभूमियों का बहुत ह्रास हुआ है। राजस्थान में पत्थर के खनन से कई पहाड़ियाँ विलुप्त हो गई हैं, वहीं दिल्ली और हरियाणा के क्षेत्रों में शहरी विकास और अतिक्रमण से पहाड़ियों का अस्तित्व खतरे में है। इसके अतिरिक्त, विलायती कीकर या प्रोसोपिसजूलीफ्लोरा, लैंटाना, और पार्थेनियमया गाजरघास जैसी आक्रामक प्रजातियों ने घास के बीड़ों की स्थानीय वनस्पतियों को गंभीर नुकसान पहुँचाया है।

विदेशी प्रजाति प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के आक्रमण से देश के विभिन्न क्षेत्रों में इन घासभूमियों की स्थिति चिंताजनक हो गई है। यह पौधा मूलत: मध्य और दक्षिण अमेरिका का है, जिसे भारत में ब्रिटिश काल के दौरान मरुस्थलीकरण नियंत्रण और ईंधन की समस्या के समाधान हेतु लगाया गया था। बाद में यह प्रजाति तीव्रता से फैलती गई, और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्रों के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है। उदाहरण के लिए तमिलनाडु राज्य के पॉइंट कैलीमर वन्यजीव अभयारण्य, गिंडी राष्ट्रीय उद्यान और सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य में हुए अध्ययनों के अनुसार, प्रोसोपिस के विस्तार के कारण यहाँ पाए जाने वाले कृष्णमृग जैसे स्थानीय जीवों की आबादी और वितरण गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। घासभूमि की उपलब्धता, घास का उत्पादन और खुले पर्यावास क्षेत्र में कमी आने से कृष्णमृग का घनत्व घट गया है। प्रोसोपिस के बढ़ते आवरण के कारण घास के मैदानों में होने वाली जैविक गतिविधियाँ कम हुई हैं।

गुजरात राज्य के बन्नीघासभूमिकभी एशिया के सबसे विशाल प्राकृतिक चरागाह थे, परन्तु अब प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के प्रसार ने स्थानीय पारिस्थितिकी को बुरी तरह प्रभावित किया है। यहाँ की मूल घास प्रजातियाँ धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। इस बदलाव का प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था और समाज पर भी पड़ा है। ग्रेट रण ऑफ कच्छ क्षेत्र और जंगली गधा वन्यजीव अभयारण्य में भी यही समस्या देखी गई है, जहाँ बीते दशकों में घासभूमि का लगभग 45 प्रतिशत क्षेत्र प्रोसोपिस से ढक गया है। प्रोसोपिस की वार्षिक प्रसार दर यहाँ 2 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक पाई गई है।

राजस्थान के थार मरुस्थल में भी प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा ने सामुदायिक चरागाहों पर आक्रमण किया है, जिससे स्थानीय वनस्पतियों की प्रजातियों में भारी गिरावट आई है। इस क्षेत्र में प्रोसोपिस के नियंत्रण के लिए लकड़ी से चारकोल बनाने, फलियों से आटा बनाने जैसे उपायों का उपयोग आर्थिक लाभ के साथ किया जाने के प्रयास हुए है, किन्तु स्थानीय समुदाय केवल ईंधन के लकड़ी के लिए शाखाएं काट कर ले जाते हैं और ठूंठ में पुन: प्रस्फुटन होते रहने के कारण प्रसार को नियंत्रित नहीं किया जा सका। छोटे स्तनधारियों जैसे कृन्तकों पर भी प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के प्रभाव का अध्ययन पश्चिम भारत के घासभूमि पारिस्थितिकी में किया गया है। शोध में स्पष्ट हुआ कि प्रोसोपिस के घने आवरण वाले क्षेत्रों और पूर्णत: खुले घासभूमि क्षेत्रों में कृन्तकों की आबादी अधिक रही, जबकि आंशिक रूप से फैले प्रोसोपिस क्षेत्रों में उनकी संख्या कम थी। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रोसोपिस के प्रभाव स्थान विशेष और प्रजाति विशेष पर निर्भर हैं।

यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल के रूप में घोषित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर पक्षी अभयारण्य) भी प्रोसोपिस के आक्रमण से अत्यंत प्रभावित हुआ है। शोध में पाया गया है कि पिछले पाँच दशकों (1972-2024) के दौरान में यहाँ प्रोसोपिस का फैलाव लगभग 82 प्रतिशतबढ़ा है, जबकि स्थानीय घास भूमियाँ 51 प्रतिशत घट गई हैं। इस अवधि में प्रोसोपिस का वार्षिक प्रसार दर 3 प्रतिशत से अधिक आँकी गई है। हालाँकि वर्ष 2021 के बाद से प्रबंधन प्रयासों से इसके फैलाव में थोड़ी कमी आई है, लेकिन समस्या अभी भी बनी हुई है और निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है।

भारत के उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में घासभूमियाँ एवं वन पारिस्थितिक तंत्र लैंटाना है के कारण भी संकटग्रस्त हैं। लैंटाना मूल रूप से दक्षिण अमेरिका से आया एक सजावटी पौधा है, जो अब भारत के लगभग सभी उष्ण एवं उपोष्ण क्षेत्रों में तेजी से फैल चुका है। लैंटाना की झाड़ी न केवल स्थानीय जैवविविधता को नष्ट करती है, बल्कि वन्य जीवों के लिए प्राकृतिक आवासों को भी हानि पहुँचाती है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष भी बढ़ रहा है। आंध्र प्रदेश की नल्लमल्लाय पर्वत श्रृंखला भी आक्रामक प्रजातियों से प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। यहाँ शोधार्थियों ने सात अत्यंत हानिकारक प्रजातियाँ चिन्हित की हैं जिनमें लैंटाना, गाजर घास या पार्थिनियम हिस्टेरोफोरस, चटक चाँदनी (हिप्तिससुआवेओलेंस, लाजवंती, क्लीओमविस्कोसा और विलायती बबूल शामिल हैं। ये स्थानीय वनस्पतियों के लिए अस्तित्व का खतरा बन चुकी हैं।

हाल ही में भारत सरकार ने 'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना प्रारंभ की है, जिसका उद्देश्य गुजरात से दिल्ली तक लगभग 1400 किलोमीटर लंबी और 5 किलोमीटर चौड़ी हरित पट्टी विकसित करना है। इस परियोजना में स्थानीय प्रजातियों का रोपण, जल संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी और जैव विविधता संरक्षण मुख्य घटक हैं।

लैंटाना नियंत्रण के लिए एक प्रभावी रणनीति विकसित की गई है, जो कॉर्बेट बाघ अभयारण्य, कलेसर राष्ट्रीय उद्यान, हरियाणा, सतपुड़ा बाघ अभयारण्य, मध्य प्रदेश, और राजस्थान के रणथम्भोर और सरिस्का बाघ अभयारण्यों में सफलतापूर्वक लागू की गई है। इस पद्धति में पहले लैंटाना को जड़ सहित उखाड़कर हटाया जाता है। जड़ों वाला हिस्सा ऊपर की ओर रखते हुए ढेर लगाया जाता है जो बाद में सड़कर मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ाता है। बाद में अंकुरित होने वाली लैंटाना के नए पौधों को नियमित रूप से हटाया जाता है। खाली हुई भूमि का पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन स्थानीय घास प्रजातियों और फोर्ब्स के माध्यम से किया जाता है।

हाल ही में भारत सरकार ने 'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना प्रारंभ की है, जिसका उद्देश्य गुजरात से दिल्ली तक लगभग 1400 किलोमीटर लंबी और 5 किलोमीटर चौड़ी हरित पट्टी विकसित करना है। इस परियोजना में स्थानीय प्रजातियों का रोपण, जल संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी और जैव विविधता संरक्षण मुख्य घटक हैं। पुनर्स्थापन के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप स्वदेशी प्रजातियों का चयन आवश्यक है। चयनित प्रजातियाँ सूखा-सहनशील, तेजी से बढ़ने वाली, और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल होनी चाहिए। प्रमुख घास प्रजातियों में अंजन घास, पवना घास, धोलू घास, धामन घास शामिल हैं। ये प्रजातियाँ सूखा-सहिष्णु हैं, अच्छी चारा गुणवत्ता प्रदान करती हैं, और मिट्टी को स्थिर रखने में सहायक होती हैं। घासों के साथ-साथ स्थानीय शाकीय प्रजातियाँ जैसे इन्डिगोफेरा, सरफोंका, शंखपुष्पी आदि भी पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण हैं। ये शाकीय पौधे भूमि का आवरण बनाते हैं, मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ाते हैं, और परागणकर्ताओं के लिए आवास प्रदान करते हैं।

इन घासभूमियों का पुनर्स्थापन न केवल पर्यावरणीय संतुलन के लिए आवश्यक है, अपितु यह ग्रामीण आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

इस पुनर्स्थापन प्रक्रिया का प्रथमचरण आक्रामक बाह्य वनस्पति प्रजातियों का प्रभावी नियंत्रण है। विलायती कीकर जैसी प्रजातियाँ भूमिगत जल, पोषक तत्त्वों एवं सूर्यप्रकाश का अत्यधिक दोहन कर देशज वनस्पतियों के विकास को अवरुद्ध करती हैं। इनका समूल उन्मूलन आवश्यक होता है। इसी प्रकार, लैंटाना तथा गाजर घास जैसी झाड़ियों का नियंत्रण निराई, छँटाई और दीर्घकालिक सतत निगरानी के माध्यम से किया जा सकता है। द्वितीय चरण में स्थल का समग्र मूल्यांकन किया जाता है, जिसमें मृदा की बनावट, जलस्त्रोतों की उपलब्धता, स्थल की ढाल, तथा शेष बची देशज वनस्पतियों की स्थिति का सूक्ष्म अध्ययन किया जाता है। इसके पश्चात, जल-संरक्षण एवं मृदा-उन्नयन हेतु समोच्च रेखीय खाइयों, अवरोध बाँधों, पत्थर बाँधों तथा गोबर या हरी खाद जैसे जैविक उर्वरकों का उपयोग किया जाता है। तृतीय चरण में वर्षाऋतु के प्रारम्भ में स्थानीय देशज घासों -जैसे-सेनक्रस, डाईकैन्थियम, हेटेरोपोगोन आदि तथा शाकीय वनस्पतियों जैसे-स्टाइलोसेन्थेस, अलिसीकार्पस, नील आदि के बीजों का छिड़काव किया जाता है। पथरीले एवं दुर्गम क्षेत्रों में बीज-पिंड (सीड बॉल) जैसी नवाचार-आधारित विधियों का भी उपयोग किया जा सकता है।

बीजों के प्रसारण के उपरान्त प्रथम दो वर्षों तक इस नवस्थापित घासभूमि को चराई से पूर्णत: सुरक्षित रखना अनिवार्य होता है। इसके लिए अस्थायी बाड़, समुदाय-नियंत्रित चराई व्यवस्था, तथा पशुपालकों की सहभागिता से निगरानी की व्यवस्था की जाती है। पुनर्स्थापन की प्रगति की निरंतर निगरानी हेतु वार्षिक वनस्पति मूल्यांकन, चित्र विश्लेषण, तथा ग्राम आधारित विवरण प्रणाली को संस्थागत रूप देना चाहिए। जब घास एवं शाकीय वनस्पति स्थिर हो जाए, तब चरणबद्ध चराई एवं घास की कटाई की अनुमति दी जा सकती है, जिससे पारिस्थितिक संतुलन बना रहे और समुदाय को सतत लाभ प्राप्त हो।

बीज एवं रोपण सामग्री की सुनिश्चितता हेतु राज्य वनविभाग की नर्सरियाँ, भारतीय घासभूमि एवं चारा अनुसंधान संस्थान (झाँसी), केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (जोधपुर), कृषि विश्वविद्यालयों एवं समुदाय आधारित बीज भंडारों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। स्थानीय समुदायों को प्रशिक्षित कर बीज संग्रहण, बीज प्रसंस्करण एवं नर्सरी संचालन की क्षमता विकसित की जा सकती है, जिससे दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता संभव हो सके।

नीतिगत दृष्टि से घासभूमि पुनर्स्थापन हेतु अंतराज्यीय समन्वय, स्पष्ट भू-अधिकार, स्थानीय समुदायों की सक्रिय सहभागिता, एवं ग्रामीण आजीविका के सृजन हेतु योजनाबद्ध प्रयत्न अपेक्षित हैं। विशेष रूप से जलवायु संरक्षण से जुड़ी सेवाओं का आर्थिक मूल्य निर्धारण कर उसका प्रत्यक्ष लाभ समुदायों को प्रदान करना इस प्रक्रिया को स्थायित्व प्रदान करेगा। जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को घासभूमि के पर्यावरणीय एवं आर्थिक महत्व से परिचित कराना भी अत्यन्त आवश्यक है।

अन्तत:, अरावली सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में घासभूमि पुनर्स्थापन एक दीर्घकालिक, बहु-स्तरीय एवं सामूहिक उत्तरदायित्व की प्रक्रिया है, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रशासनिक संकल्प और जन-सहभागिता का समन्वित प्रयास आवश्यक है। यह प्रक्रिया न केवल पर्यावरणीय संतुलन और जलवायु अनुकूलन का माध्यम बनेगी, अपितु यह ग्राम्य जीवन, जल-स्त्रोतों, और जैवविविधता के लिए एक नवजीवन प्रदान करेगी-जिससे भावी पीढ़ियों के लिए एक संतुलित, हरित एवं टिकाऊ भारत की कल्पना साकार हो सकेगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

छात्रों की बढ़ती फीस, पेंशन अनिश्चितता- विश्वविद्यालयों का यथार्थ

अशोक शर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा में नवाचार, विशेषकर डिजिटलीकरण और जैसी प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर बहुत जोर दिया गया है, और यह उम्मीद की गई थी कि इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारें शिक्षण संस्थानों को बेहतर आर्थिक सहायता प्रदान करेंगी। हालांकि, जैसा कि आपने अनुभव किया है, जमीनी स्तर पर यह अपेक्षा पूरी तरह से पूरी होती नहीं दिख रही है। 2020 में शिक्षा में नवाचार के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण है, लेकिन इसे लागू करने के लिए आवश्यक वित्तीय प्रतिबद्धता, विशेषकर राज्य सरकारों की ओर से, अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। जब तक केंद्र और राज्य सरकारें शिक्षा को एक महत्वपूर्ण निवेश के रूप में नहीं देखतीं और इसके लिए पर्याप्त बजट आवंटित नहीं करतीं, तब तक के नवाचार संबंधी लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त करना मुश्किल होगा।

राज्य सरकारें विश्वविद्यालयों को पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं दे रही हैं! एक ओर सरकार कहती है कि विश्वविद्यालय अपनी आय के स्त्रोत बढ़ाएँ: इसका मतलब है कि विश्वविद्यालय स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम, परामर्श सेवाएं, अनुसंधान परियोजनाएं, या अन्य माध्यमों से धन जुटाएं। सरकार चाहती है कि विश्वविद्यालय अपनी वित्तीय आत्मनिर्भरता बढ़ाएं और पूरी तरह से सरकारी अनुदान पर निर्भर न रहें। विश्वविद्यालय एक तरफ तो आय बढ़ाने के लिए दबाव में हैं, और दूसरी तरफ, जब वे अपनी मेहनत से आय अर्जित करते हैं, कई राज्यों में सरकार इस आय का 25 प्रतिशत हिस्सा ले लेती है यह उनकी वित्तीय स्थिति को और कमजोर हैं!

उनके पास अपने विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने या छात्रों को सुविधाएं देने के लिए बहुत कम पैसा बचता है। इसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता है।

अंतत:, इस वित्तीय कमी का बोझ छात्रों पर ही पड़ता है। विश्वविद्यालय और कॉलेज अपनी आय की कमी को पूरा करने के लिए फीस बढ़ाते हैं, जिससे स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों की फीस और भी अधिक हो जाती है, जैसा कि हमने पहले चर्चा की। यह गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा को और भी दुर्गम बना देता है।

सरकार का उद्देश्य विश्वविद्यालयों को आत्मनिर्भर बनाना हो सकता है, लेकिन इस तरह से आय का एक हिस्सा वापस लेना इस लक्ष्य को कमजोर करता है। यह विश्वविद्यालयों को अपनी पूरी क्षमता से काम करने से रोकता है। सरकार को विश्वविद्यालयों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, लेकिन साथ ही उन्हें पर्याप्त वित्तीय स्वायत्तता भी देनी चाहिए ताकि वे अपनी आय का उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के कल्याण के लिए कर सकें।

विश्वविद्यालयों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें बिना योजना के स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम चलाने पड़ रहे हैं। इसका सीधा असर छात्रों पर पड़ता है, खासकर गरीब छात्रों पर, क्योंकि उन्हें इन पाठ्यक्रमों के लिए उच्च शुल्क देना पड़ता है।

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अपने खर्च चलाने के लिए छात्रों से ट्यूशन, परीक्षा और अन्य संबद्धता शुल्क के नाम पर ज़्यादा पैसे लेने पड़ते हैं।कॉलेजों को विश्वविद्यालयों से संबद्धता बनाए रखने के लिए भी ज़्यादा शुल्क देना पड़ता है, और वे इस लागत को भी छात्रों से वसूलते हैं। यह सब मिलकर गरीब और वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा को मुश्किल बना देता है। शिक्षा एक अधिकार है, लेकिन इन शुल्कों के कारण यह एक महंगी वस्तु बन गई है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों का शोषण होता है। यह सिर्फ पैसों का मामला नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता का भी सवाल है। जब उच्च शिक्षा महंगी हो जाती है, तो यह समाज के एक बड़े वर्ग के लिए पहुंच से बाहर हो जाती है। इससे गरीब बच्चे अच्छी शिक्षा पाने से वंचित रह जाते हैं, जिससे गरीबी और असमानता का दुष्चक्र चलता रहता है।

इस समस्या को हल करने के लिए कई स्तरों पर काम करना होगा : सरकारी फंडिंग में वृद्धि: सबसे ज़रूरी है कि राज्य सरकारें विश्वविद्यालयों को पर्याप्त वित्तीय सहायता दें। शिक्षा को निवेश के तौर पर देखा जाना चाहिए, न कि सिर्फ खर्च के तौर पर। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अपने शुल्क ढांचे को पारदर्शी बनाना चाहिए और हर शुल्क के पीछे का कारण स्पष्ट करना चाहिए। नियामक निकायों को कॉलेजों द्वारा मनमाने ढंग से शुल्क वसूलने पर कड़ी नज़र रखनी चाहिए और उन्हें रोकना चाहिए। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए ज़्यादा से ज़्यादा छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता योजनाएं शुरू की जानी चाहिए।छात्र संघों, अभिभावक समूहों और नागरिक समाज संगठनों को मिलकर सरकार पर दबाव बनाना चाहिए ताकि शिक्षा के लिए सार्वजनिक फंडिंग बढ़ाई जाए और स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों को विनियमित किया जाए।

यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर ध्यान देने और ठोस कदम उठाने की जरूरत है ताकि उच्च शिक्षा सभी के लिए सुलभ और सस्ती बन सके, न कि केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए।

राजस्थान के कई विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को पेंशन न मिलने या भविष्य में इसकी संभावना कम होने की समस्या गंभीर है, और इस पर राज्य सरकार की शांति या निष्क्रियता कई सवाल खड़े करती है। यह सिर्फ कर्मचारियों की वित्तीय सुरक्षा का मामला नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा संस्थानों के भविष्य और उनमें काम करने वाले लोगों के मनोबल से भी जुड़ा है।

कई विश्वविद्यालय सीधे राज्य सरकार के तहत आते हैं। यदि सरकार विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को सीधे पेंशन देने की जिम्मेदारी नहीं लेती है या इसमें देरी करती है, तो यह विश्वविद्यालयों के लिए एक बड़ी समस्या बन जाती है, खासकर जब वे स्वयं भी वित्तीय संकट से जूझ रहे हों।

विश्वविद्यालयों की अपनी आय का उपयोग: जैसा कि हमने पहले चर्चा की, यदि विश्वविद्यालय अपनी आय का एक हिस्सा, 25 प्रतिशत सरकार को देते हैं, तो उनके पास कर्मचारियों को पेंशन देने या उनके भविष्य निधि में योगदान करने के लिए पर्याप्त धन नहीं बचता। राजस्थान के विश्वविद्यालय में लड़कियों और कुछ आरक्षित वर्ग के छात्रों से सामान्य छात्रों की तुलना में कम फीस ली जाती है, लेकिन सरकार द्वारा इस कम फीस का पूरी तरह से पुनर्भरण नहीं किया जाता, जबकि कई अन्य राज्यों में सभी छात्रों की फीस समान होती है और आरक्षित वर्ग के छात्रों को सीधे सरकार द्वारा पुनर्भरण मिल जाता है। यदि सरकार आय का 25 प्रतिशत न काटे और आरक्षित वर्ग की फीस का पुनर्भरण कर दे तब कर्मचरियों की पेंशन की समस्या का हल हो सकता है। पर्याप्त सरकारी सहायता के बिना डिजिटल नवाचारों में निवेश करते हैं, तो अंतत: इसका बोझ छात्रों पर फीस वृद्धि के रूप में पड़ सकता है।

पेंशन न मिलना या अनिश्चितता कर्मचारियों के लिए कई तरह से हानिकारक है:सेवानिवृत्ति के बाद की आय की अनिश्चितता कर्मचारियों में भय और चिंता पैदा करती है, खासकर जब उन्हें अपनी बचत पर निर्भर रहना पड़े। जब कर्मचारी यह देखते हैं कि उनकी दशकों की सेवा के बाद उन्हें पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिल रही है, तो उनका मनोबल गिरता है, जिससे उनके काम की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।योग्य और अनुभवी शिक्षक तथा कर्मचारी ऐसे संस्थानों की तलाश कर सकते हैं जहाँ बेहतर सेवानिवृत्ति लाभ और वित्तीय सुरक्षा हो, जिससे राज्य के विश्वविद्यालयों में प्रतिभा की कमी हो सकती है।

राज्य सरकार की ओर से इस मुद्दे पर शांति या निष्क्रियता कई बातें दर्शाती है: हो सकता है कि सरकार के लिए कर्मचारियों की पेंशन का मुद्दा अन्य राजनीतिक या आर्थिक प्राथमिकताओं की तुलना में कम महत्वपूर्ण हो। सरकार स्वयं वित्तीय दबाव में हो सकती है और इस मुद्दे को हल करने के लिए तत्काल कोई समाधान न हो। सरकार इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट नीतिगत निर्णय नहीं ले पा रही हो, या वह विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही हो जिसमें समय लग रहा हो। कर्मचारियों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे को हल करने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है, जिसकी कमी हो सकती है। यह स्थिति उच्च शिक्षा क्षेत्र में एक बड़े संकट की ओर इशारा करती है। सरकार को जल्द से जल्द इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए और विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के पेंशन के लिए एक स्थायी और सम्मानजनक समाधान खोजना चाहिए ताकि उनके भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

लाला काशीराम की पुण्यतिथि पर घीलोठ विद्यालय में शिक्षा का नया नवाचार

बर्न मुक्त ग्राम अभियान के तहत जल जाने पर प्राथमिक उपचार का प्रमुख संदेश 'जल जाओ तो पानी डालो' प्रिंट किये बैग वितरित किये

अलवर। कर्मयोगी लाला काशीराम गुप्ता, स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद, अलवर तथा विद्यालय के संस्थापक एवं दानदाता की 47वीं पुण्यतिथि शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घीलोठ, तहसील नीमराणा, कोटपूतली-बहरोड़ में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का प्रारंभ स्व. लालाजी के परिवार द्वारा दान किए गए 50 पौधों के पौधारोपण से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान लाला काशीराम किस्तूरी देवी गुप्ता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से विद्यालय के 275 छात्रों को विशेष स्कूल बैग्स मुख्य अतिथि रेणु गुप्ता, अल्का गुप्ता, पुष्पा गुप्ता एवं ग्रामवासियों द्वारा वितरित किए गए। इन स्कूल बैग्स की विशेषता यह रही कि इन पर देश की जानी-मानी प्लास्टिक सर्जन डॉ मालती गुप्ता, पुत्री लाला काशी रामजी एवं किस्तूरी देवी द्वारा संचालित एवं निर्देशित बर्न मुक्त ग्राम अभियान के तहत जल जाने पर प्राथमिक उपचार का प्रमुख संदेश 'जल जाओ तो पानी डालो' प्रिंट करवाया गया है, ताकि प्रत्येक बालक इस संदेश को आत्मसात करे और इसे प्रत्येक घर परिवार तक पहुंचाए। इस विषय पर यह अनोखा नवाचार शिक्षा जगत में विश्व में पहली बार अपनाया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य कालूराम सिरोहीवाल ने लाला काशीरामजी के जीवन पर प्रकाश डाला एवं मुख्य अतिथियों का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया तथा बर्न मुक्त ग्राम अभियान के तहत जल जाने पर प्राथमिक उपचार के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को अल्का गुप्ता ने भी संबोधित किया।

कर्मयोगी लाला काशीराम गुप्ता, स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद अलवर तथा दानदाता की 47वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

■ कार्यक्रम का प्रारंभ लालाजी के परिवार द्वारा दान किए गए 50 पौधों के पौधारोपण से किया गया

इस अवसर पर परमानन्द यादव सरपंच ग्राम पंचायत घीलोठ, महताब सिंह चौहान पूर्व सरपंच प्रतिनिधि, राकेश चौहान एसडीएमसी सदस्य, रवीन्द्र खींची पंचायत समिति सदस्य, सतीश चौहान, भामाशाह जलवीर सिंह यादव, परस राम गुप्ता से.नि.अ, विजेंद्र, अनुबाला, अंजु, कविता, मधु, पूनम, नवल सिंह, जयसिंह, सत्यवीर सिंह, दिनेश, दीपक, मुंशीराम, विनोद, जोगेन्द्र, राजेंद्र मेहता, दीपक सोनी, कंवर सिंह आदि उपस्थित रहे।

राशिफल रविवार 20 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 10:33 तक, गंड योग रात्रि 9:8 तक, विष्टि करण दिन 12:13 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 6:12 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 12:13 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:30 से 9:11 तक, लाभ-अमृत 9:11 से 12:33 तक, शुभ 2:14 से 3:55 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:49, सूर्यास्त 7:17

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति एवं आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
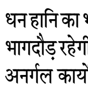
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धन हानि का भय है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कर्क
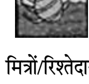
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यक्तिगत कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
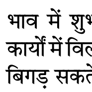
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक
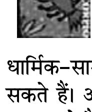
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

धनु

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मकर

महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आवश्यक और उचित परामर्श मिल सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

कुंभ
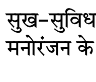
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
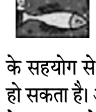
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सार-समाचार

वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। शहीद मुस्ताक अली खान राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जाजोद में शनिवार को मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो राजस्थान के तहत शनिवार को विद्यालय परिसर पौधारोपण कर कार्यक्रम का आगाज किया गया। पूर्व सरपंच लियाकत खान के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण की शुद्धता के लिए पेड़ों की महता के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। प्रारंभ में प्राचार्य रामचंद्र खीचड़ ने शिक्षा विभाग की कार्य योजना एवं लक्ष्य के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों द्वारा 300 पौधों का पौधारोपण किया गया। प्रारंभ में विद्यालय के 25 नव प्रवेशी विद्यार्थियों का माल्यार्पण कर एवं पाठ्य सामग्री प्रदान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगीता ओला, मंजू देवी, अनीता, आबिद हुसैन, समीक्षा शर्मा, संगीता नेहरा झिनु कुमारी, कविता सैनी ,संतोष रणवा, मनोज पिलानियां, रवि चौधरी, अंकित मौर्य, मुकेश टेलर, फरमान अली सहित गांव के गणमान्य नागरिक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित जनों ने इस अभियान के तहत लगाए जाने वाले पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक रोशन अली ने किया।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया

रतनगढ़ (निसं)। श्री दुर्गा प्रसाद धानुका बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय संस्कार केंद्र प्रमुख महिपाल प्रजापत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में धनराज सैन (व्यवस्थापक, राजलदेसर), विद्यालय व्यवस्थापक रामोतार शर्मा, लोकेश चौमाल, सुनील महर्षि, ताराचंद शर्मा, श्रीकृष्ण स्वामी, नरेन्द्र कुमार चौमाल मंचस्थ थे। मुख्य अतिथि प्रजापत ने सभी सफल छात्र-छात्राओं और आचार्यों को उनकी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर संकुल के कुल 69 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने सभी विषयों में ए ग्रेड हासिल किया, जबकि 103 छात्र-छात्राओं ने समग्र रूप से ए ग्रेड प्राप्त किया। विद्यालय व्यवस्थापक रामोतार शर्मा ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अमित हरितवाल, काशीराम स्वामी, मुरलीधर प्रजापत सहित छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन नरेन्द्र कुमार चौमाल ने किया।

नाबालिग को भगाकर ले जाने के प्रकरण में एक युवक गिरफ्तार

रतनगढ़ (निसं)। नाबालिग को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने के प्रकरण में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। सीआई दिलीपसिंह ने बताया कि दो जुलाई को रतनगढ़ तहसील के एक गांव के रहने वाले 38 वर्षीय व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि एक जुलाई की सुबह उसकी दो नाबालिग बेटियां घर पर थी। एक बेटी पड़ोस में छाछ लेने के लिए गई थी तथा दूसरी बेटी घर पर थी। इसी दौरान तारानगर के ब्रह्मनगर निवासी 30 वर्षीय राजकुमार उर्फ राजू सांसी एवं खंडवा निवासी रोहित उसके घर पर आए तथा 16 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर भगाकर ले गए। इस दौरान उसकी पुत्री घर पर रखे एक लाख 60 हजार रुपए नकद, करीब 45 हजार रुपए के चांदी के तथा डेढ लाख रुपए के सोने के आभूषण भी अपने साथ ले गई। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने नाबालिग को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। वहीं प्रकरण में फरार चल रहे राजकुमार को पुलिस ने पोक्सो एवं दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

दहेज उत्पीड़न के मामले दर्ज

रतनगढ़ (निसं)। दहेज उत्पीड़न के दो अलग-अलग मामले विवाहिताओं की लिखित रिपोर्ट पर पुलिस ने दर्ज कर जांच प्रारंभ की है। पुलिस ने बताया कि वार्ड संख्या 35 की रहने वाली अंबिका शर्मा ने अपने नाना के साथ उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि उसकी शादी 11 दिसंबर 2021 को शहर के योगेश पुत्र कमलकुमार शर्मा के साथ हुई थी। लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल वालों ने दहेज के लिए परेशान करने लगे तथा मारपीट भी की। उसका स्त्री धन हड़प लिया और उसे घर से निकाल दिया। पुलिस ने विवाहिता की रिपोर्ट पर उसके पति योगेश, ससुर कमल कुमार, सास द्रोपदी, रोहित, जगदेव, रामनिरंजन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच सीआई दिलीपसिंह कर रहे है। वहीं दूसरे प्रकरण में 23 वर्षीय रूकसाना पत्नी मोहम्मद आरिफ अपनी मां राबिया के साथ पुलिस थाना में पेश होकर रिपोर्ट दी कि उसका निकाह चूरू निवासी मोहम्मद आरिफ के साथ आठ वर्ष पूर्व हुआ था। उसकी निकाह के बाद से ससुरालजन उसे दहेज के लिए परेशान करने लगे तथा उसका स्त्रीधन हड़प लिया। पुलिस ने रूकसाना की रिपोर्ट पर पति मोहम्मद आरिफ, सास नसीम बानो, ननद रूकिया, रिश्तेदार जुलेखां के विरूद्ध दहेज उत्पीडन का मुकदमा दर्ज किया है।

घुमंतु परिवारों के घरों में जाकर पौधारोपण किया

चूरू (निसं)। चूरू के निकटवर्ती गांव कडवासर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य स्वीटी शर्मा एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा राजस्थान सरकार के हरियालो राजस्थान के तहत ग्राम कडवासर में कालरा जोहड के पास स्थित घुमंतु परिवार के आवास स्थल पर जाकर पौधारोपण किया गया। साथ ही स्टाफ के अथक प्रयास से आए घुमंतु नाथ समाज के छात्र-छात्राएं जो शिक्षा से वंचित थे उनकों विद्यालय में प्रवेश देकर इन परिवारों को शिक्षा से जोड़कर मिसाल कायम की और समय समय पर विद्यालय परिवार के सहयोग से इन सभी नव पर्वेक्षी विद्यार्थियों को पुस्तक, नोटबुक, पेन, पेंसिल, जेमेट्री बॉक्स, स्कूल बैग एवं ड्रेस भी उपलब्ध करवाई गई। चूरू में ऐसा पहला प्रयास है जो एक साथ घुमंतु बच्चों को शिक्षा से जोड़ा गया है।

गौ सेवा समिति ट्रॉमा सेंटर में पानी का टैंकर भेंट किया

बीदासर (निसं)। कस्बे के उतरादा बास बाबा भोलेनाथ बगीची के पास स्थित अनाथ बीमार व बेसहारा गौवंश हेतु संचालित भगत सिंह गौ सेवा समिति ट्रॉमा सेंटर में भामाशाह चुनीलाल मेहला ने अपने पिताजी स्व. नानूराम मेहला की स्मृति में गौशाला में गायों के लिए पानी की व्यवस्था के लिए लाखों रुपये की लागत से बने पानी का टैंकर भेंट किया। इस अवसर पर दानदाता चुनीलाल का गौशाला के पदाधिकारियों ने गमंजोशी से स्वागत किया। पानी का टैंकर भेंट करते समय अध्यक्ष नोरतन जाट, सुंदर लाल साहु, रितुल जोशी, अभय सिंह, रौनक तेजस्वी, राम, गौतम, गोपीनाथ सिद्ध, राम जांगिड, गोपाल प्रजापत सहित गौशाला के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भगवान शिव का रुद्राभिषेक

रतनगढ़ (निसं)। तहसील के ग्राम सांगासर में सिद्धपीठ श्री सांगासर बालाजी मंदिर के प्रांगण में श्रावण मास के अंतर्गत भगवान शिव का रुद्राभिषेक और हवन यज्ञ आचार्य प.राधेश्याम महर्षि के सानिध्य में विद्वान पंडितो द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से किया गया। रुद्राभिषेक के मुख्य यजमान मुरारीलाल सींवाल ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की। सींवाल ने बताया कि रुद्राभिषेक जन्म जन्मांतरों के पापो से मुक्ति दिलाता व मोक्ष के द्वार खोलता है। रुद्राभिषेक के पश्चात सर्वत्र अच्छी वर्षा और सुख समृद्धि की कामना करते हुए एक कुंडी हवन यज्ञ भी किया गया। इस अवसर पर अनेक भक्त श्रद्धालु उपस्थित थे।

करंट लगने से युवक की मौत

बीदासर (निसं)। निकटवर्ती गांव बालेरा में 30 वर्षीय युवक की बिजली का करंट लगने से घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। मामले की जांच कर रहे पुलिस थाना के एएसआई रमेश कुमार मीणा ने बताया कि मृतक के बड़े भाई नाथा उर्फ नाथूराम ने लिखित रिपोर्ट दी कि मेरा छोटा भाई दाना राम मेघवाल खेत में काम कर रहा था, तथा काम करते समय विद्युत पोल में से करंट लगने से उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने बड़े भाई नाथूराम की लिखित रिपोर्ट पर मरग का मामला दर्ज कर राजकीय गोवर्धन प्रसाद टांटिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीदासर में मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

आयुक्त का अभिनन्दन किया

चूरू (निसं)। शनिवार को चूरू नगर परिषद का स्वच्छता में 7 वां स्थान पर आने पर नगर परिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह का भाजपा नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र राकसिया, मण्डल उपाध्यक्ष आकाश सैनी, मंडल उपाध्यक्ष ओम सिंह शेखावत, मण्डल उपाध्यक्ष ओम इंदौरिया ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

'सामुदायिक सहभागिता से विद्यालय विकास व शिक्षा में गुणात्मक सुधार की आवश्यकता'

चूरू (निसं)। शनिवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चूरू में चार दिवसीय जिला संदर्भ समूह (डीआरजी) प्रशिक्षण का समापन हुआ। समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं डाइट प्राचार्य डॉ. गोविन्द सिंह राठौड़ ने कहा कि हमे ऐसे प्रयोग करने चाहिए कि शोध कार्य का परिणाम धरातल पर दृष्टिगोचर हो तथा शिक्षक, शिक्षार्थी व अभिभावक को शोध कार्यो का प्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक लाभ मिले।

इसके साथ साथ उन्होने सामुदायिक सहभागिता से विद्यालय विकास व शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने पर बल दिया। डाइट उपप्राचार्य नरेन्द्र कुमार उपाध्याय ने पूर्व के शोधों का अध्ययन कर नवीन शोध करने पर बल देते हुए शोध कार्यों में आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस के उपयोग पर प्रकाश डाला। आईएफआईसी प्रभागाध्यक्ष डॉ विजयलक्ष्मी शेखावत ने बताया कि दिनांक 16.07.2025 से 19.07.2025 तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रशिक्षण में चूरू जिले के समस्त ब्लाकों से चयनित शोधार्थी शिक्षकों को अपने विद्यालय की समस्याओं का चयन कर क्रियात्मक अनुसंधान के द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाधान का प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण से विद्यालय स्तर पर नवाचारों को बल मिलेगा। इस अवसर पर सीएमडीई प्रभागाध्यक्ष कुसुम शेखावत प्रशिक्षण प्रभारी भीष्म प्रकाश सहारण प्रसन्ना मीणा, ओम प्रकाश बारूपाल, महेन्द्र कुमार शर्मा, शोध विशेषज्ञ डॉ. श्याम सुन्दर कौशिक शिव कुमार सहारण उपप्राचार्य, रमेश मिरासी व्याख्याता जगवीर पूनिया, धर्मवीर बिस्सल, जय प्रकाश, ओम प्रकाश भाकर, सुरेश बुंदेला आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सचिन ढांडा ने किया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चूरू में जिला संदर्भ समूह (डीआरजी) प्रशिक्षण का समापन हुआ।

स्मार्ट मीटर एवं निजीकरण का विरोध जारी रहेगा

झुंझुनूं, (निसं)। बिजली के स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में बिजली उपभोक्ताओं की भगतसिंह पार्क इंदिरा नगर झुंझुनूं में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें झुंझुनूं शहर के बिजली उपभोक्ताओं एवं आमजन की भागीदारी रही। विचार विमर्श के दौरान वक्ताओं ने कहा कि झुंझुनूं शहर में बिजली के पुराने मीटरों की जगह पर प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाने रहे हैं। पुराने मीटरों में कोई खराबी नहीं है, ठीक चल रहे हैं। लेकिन कारपोरेट घरानों की कम्पनियों को फायदा पहुंचाने के लिए, एवं आम उपभोक्ताओं को लूटने के लिए, ये किया जा रहा है। ये स्मार्ट मीटर तेज चलते हैं तथा उपभोक्ताओं का बिजली बिल भी दो तीन गुना ज्यादा आ रहा है।

बिजली महंगी होने से आम जनता की कमर पहले ही टूट चुकी है। इन मीटरों कीमत 25-30 हजार रुपए किस्तों में वसूली की जाएगी। निजीकरण करने से सब्सिडी खत्म हो जाएगा। जिससे बिजली और महंगी हो जाएगी। बैठक में स्मार्ट मीटर एवं निजीकरण का विरोध करने का निर्णय लिया गया। फूलचंद ढेवा, बजरंगलाल एडवोकेट, सहदेव कस्वां, लीलाधर, बलवान, नेमीचंद पूनियां, यूनुस अली भाटी, प्रदीप चंदेल, मधु खन्ना, रामदेव गढ़वाल ने विचार व्यक्त किए तथा स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध करने के लिए जन आंदोलन करने की बात कही। इसके अलावा उम्मेद सिंह, दयाचंद, बनवारीलाल दूदवाल, धर्मपाल डारा, रामनिवास सहित कई बिजली उपभोक्ता उपस्थित थे। जिसके लिए बिजली उपभोक्ताओं संघर्ष समिति का गठन कर संयोजक समिति बनाई गई। जिसमें फूलचंद ढेवा, रशीद अहमद, बजरंगलाल एडवोकेट, प्रदीप चंदेल, मधु खन्ना, सहदेव कस्वां, यूनुस अली भाटी को संयोजक समिति बनाई गई। इसके अलावा 25 बिजली उपभोक्ताओं को समिति के सदस्य नियुक्त किया गया। संयोजक समिति, बिजली उपभोक्ताओं संघर्ष समिति ने 24 जुलाई को स्मार्ट मीटर का विरोध करने के लिए सहायक अभियंता बिजली के कार्यालय के सामने बगड रोड झुंझुनूं पर धरना व सभा कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

जिला कलेक्टर ने वृक्षारोपण किया

सीकर, (निसं)। हरियालो राजस्थान मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष नगर विकास न्यास, सीकर मुकुल शर्मा ने शनिवार को दो प्रमुख स्थलों पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

यह वृक्षारोपण कार्यक्रम पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, सबलपुरा तथा गृह रक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र, नानी में नगर विकास न्यास सीकर के तत्वावधान में आयोजित किया गया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय परिसर में 1100 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए, जबकि गृह रक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र, नानी में 600 पौधों का रोपण कर उनकी जियोटैगिंग की गई।

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने इस अवसर पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है।

राजलदेसर की न पीएम श्री यूनियन क्लब राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की 600 छात्राओं को शनिवार को विद्यालय के द्वारा पेड़ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहनलाल अर्जुन ने बताया कि पिछले शनिवार को श्री राजलदेसर गौशाला में 500 पेड़ लगाए गए थे। इस बार प्रत्येक बालिकाओं को पेड़ वितरण किए गए हैं अगले शनिवार को 1000 से अधिक पेड़ लगाने का लक्ष्य है। सरकार के द्वारा चलाए जा रहा एक पेड़ मां के अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। बच्चों को पेड़ वितरण करने के साथ-साथ पेड़ लगाने का तरीका एवं पेड़ की रक्षा एवं सुरक्षा की संकल्प दिया गया है। इस अवसर पर व्याख्याता रिखाराम तालनिया सहित विद्यालय के अनेकों स्टाफ मौजूद रहे।

अभियान के तहत हजारों पौधों का रोपण हुआ

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष हेमराज जिंदल प्रदेश महामंत्री सम्मति हरकारा की प्रेरणा से अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के तत्वाधान चलाए गए वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ युवा राष्ट्रीय महामंत्री राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया।

युवा प्रदेश अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने बताया कि अभियान के दौरान लगभग 2000 छोटे पौधे और 250 बड, पीपल के पेड लगाए गए! युवा प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज एवं विनीत बंसल ने बताया कि अभियान के तहत कोटा से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमराज जिंदल चौमू से संदीप अग्रवाल छबड़ा बारा से नितिन अग्रवाल के नेतृत्व में व महिला अग्रवाल सम्मेलन की प्रदेश अध्यक्ष आरती गुप्ता की नेतृत्व में झालावाड में ममता अग्रवाल के नेतृत्व में धौलपुर की पूर्व महिला अध्यक्षा प्रीति अग्रवाल के नेतृत्व में प्रदेश की महिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजदुलारी की नेतृत्व में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विमल चिरानिया एवं प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज के नेतृत्व में लक्ष्मणगढ़ में टोंक में अग्रवाल सम्मेलन महिला इकाई के नेतृत्व में साथ में टोंक जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में इन्द्रगढ़ में प्रदेश महामंत्री सम्मति हरकारा के नेतृत्व में टोंक में जिला स्तरीय सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग द्वारा अकलेरा अग्रवाल समाज में रीना गोयल के नेतृत्व में अकलेरा जिला अध्यक्ष जुगल किशोर गोयल के नेतृत्व में महिला अध्यक्ष पिंकी गोयल के नेतृत्व में लालसोट झालावाड युवा जिलाध्यक्ष मोनिश अग्रवाल के नेतृत्व में बारा में युवा जिलाध्यक्ष यश मंगल के नेतृत्व में दौसा युवा जिलाध्यक्ष रिंकल अग्रवाल के नेतृत्व में कोटा में रामगोपाल अग्रवाल व चंद्र प्रकाश सिंघल के नेतृत्व में राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष हेमराज जी जिंदल के नेतृत्व में गंगापुर सिटी नगर परिषद सभापति शिवरतन जी अग्रवाल के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया।

अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति व जल संघर्ष समिति की बैठक

उदयपुरवाटी (निसं)। अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति व जल संघर्ष समिति की मीटिंग उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी के मुख्य आतिथ्य व कैलाश साधक की अध्यक्षता में भैरूघाट शारदा कला निकेतन संस्थान उदयपुरवाटी में मीटिंग हुई।

मीटिंग में बोलते हुए अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति के संयोजक के के सैनी उदयपुरवाटी ने अरावली के मुख्य उद्देश्य व पेड पौधे लगाने पर ध्यान आकर्षित कर अरावली को बचाने की बात कही, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण ज्वलंत मुद्दा इस समय स्मार्ट मीटर लगाने विरोध में कहा कि बिजली विभाग पिछले दरवाजे से लोगों की इच्छा के विरूद्ध स्मार्ट मीटर लगाने पर आमदा है लेकिन ये स्मार्ट मीटर जनहितकारी नहीं है।

इससे गांव गरीब किसान मजदूर पर दोहरी मार पडेगा। जब उपभोक्ता पुराने लगे हुए मीटरों से संतुष्ट हैं तो फिर नये मीटर क्यों, सरकार एमपी की तरह इस स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को वापस ले अन्यथा जनहित में सडक से सदन तक धरना प्रदर्शन आंदोलन किया जाएगा।

उदयपुरवाटी जल संघर्ष समिति संयोजक नथूराम ने कहा कि बिजली विभाग के कर्मचारी मीटरों से छेड़छाड़ कर स्मार्ट मीटर लगाने की नयी तरकीब निकाली है,जिसे हम सफल नहीं होने देंगे।

इनके अलावा बसेशर पार्षद,ब्लाक अध्यक्ष बाबूलाल,मोती लाल,बंशी लाल,किशोर कुमार इंद्रपुरा सरपंच प्रतिनिधि,पी सी कटारिया,डा वी के गोतम, सीता राम, मनोहर लाल आदि ने भी संबोधित कर स्मार्ट मीटर लगाने की योजना का जबरदस्त विरोध कर लोगों के आक्रोश का जिक्र किया। संस्थान संरक्षक कैलाश साधक ने अरावली के सिद्धांत व उद्देश्यों की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी हर घर घर पेड लगाने की अरावली चेतना संस्थान की सराहना करते हुए पेड लगाने की मुहिम ओर तेज करने की बात कहीं हर तरह के विकास की भी बात कही।

मूंदीताल में पीएचसी सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया

सादुलपुर, (निसं)। क्षेत्र की ग्राम पंचायत-मूंदीताल में शनिवार को करोड़ों रूपये की लागत से हुए विकास कार्यों का लोकार्पण सादे समारोह में किया गया। तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया व पूर्व विधायक कमला कस्वां ने ग्राम पंचायत मुख्यालय पर नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पशु चिकित्सा उप-केन्द्र के साथ-साथ मिसिंग लिंक सडक भामासी-खैमाणा एवं ढाणियों के विद्युतीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक बुडानिया ने कहा कि क्षेत्र में हमने अनेकों विकास के कार्य करवाए हैं।

विकास कार्यों के बल पर ग्रामीण इलाकों को नई मजबूती मिलेगी और चिकित्सा सुविधाओं का लाभ आमजन तक सुलभ होगा। पूर्व विधायक कमला कस्वां ने कहा कि मूंदीताल पंचायत विकास कार्यों में सर्वत्र अग्रणी और मॉडल रही है। इस ग्राम पंचायत के नागरिक विकास कार्यों के प्रति काफी जागरूक हैं और उसी का परिणाम है कि करोड़ों की लागत के विकास कार्यों की सौगात आज पंचायतवासियों को मिली है। पूर्व सरपंच राजकुमार बेनीवाल ने बताया कि इन कार्यों लोकार्पण एवं जनसंवाद पूर्व में 04 मई को रखा गया था लेकिन चुनाव आचार संहिता के कारण स्थगित करना पड़ा।

इस दौरान भामाशाह बबलू कडवासरा द्वारा अपने स्व. पिता उम्मेद कडवासरा की पावन स्मृति में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में जन सुविधार्थ विभिन्न उपकरण उपलब्ध करवाने पर उनका सम्मान किया। साथ ही महिला कांग्रेस की नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सुश्री सुनिता कपूरिया का भी सम्मान किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में प्रधान तारानगर संजय कस्वां, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनिता कपूरिया, जिला परिषद सदस्य मोहरसिंह ज्याणी, स्थानीय उप-सरपंच कविता सहारण, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, भादर सिंह बेनीवाल, धनपत मांजू, रामस्वरूप धाणक, रामकुमार लोचब, धर्मपाल चाहर, मनफूल सहारण, हनुमान नेहरा, सहीराम पूनियां, ओम पूनियां, मांगेराम फौजी, महीपाल पूनियां, ताराचंद मेघवाल, संजय मेघवाल, मदन पूनियां, सुरेश फौजी सहित ग्राम पंचायत के गणमान्य जन उपस्थित रहे।

तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया व पूर्व विधायक कमला कस्वां ने मूंदीताल गांव में पीएचसी सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

सार-समाचार

वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन

पाटन (निसं)। राजस्थान ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय नीमकाथाना द्वारा हरित राजस्थान अभियान के अंतर्गत ग्राम गुहाला स्थित टंकी वाले बालाजी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक मोहनलाल कुलदीप की अध्यक्षता में 11 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में शाखा गुहाला के शाखा प्रबंधक संतोष कुमार सर्राफ, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी सुभाष पालीवाल, वित्तीय साक्षरता सलाहकार किशनलाल सामरिया, सरपंच प्रतिनिधि बाबूलाल चौहान सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहनलाल कुलदीप ने कहा कि हरित पर्यावरण, स्वस्थ जीवन का आधार है। पौधा रोपण केवल एक दायित्व नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संकल्प है। राजस्थान ग्रामीण बैंक भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को प्राथमिकता देता रहेगा। इसी क्रम में वित्तीय सेवाएं विभाग, भारत सरकार के निर्देशानुसार चल रहे सैचुरेशन कैंप के तहत ग्राम पंचायत गुहाला में एक वित्तीय साक्षरता शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 175 ग्रामवासियों को बैंकिंग सेवाओं, सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय प्रबंधन की जानकारी दी गई। शिविर के दौरान प्राप्त उपलब्धियाँ इस प्रकार रहीं जिसमें 41 नए जनधन खाते खोले गए,42 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में नामांकन,14 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना नामांकन,2 अटल पेंशन योजना में नामांकन,21 जनधन खातों पुनः केवाईसी,25 नई आवर्ती जमा खाता खोलने की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत ग्राम गुहाला के निवासी दिवंगत प्रहलाद सैनी की नामित पत्नी मीरा देवी को दो लाख रुपए की बीमा राशि का चेक भी प्रदान किया गया, जिससे ग्रामीणों में सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति विश्वास और उत्साह और अधिक बढ़ा।

न्यायिक कर्मचारी अनिश्चितकालीन अवकाश पर

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र नारायण जोशी के आव्हान पर झुंझुनूं जिले के समस्त न्यायिक कर्मचारीगण अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर हैं। जिला प्रवक्ता सुभाष मूंड ने बताया कि अधीनस्थ न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पद स्थापित सामान्य संवर्ग और आशुलिपिक संवर्ग का कैडर पुनर्गठन राज्य सरकार की अधिसूचना के परिपेक्ष में किया जाना है। उक्त अधिसूचना का प्रस्ताव राजस्थान उच्च न्यायालय में बनाकर उच्च न्यायालय जोधपुर की फुल बैंच से पास करवाकर संबंधित जिला न्यायालय लिपिक वर्गीय संस्थापन नियम 1986 में भी संशोधन करवाकर राज्य सरकार को भेजा जा चुका है। परंतु आज दो वर्ष पश्चात भी राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में कोई आदेश पारित नहीं किया गया है। सरकार राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की पूर्ण पीठ से पारित आदेश की पालना सुनिश्चित नहीं कर रही है। जो संवैधानिक संस्था के आदेशों की अवहेलना है। इसलिए समस्त अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारियों द्वारा संघ के प्रदेशाध्यक्ष के आ न पर कर्मचारियों के कैडर पुनर्गठन के आदेश राज्य सरकार से प्राप्त होने तक अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर बैठने का निर्णय लिया गया है एवं सभी प्रकार के न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया जा रहा है।

पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नरोदडा मे ग्रामीणों के सहयोग से एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। विभाग के ब्लॉक पौधारोपण प्रभारी सुरेश कुमार भास्कर एवं ब्लॉक समन्वयक रणवीर सिंह गढवाल ने अभियान में सहभागी बनकर विद्यार्थियों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य दीपा कुमारी, व्याख्याता कविता चौधरी, वरिष्ठ अध्यापक संजय कुमार जोशी, रजनीश कुमार शर्मा, मुकेश कुमार चाहर,चंदा, अनीता जाट, सुनीता आर्य, परवीन खान,परमेश्वरी देवी विकास कुमार मिश्रा, मोहित बारेठ, त्रिलोक चंद,स्कूली छात्राएं मौजूद थे। आयोजित कार्यक्रम भागीरथ ख्यालिया ठेकेदार व प्रमोद बिरडा के सहयोग से 400 पौधे लगाए गए उनमें से 250 पेड छायादार 50 पेड फलदार एवं 100 फूलदार पेड थे।

अलंकरण समारोह का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। राजपूताना शिक्षा मंडल द्वारा संचालित शाह मार्केट स्थित श्री जीबी मोदी पब्लिक विद्यालय में विद्यार्थी अलंकरण समारोह का आयोजन रिटायर्ड सीताराम धींवा के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। इस समारोह में विद्यालय के नवनियुक्त कप्तान, प्रीफेक्ट, हैड बॉय और हैड गर्ल के रूप में विद्यार्थी परिषद को पद और जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर छात्र नेताओं को बैज और सैश पहनाए गए और कर्त्तव्य पालन करने की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि द्वारा अपने भाषण में आभार प्रकट करते हुए सभी नवनियुक्त छात्र-छात्राओं को कर्तव्य पालन के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रधानाचार्या रंजना मित्तल ने सभी अध्यापक और अध्यापिकों को अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारी व कर्तव्य के प्रति वफादारी की शपथ दिलाई।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के वार्ड नंबर 50 में हनुमान मंदिर के पास हरियालो झुंझुनूं के तहत विधायक राजेंद्र भांबू के मुख्य अतिथि व प्रकाश सुरोलिया डब्ल्यू के संयोजन में 51 हरे भरे पेड लगाए गए। इस अवसर पर विधायक भांबू ने कहा कि हरे भरे पेड लगाओ और युवा जीवन जियो का नारा देते हुए कहा कि सिर्फ पेड लगाने से नहीं होता। उसका संरक्षण करना भी जरूरी है। एक पेड लगाकर उसको बड़ा करना एक बच्चे को जन्म देकर बड़ा करने के बराबर है। जो वह बाद में आपको फल, छाया और ऑक्सीजन देगा। इस अवसर पर झुंझुनूं नागरिक मंच के संयोजक उमाशंकर महमिया, चूणा चौक विकास समिति के अध्यक्ष शिवचरण पुरोहित, रामगोपाल महमिया, अक्षय शर्मा, पार्षद विनोद जांगिड, पुरुषोत्तम जांगिड, योग शिक्षक पवन सैनी, जैकी जांगिड, सुरेंद्र शर्मा, संदीप गोयल, प्रदीप महमिया, बीडी शर्मा आदि ने पेड लगाने में अपना सहयोग दिया।

स्वर्ण जयंती पर समारोह आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल की 50वीं स्वर्ण जयंती के अवसर पर झुंझुनूं में भव्य समारोह आयोजित हुआ। जिला प्रभारी चेतना शर्मा के नेतृत्व में सत्यम शिवम सुंदरम एनजीओ की प्रमुख अनिता जी, वाइल्डलाइफ समन्वयक अरविंद, मनोज और अन्य महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

पाली जिले में बरसात का दौर जारी, फैक्टरी की 40 वर्ष पुरानी दीवार गिरी

दीवार गिरने से पास ही स्थित इच्छापूर्ति महादेव मंदिर को क्षति पहुंची, कोई हताहत नहीं हुआ

पाली जिले में बरसात का दौर जारी रहने से जवाई बांध का 27.75 गेज रहा। वहीं एक पुरानी फैक्टरी की दीवार अचानक ढह गई।

पाली, (निसं)। पाली शहर के मंडिया रोड स्थित कुमावत कॉलोनी में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे तेज बारिश के चलते एक पुरानी फैक्टरी की दीवार अचानक ढह गई। यह दीवार लगभग 40 वर्ष पुरानी बताई जा रही है। दीवार गिरने से पास ही स्थित इच्छापूर्ति महादेव मंदिर को क्षति पहुंची है। बारिश के कारण उस समय मंदिर में कोई पूजा-अर्चना नहीं हो रही थी, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कॉलोनी के किसी भी व्यक्ति को चोट या अन्य कोई नुकसान नहीं हुआ है। बिजली के खंभे के सहारे दीवार का एक हिस्सा अटका रहा, जिससे पूरी दीवार गिरने से बच गई।

■ **पाली के जवाई बांध का गेज 27.75, हेमावास बांध का गेज 24 फीट पहुंचा**

जानकारी के अनुसार पाली जिले में बारिश का दौर जारी है। अभी पिछली बारिश का पानी नहीं उतरा। शनिवार सुबह दो बजे से दिन में बारह बजे तक लगातार बारिश का दौर चला, जिससे जिससे फिर कई कॉलोनियों में पानी घुस जाने से हालत खराब हो गए। पाली नगर निगम द्वारा कई कॉलोनियों में मंड पंप पानी निकालने के लिए लगाए गए थे, लेकिन आज की बारिश से फिर कई कॉलोनी में पानी भर गया।

शनिवार को तेज बारिश के बीच वीडी नगर, लोढ़ा स्कूल रोड, रामदेव रोड सिंधी कॉलोनी, पांच मौका पुलीया, नयागांव कॉलोनी, मांड्या रोड शहर के भीतरी क्षेत्र, बलिया स्कूल रोड, कई जगह दो-तीन फीट पानी भर गया, जिसे उतारने में तीन-चार घंटे लगे। बारिश बंद होने पर लोगों ने राह त की सांस ली। बारिश से पाली का हेमावास बांध 24 फीट पहुंच गयाा। जवाई बांध का 27.75 गेज रहा। जवाई बांध की भराव क्षमता 61.25 फीट है। वहीं देसूरी का सैनी नल बांध और फ्लो चल रहा है। पाली के निकट मान्यवास बांध दो दिन से ओवरफ्लो चल रहा है।

पांचना बांध के चार गेट खोलकर पानी की निकासी

करौली जिले के सबसे बड़े पांचना बांध के चार गेट खोलकर 17496 क्यूसेक पानी निकाला गया।

करौली, (निसं)। करौली जिले में शुक्रवार को हुई तेज बारिश का प्रभाव शनिवार को भी देखा गया। क्षेत्र के कालीसिल बांध पर 3.50 फीट, नींदर बांध पर डेढ़ फीट और मामचारी बांध पर एक फीट की जल चादर बह रही है। जिले के सबसे बड़े पांचना बांध से दो गेट खोलकर 450 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही थी। आधी रात को पांचना बांध का एक साथ जलस्तर बढ़ने पर चार गेट खोलकर 17496 क्यूसेक पानी निकाला गया। बाद में पानी की आवक कम होने पर निकासी घटाई गई।

■ **कालीसिल बांध पर 3.50 फीट, नींदर बांध पर डेढ़ फीट और मामचारी बांध पर एक फीट की जल चादर चली**

जानकारी के अनुसार मंडरायल के निकट नींदर बांध से निकला पानी करौली-मंडरायल मार्ग पर झारीला गांव के पास बह रहा है। इससे यह मार्ग बंद हो गया। प्रशासन ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सड़क के दोनों ओर पुलिसकर्मी तैनात किए और लोगों को सावधानी बरतने और नदी में न उतरने की हिदायत दी। इधर करौली शहर में कई स्थानों पर जलभराव हो गया। होली खिड़किया मार्ग पर राधेश्याम फार्म हाउस के सामने और कलेक्ट्रेट मार्ग पर गौशाला के पास सड़क पर पानी बहता रहा इससे स्कूली बच्चों और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पडा तो वही पांचना बांध से गंभीर नदी मे छोडा गया पानी कटकड पुलिया पर आने से हिंडौन, गंगापुर मार्ग प्रभावित हुआ गंभीर नदी का पानी लपावली पुलिया के ऊपर जाने से वह रास्ता भी बंद हो गया है। लोग वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर रहे हैं।

खारी नदी में पानी की आवक से लोगों में खुशी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के करेड़ा क्षेत्र में खारी नदी में पानी की आवक से ज्ञानगढ़ चितांबा के लोगों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। झूमते-नाचते हुए लोगों ने खारी नदी का स्वागत किया। प्रदेश में अच्छी बारिश के बाद सूखी पड़ी फ़ाकोलिया के पास खारी नदी में पानी की आवक होने से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। लगातार दूसरे साल खारी नदी में पानी की आवक से उत्साहित लोगों ने झूमते-नाचते खारी नदी का स्वागत किया। वहीं, लोगों ने खारी नदी को चुनरी ओढ़ाकर मंगल गीत गए। खारी नदी में पानी की आवक के बाद स्थानीय लोगों ने पारंपरिक तरीके से इसका स्वागत किया। सूखी पड़ी नदी में पानी आते ही स्थानीय महिलाओं और पुरुषों ने नाचते-गाते हुए खुशी का इजहार किया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए और चुनरी ओढ़ाकर नदी का स्वागत किया।

■ **नदी में पानी की आवक से किसानों में भी खुशी की लहर**

लोगों ने खारी नदी को चुनरी ओढ़ाकर गीत गए और स्वागत किया।

ढोल-नगाड़ों की थाप पर लोग झूमते हुए नजर आए, जिससे पूरे इलाके में उत्सव का माहौल बन गया। खारी नदी में पानी की आवक से किसानों में भी खुशी की लहर है। किसानों का कहना है कि नदी में पानी आने से आसपास के जल स्तर में वृद्धि होगी, जिससे कुओं में सिंचाई के लिए एक-दो साल तक पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध रहेगा। इससे उनकी खेतीबाड़ी में सुधार होगा। यह नदी आसींद के खारी बांध में जाती है। इस मौके पर भानुप्रताप सिंह, राजू तेली ज्ञानगढ़, अजयसिंह, ताराचंद मांगी लाल सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

बरसात से दो परिवारों के मकान धराशाई

मकान गिरने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

शाहपुरा, (निसं)। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत अरणिया घोड़ा के गांव साकलिया में लगातार हो रही वर्षा से भील जाति के दो परिवारों के मकान धराशाई हो गए। ग्राम पंचायत अरणिया घोड़ा सरपंच प्रहलाद देवी दयाशंकर गुर्जर ने बताया कि भंवर पुत्र हिंदू भील व राजू पुत्र भंवर भील के मकान धराशाई हुए हैं। मकान गिरने से प्रिंस, उदी, मनोज भील के चोटें आने से सैटेलाइट हॉस्पिटल ले गए, जहां उपचार चल रहा है।

■ **दोनों भील परिवारों के पास अन्य मकान भी नहीं है**

सरपंच पति दयाशंकर गुर्जर ने बताया कि दोनों भील परिवारों के रहने के लिए कोई मकान भी नहीं है। शाहपुरा प्रशासन एवं विकास अधिकारी मौका देखकर दोनों भील परिवारों की रहने की व पीने की व्यवस्था करें। दोनों भील परिवार गरीब है।

दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा मामले में सुनवाई टली

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन शिव मंदिर होने के दावे और पूजा को लेकर प्रकरण में शनिवार को सुनवाई टल गई। प्रकरण में अब कोर्ट में अगली सुनवाई 30 अगस्त को होगी। सुनवाई को देखते हुए कोर्ट परिसर में सिविल लाइन थाना पुलिस के साथ ही अतिरिक्त पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा।

एडवोकेट योगेंद्र ओझा ने बताया कि हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली निवासी विष्णु गुप्ता ने ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह परिसर में संकट मोचन शिव मंदिर दावे को लेकर शनिवार को सुनवाई होनी थी। न्यायिक अधिकारी के अवकाश पर होने और न्यायिक कर्मचारियों की सामूहिक अवकाश के के चलते सुनवाई नहीं हो सकी। प्रकरण में अब सुनवाई आगामी 30 अगस्त को होगी। पूर्व में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दरगाह कमेटी और अल्पसंख्यक विभाग की ओर से पेश किए गए हैं। उन पर बहस होगी।

■ **प्रकरण में अब कोर्ट में अगली सुनवाई 30 अगस्त को होगी**

जानकारी के अनुसार याचिका को अजमेर सिविल कोर्ट ने 27 नवंबर 2024 को स्वीकार कर लिया था, जिसके बाद दरगाह कमेटी अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और एएसआई को नोटिस जारी किए गए थे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने अजमेर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। कोर्ट परिसर के आसपास विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है और पुलिस पूरे शहर में सतर्कता बरत रही है।

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली निवासी विष्णु गुप्ता ने ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह परिसर में संकट मोचन शिव मंदिर की पूजा अर्चना करने में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं डाले जाने के संबंध में दरगाह कमेटी एवं केंद्रीय पुरातत्व मंत्रालय के विरुद्ध वाद पेश किया था। गुप्ता के वाद पर दरगाह कमेटी एवं केंद्रीय मंत्रालय के वकीलों ने अलग अलग प्रार्थना पत्र कोर्ट में पेश कर बताया था कि वादी ने प्रकरण प्रस्तुत करने से पहले की विधि प्रक्रिया नहीं अपनाई है। दूसरी ओर विष्णु गुप्ता का तर्क है कि यह अधिनियम दरगाह पर लागू नहीं होता, क्योंकि यह पूजा स्थल नहीं, बल्कि एक मजार है।

दरगाह से जुड़े संगठनों ने जताया विरोध :- मुस्लिम समुदाय और दरगाह से जुड़े संगठनों अंजुमन सैयद जादगान ने विष्णु गुप्ता के दरगाह में मंदिर होने के दावे का कड़ा विरोध किया है। इसे सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करार दिया है। दरगाह के खादिमों और समिति ने कोर्ट में दलील दी है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम इस मामले में लागू होता है, जो 15 अगस्त 1947 के बाद किसी धार्मिक स्थल के स्वरूप में बदलाव पर रोक लगाता है।

बरसात से पावटा तहसील परिसर में पानी भरा

पावटा, (निसं)। लगातार झमाझम बरसात से पावटा तहसील परिसर में पानी भर गया, जिसकी वजह से अधिवक्ताओं सहित तहसील में आने वाले वादकारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश का आलम यह है कि पावटा तहसील परिसर में पानी भरा है और अधिकारी व फरियादियों को दफ्तर जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पावटा तहसील परिसर में भारी जल जमाव से परेशानी बढ़ गयी है। तहसील कार्यालय परिसर का पानी तो धीरे-धीरे कम हो गया लेकिन अधिवक्ता भवन के समीप एवं अन्य अधिकारियों कर्मचारियों के आने-जाने वाले आवासीय रास्तों पर गंदा पानी जमा हो गया। गन्दे पानी से लोगों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अधिवक्ताओ ने बताया कि पावटा तहसील परिसर की जलनिकासी की व्यवस्था सही नहीं है। सड़क का पानी बरसात में तहसील परिसर में आ जाने से भारी जल जमाव एवं गंदगी जमा हो जाती है।

अधिशेष हुए शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया शुरू

बीकानेर, (निसं)। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों से अधिशेष हुए शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पदस्थापन आदेश 22 जुलाई को जारी किए जाएंगे। हालांकि समायोजन के बाद शिक्षकों को आपत्ति होने पर उनकी परिवेदना का निस्तारण कमेटी करेगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने जिला स्तर और मंडल स्तर पर चार सदस्य कमेटी का गठन किया है। संबंधित कार्मिक को अपनी परिवेना 28 जुलाई तक ऑनलाइन अधिकृत ईमेल पर भेजनी होगी। हालांकि परिवेदना में संबंधित शिक्षक को इस बात का स्पष्ट उल्लेख करना होगा कि उसके समायोजन में 16 जुलाई के आदेश के किस बिंदु का उल्लंघन किया गया है। जिला स्तर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी तथा मंडल स्तर पर संयुक्त निदेशक स्कूली शिक्षा विभाग संबंधित संभाग की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है।

शिक्षक नेता महेंद्र पांडे ने बताया कि अधिकांश शिक्षकों को डीईओ और जेडी कार्यालय की अधिकृत ईमेल आईडी की जानकारी नहीं है। ऐसे में अधिकारियों को अधिकृत ईमेल आईडी की जानकारी देनी चाहिए। जानकारी के अनुसार बीकानेर जिले में 150 अधिशेष शिक्षकों का अन्य स्कूलों में पदस्थापन किया जाएगा।

तीन लाख रुपये की स्मैक व नगदी जब्त, तस्कर गिरफ्तार

करौली, (निसं)। करौली में पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने स्मैक तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 13.95 ग्राम स्मैक और स्मैक बिक्री से कमाए 41 हजार 800 रुपए बरामद किए हैं। जब्त की गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 3 लाख रुपए से अधिक है।

जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय द्वारा स्मैक आउट के चलाये जा रहे अभियान के तहत कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया है कोतवाली थाना अधिकारी अध्यात्म गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने माथुर स्टेडियम के पीछे चैधरी की बगीची में गश्त के दौरान एक संदिग्ध को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी की पहचान इन्द्रा कॉलोनी करौली निवासी कुमेर माली 44 के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी कस्बा करौली और जिले के अन्य क्षेत्रों में स्मैक का परिवहन और बिक्री करता था। पुलिस अन्य तस्करों और नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर करौली में नशे के सौदागरों के खिलाफ अभियान चल रहा है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी अध्यात्म गौतम की टीम और डीएसटी की टीम शामिल थी।

किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। किशोरी का अपहरण कर ले जाने और दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह मामला मटीली राठान थाने में 17 जून को दर्ज हुआ था। एसएचओ सुभाष बिश्नोई ने बताया कि आरोपी रवि बावरी पुत्र मोतीराम को गिरफ्तार किया है। पीड़ित 16 वर्षीय किशोरी के पिता की ओर से अज्ञात पर किशोरी का अपहरण करके ले जाने के आरोप लगाए गए थे। पुलिस ने अनुसंधान शुरू कर किशोरी को बरामद किया। किशोरी ने पुलिस तथा मजिस्ट्रेट बयानों में आरोपी पर दुष्कर्म के आरोप लगाए। पीड़िता का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया। रिपोर्ट मिलने पर आरोप प्रमाणित पाए गए। इस पर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश से जेल भिजवा दिया गया है।

किशोरी ने बयानों में बताया कि वह पिछले सीजन में अपने परिवार के साथ बागों में किन्नू की तुड़वाई करने जाती थी। वहीं पर आरोपी भी मजदूरी करने आता था। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता से दोस्ती कर ली और फिर मोबाइल फोन पर बात करने लगा। आरोपी शादी का झांसा देकर पीड़िता को 16 जून की रात को अपहरण करके ले गया था। अब इस अपहरण के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड-II बीकानेर

क्रमांक-436 **ई-बोली सूचना संख्या-02/2025-2026** दिनांक-11.07.2025

Bid for Annual Rate Contract For Road Maintenance Work Under PWD Sub Dn Sridungargarh Sec-I and Sec-II Lunkaranar Sec-I to IV are invited from interested bidders from 14.07.2025 to 28.07.2025 6.00 PM. and to be opened 29.07.2025 02.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD Department website. The approximate value of the procurement is Rs. 292.76 Lac UBN is: PWD2526WSRC06846, UBN is: PWD2526WSRC06847, UBN is: PWD2526WSRC06848, UBN is: PWD2526WSRC06849, UBN is: PWD2526WSRC06850, UBN is: PWD2526WSRC06852

(महेन्द्रपाल सिंह चालिया)
अधिशाषी अभियन्ता,
DIPR/C/9894/2025 सानिवि जिला खंड-II, बीकानेर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD ELECTRICAL DIVISION BARAN

S.No. 312 Date: 10.07.2025

Notice Inviting Bid
(NIT NO. 07/2025-26)

Bids for 01 Electrical work at Baran are invited from interested bidders up to 06.00PM of 23.07.2025 (Wedenesday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs. 105.24 Lac
1. PWD2526WSOB06728

(Rachit Sharma)
Executive Engineer
DIPR/C/9850/2025 PWD Elect. DN Baran

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक-अअ/सांचोर/2024-25/1138 दिनांक-09.07.2025

निविदा सूचना संख्या- 07/2025-26
NIB NO. PWD2526A1843

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर CD Work हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 48.00 लाख है।

निविदा आवेदन	14 जुलाई 2025, 9.30 बजे से 24 जुलाई 2025, सायं 6.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।

UBN NO.
1. UBNPWD2526WSOB06589, 2. UBNPWD2526WSOB06590

(प्रदीप पंवार)
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/9766/2025 सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

श्रीगंगानगर में फिरौती और फायरिंग की साजिश नाकाम, चार बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से तुर्की मेड छह जिगाना पिस्टल व 14 कारतूस बरामद किए

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर पुलिस और डीएसटी की टीम ने चार बदमाशों को पकड़ा है। चारों बदमाश अपने आकाओं की फोन कॉल में इंतजार में थे। इन सभी बदमाशों ने फायरिंग और अन्य किसी बड़ी वारदात को अंजाम देना था, लेकिन पुलिस के मुखबिर तंत्र की वजह से वारदात करने से पहले ही चारों बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस फिलहाल चारों बदमाशों से पूछताछ में जुटी हुई हैं। चारों बदमाशों के पास विदेशी प्रतिबंधित पिस्टल भी बरामद हुई है, जो विदेश में बैठे गैंगस्टर से आना सामने आया है।

जानकारी के अनुसार कारोबारी से फिरौती वसूली के लिए रैकी करने और फायरिंग करने को पीजी में छिपे चार युवकों को पकड़ा है। चारों चक पांच ई छोटी नाईयावाली के एक पीजी में शरण लिए हुए थे। पुलिस द्वारा शुक्रवार देर शाम को इनको पकड़ने को पीजी की घेराबंदी की गई। चारों बदमाशों ने पुलिस से घिरते देख पुलिस से बचने के लिए पीजी की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इससे चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। इनको जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पकड़े गए युवाओं की पहचान रावला के चक 9 पीएसडी-बी निवासी दिलप्रीत सिंह (23) उर्फ डीके पुत्र राजदीप सिंह रायसिख, रावला के चक 7 केएनडी शिवाजी स्कूल के निकट निवासी अनिल लेघा (30) पुत्र कृष्णलाल बिश्नोई, चक 8 पीएसडी-बी निवासी विष्णु कुमार (25) उर्फ निंजा मेघवाल पुत्र महेंद्र कुमार तथा चक 4 केएलडी निवासी हीरालाल (23) उर्फ हीरा मेघवाल पुत्र अमित कुमार के रूप में हुई है। इनके पास से तुर्की निर्मित मॉडर्न जिगाना पिस्टल व 14 कारतूस बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार अनुसार बीज कंपनी के मालिक की रैकी की गई। इस संबंध में बीज कम्पनी मालिक की ओर से सदर पुलिस को शिकायत दी गई। तब सदर एसएचओ सुभाषचंद्र और डीएसटी प्रथम प्रभारी रामविलास बिश्नोई,

■ **चारों बदमाशों ने पुलिस से घिरते देख पुलिस से बचने के लिए पीजी की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी**

एएसआई सुरेंद्र ज्याणी ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज जुटाए। इसमें बाइक सवार दो युवक दुकान के बाहर घूमते और फोटो लेते, वीडियो बनाते के फुटेज मिल गए। इन फुटेज में दिखाई दे रहे संदिग्धों के रूट का सीसीटीवी फुटेज देखते-देखते पीछा किया। तब वृद्ध आश्रम रोड के पास जाकर आरोपियों के फुटेज गायब हो गए। इससे आरोपियों का इसी एरिया में छिपे होने को लेकर पुलिस का संदेह गहरा गया।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि सदर थाने से कॉन्स्टेबल कैलाश जाखड़, राधेश्याम, रघुवीर, मोहम्मद सलीम व डीएसटी से अभीब खान, अश्वनी, प्रमोद कुमार को सादा वर्दी में इसी एरिया में तैनात किया गया। इस टीम ने तीन दिन तक एरिया में डिलीवरी बॉय और सब्जी फेरी लगाने वाले बनकर रैकी की। तब जाकर चक 5 ई छोटी नाइयांवाली का आनंद बॉयज पीजी में संदिग्धों के छिपे होने के इनपुट मिले। एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों को उनके सरगना का आदेश था कि टारगेट पर फायरिंग की जाए। पुलिस के पास आरोपियों के शहर में छिपे होने का पक्का इनपुट था। पुलिस लगातार तीन दिन से नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान चला रही थी। इस कारण आरोपियों को फायरिंग करने का मौका नहीं मिला। सदर एसएचओ सुभाषचंद्र, एसआई सुनील कुमार और एएसआई सतवीर राठौड़ ने डीएसटी टीम के साथ मिलकर आरोपियों को पकड़ा है। जिगाना पिस्टल को तुर्की में बनाया जाता है। इनकी कीमत 4 से 7 लाख रुपए के बीच पड़ती है। ज्यादातर जिगाना पिस्टल को बॉर्डर पार से तस्करी करके लाई जाती हैं। बीते 2 माह में श्रीगंगानगर में 6 जिगाना पिस्टल जब्त हो चुकी है। पुलिस का मानना है कि ये पिस्टल विदेश में बैठे गैंगस्टर और उनके साथियों द्वारा चारों बदमाशों को उपलब्ध करवाई गई थी। इन्होंने इसी पिस्टल और कारतूसों से वारदात को अंजाम देकर फरार होना था।

बताया गया है कि 14 फरवरी 2022 इसी ग्रुप ने एक अस्पताल में फायरिंग की। फिरौती की मांग दोहराई। सचिन थापन को पंजाब पुलिस अजरबेजान से लेकर आई थी। जवाहर नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ की। 13 सितंबर 2024 को किन्नू कारोबारी के घर पर फायरिंग की गई। रोहित गोदारा गैंग ने जिम्मेदारी ली। रोहित गोदारा को छोड़कर कई गिरफ्तारियां हुई। 25 मई 2025 को चौक पर प्रोपर्टी कारोबारी के घर फायरिंग हुई। अनमोल बिश्नोई ने फायरिंग करवाई। मामले में 10 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पिछले माह भी फायरिंग का प्रयास किया जाना सामने आया था।

अमेरिका से आए कोयले में नकली कोयला पाउडर डस्ट मिलाकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

यूएसए से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले में मिलावट कर रहा था

जयपुर। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार के निर्देशन में इन दिनों कई बड़ी-बड़ी कार्यवाहियों को अंजाम दिया जा रहा है। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच राजस्थान ने अवैध गतिविधियों और संगठित अपराधों के खिलाफ अपनी मुहिम में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एम एन के नेतृत्व में एक ऐसे शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है जो यूएसए से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) में मिलावट कर रहा था। इस गोरखधंधे से सीमेंट और स्टील फैक्ट्रियों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा था।

एडीजी एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम को पिछले कुछ समय से यूएसए से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) की चोरी की सूचनाएं मिल रही थीं। मुखबिरों से मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के कुछ कोयला माफियाओं ने पिण्डवाड़ा-आबूरोड नेशनल हाईवे 27 पर भुजेला स्थित तुलसी होटल के पीछे एक बंद पड़ी फैक्ट्री किराए पर ले रखी थी। ये शातिर

कोयले से भरे ट्रक को जब्त किया।

अपराधी ट्रक ड्राइवरों को मोटी रकम का लालच देकर उनके ट्रकों से 5 से 10 टन शुद्ध विदेशी कोयला निकलवा लेते थे और उसकी जगह उतनी ही मात्रा में नकली कोयला पाउडर डस्ट मिला देते थे। चोरी किए गए इस बेशकीमती कोयले को गिरोह द्वारा छोटी औद्योगिक इकाइयों को बेचकर लाखों रुपये की अवैध कमाई की जा रही थी।

पुलिस उप महानिरीक्षक अपराध

- **शातिर अपराधी ट्रक ड्राइवरों को मोटी रकम का लालच देकर उनके ट्रकों से 5 से 10 टन शुद्ध विदेशी कोयला निकलवा लेते थे**

योगेश यादव के समन्वय और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक फूलचंद टेलर और पुलिस निरीक्षक रामसिंह ने किया। टीम ने थाना रोहिडा सिरोही को सूचित कर यह कार्रवाई कराई। पुलिस में भुजेला हाईवे स्थित तुलसी होटल के पीछे की फैक्ट्री परिसर में धावा बोला। मौके से पुलिस ने दो ट्रक, एक लोडर, एक डोजर मशीन और कोयले से भरे ट्रक की सील तोड़ने का सामान जब्त किया। इस कार्रवाई के दौरान इरफान (32) निवासी राधनपुर जिला पाटन गुजरात को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपी इरफान ने जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला था। उसने बताया कि वे ट्रक ड्राइवरों से 5-7 हजार रुपये प्रति टन के हिसाब से कोयला खरीदते थे और ट्रक में नकली डस्ट कोयला मिलाकर आगे भेज देते थे। इस तरह वे प्रतिदिन लगभग 15-20 टन कोयले की चोरी कर रहे था। जिससे उन्हें रोजाना लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की मोटी कमाई हो रही थी। सफल कार्यवाही में शामिल प्रमुख टीम के सदस्यों में पुलिस उपाधीक्षक फूलचन्द टेलर, पुलिस निरीक्षक रामसिंह नाथावत, सहायक उपनिरीक्षक बनवारीलाल, दुष्यन्त सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, शाहीद अली, राकेश कुमार, रमेश कुमार, हेमन्त शर्मा, महावीर, कांस्टेबल महेंद्र सिंह, कांस्टेबल चालक राजेश कुमार, पुलिस निरीक्षक रेन्ज सैल उदयपुर हिमांशु सिंह, हेड कांस्टेबल दिनेश, कांस्टेबल हिम्मत सिंह, थानाधिकारी रोहिड़ा माया पण्डित, हेड कांस्टेबल देवाराम, कांस्टेबल शंकरलाल, रमेश कुमार और चालक कांस्टेबल मोरमुकुट शामिल थे। हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना इस कार्रवाई में निर्णायक साबित हुई।

91आई.पी.एस. अधिकारियों के तबादले, राहुल प्रकाश को आई.जी. जयपुर रेंज लगाया

गौरव श्रीवास्तव उदयपुर आई.जी. बने

जयपुर। राज्य सरकार ने शनिवार देर शाम आदेश जारी कर भारतीय पुलिस सेवा के 91आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें कई जिलों के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) और पुलिस अधीक्षक (एस.पी) बदले गए है।

राजेश मीणा का पदस्थापन महानिरीक्षक पुलिस, जोधपुर रेन्ज, जोधपुर में , हिंगलाजदान का महानिरीक्षक पुलिस, राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग, जयपुर, रवि दत्त गौड़ का महानिरीक्षक पुलिस, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, गौरव श्रीवास्तव का महानिरीक्षक पुलिस, उदयपुर रेन्ज, उदयपुर, ओम प्रकाश-। का पुलिस आयुक्त, जोधपुर, शरत कविराज का महानिरीक्षक पुलिस, एस.ओ.जी., जयपुर, विकास कुमार का महानिरीक्षक पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी.एस.), जयपुर, दीपक कुमार का महानिरीक्षक, गृह विभाग, राजस्थान, जयपुर, राजेन्द्र सिंह का महानिरीक्षक पुलिस, अजमेर रेन्ज, अजमेर, अजय पाल लांबा का महानिरीक्षक पुलिस, एस.सी.आर.बी., जयपुर, अंशुमन भोमिया का महानिरीक्षक पुलिस, एस. एस. बी., जयपुर, राहुल प्रकाश का महानिरीक्षक पुलिस, जयपुर रेन्ज, जयपुर, हेमन्त कुमार शर्मा का महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेन्ज, बीकानेर, कैलाश चन्द्र बिश्नोई का महानिरीक्षक पुलिस, भरतपुर रेन्ज, भरतपुर, रणधीर सिंह का महानिरीक्षक पुलिस, आर्ड बटालियन, जयपुर, डॉ. प्रीति चन्द्रा का उप महानिरीक्षक पुलिस, आर्ल्ड बटालियन-प्रथम जयपुर, हरेन्द्र कुमार महावर का उप महानिरीक्षक पुलिस, एस.एस.बी., जोधपुर, राहुल कोटोकी का उप महानिरीक्षक पुलिस, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, ओम प्रकाश-।। का उप महानिरीक्षक पुलिस, आर्ड बटालियन, जयपुर, राजेन्द्र प्रसाद गोयल का उप महानिरीक्षक पुलिस, कोटा रेन्ज, कोटा, कालू राम रावत का उप महानिरीक्षक पुलिस, पुलिस हाऊसिंग, राजस्थान, जयपुर, श्वेता धनखड़ का उप महानिरीक्षक पुलिस, सिविल राइट्स, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, अजय सिंह का उप महानिरीक्षक पुलिस, सुरक्षा, जयपुर, योगेश यादव का उप महानिरीक्षक पुलिस, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी. एस.). जयपुर, कुंवर राष्ट्रदीप का उप महानिरीक्षक पुलिस स्टाफ ऑफिसर जयपुर, प्रदीप मोहन शर्मा का निदेशक, इन्टेलिजेन्स ट्रेनिंग एकेडमी, जयपुर, दीपक भार्गव का उप महानिरीक्षक पुलिस, सीआईडी (सी.बी.), पुलिस मुख्यालय जयपुर, मनीष अग्रवाल-।। का अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (1), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, विकास शर्मा का उप महानिरीक्षक पुलिस, साईबर क्राईम, राजस्थान, जयपुर, मनोज कुमार का उप महानिरीक्षक पुलिस, भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड, पुलिस मुख्यालय, राजस्थान, जयपुर, आनन्द शर्मा का उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो-।।, जयपुर, गौरव यादव का उप महानिरीक्षक पुलिस, मुख्यमंत्री सुरक्षा एवं मुख्यमंत्री सतर्कता, जयपुर, भुवन भूषण यादव का उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो. बीकानेर, प्रहलाद सिंह कृष्णिया, उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर, शरद चौधरी का उप महानिरीक्षक पुलिस, प्रशिक्षण, जयपुर, राजन दुष्यन्त का प्राचार्य, राजस्थान पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र किशनगढ़, अजमेर, शंकर दत्त शर्मा का उप निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर, राम मूर्ति जोशी का उप महानिरीक्षक पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी.एस.), जयपुर, अरशद अली का उप महानिरीक्षक पुलिस, कम्यूनिटी पॉलिसिंग, राजस्थान, जयपुर,आलोक श्रीवास्तव का उप महानिरीक्षक पुलिस, कार्मिक, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, राशी डोगरा डुडी का पुलिस अधीक्षक, जयपुर ग्रामीण, ममता गुप्ता का पुलिस अधीक्षक, राजसमन्द, पूजा अवाना का पुलिस अधीक्षक, पाली, अभिजीत सिंह का पुलिस उपायुक्त, क्राइम, पुलिस आयुक्तालय, जयपुर,ओम प्रकाश मीना का पुलिस अधीक्षक, डीग, देवेन्द्र कुमार बिश्नोई का पुलिस अधीक्षक, कोटपूतली - बहरोड़, विनीत कुमार बंसल का पुलिस उपायुक्त (पश्चिम), जोधपुर शहर, पुलिस आयुक्तालय, जोधपुर, श्याम सिंह का पुलिस अधीक्षक-प्रथम, सी.आई.डी. (सी.बी.), जयपुर, नारायण टोगस का पुलिस अधीक्षक, जोधपुर ग्रामीण,तेजस्वनी गौतम का पुलिस अधीक्षक, कोटा शहर, कोटा,चूनाराम जाट का कमाण्डेन्ट, 5 बटालियन, आर.ए.सी., जयपुर, मनीष त्रिपाठी का पुलिस अधीक्षक, चित्तौड़गढ़, सुधीर जोशी का पुलिस अधीक्षक, बांसवाड़ा, राज कुमार चौधरी का पुलिस अधीक्षक, ए.टी.एस., जयपुर, संजीव नैन का पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (पूर्व), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, अनिल कुमार का पुलिस अधीक्षक, सवाईमाधोपुर, मोनिका सेन का कमाण्डेन्ट, हाडी रानी बटालियन, अजमेर, ज्ञान चन्द्र यादव का पुलिस अधीक्षक, एस.ओ.जी., जयपुर, करण शर्मा का पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (उत्तर) पुलिस आयुक्तालय, जयपुर,हनुमान प्रसाद मीणा का पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (पश्चिम) पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, राजेश कुमार कॉवट का पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, सुधीर चौधरी का पुलिस अधीक्षक, अलवर, मृदुल कछावा का पुलिस अधीक्षक, नागौर, लोकेश सोनवाल का पुलिस अधीक्षक, करौली,रतन सिंह का पुलिस अधीक्षक, ब्यावर, डॉ. महावीर सिंह राणावत का पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर, सतवीर सिंह का पुलिस अधीक्षक, इन्टेलिजेन्स, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, सतनाम सिंह का पुलिस अधीक्षक, जी.आर.पी., जोधपुर, हर्ष वर्धन अगरवाला का पुलिस अधीक्षक (पुलिस मुख्यालय), सिविल राईट्स, जयपुर, डॉ. अमृता दुहन का पुलिस अधीक्षक, श्रीगंगानगर राजेश कुमार मीणा का पुलिस अधीक्षक, टॉक, रिचा तोमर का पुलिस अधीक्षक, डीडवाना कुचामन, डॉ. प्यारे लाल शिवरान का पुलिस अधीक्षक, सिरोही, दिगंत आनंद का पुलिस अधीक्षक, भरतपुर, राजर्षि राज वर्मा का पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (दक्षिण), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, शैलेन्द्र सिंह इन्दोलिया का पुलिस अधीक्षक,जालौर, जयेष्ठा मैत्रयी का पुलिस अधीक्षक, सी.आई.डी., सी.बी.. जयपुर, विकास सांगवान का पुलिस अधीक्षक, धौलपुर, अमित कुमार का पुलिस अधीक्षक, झालावाड़, कुन्दन कंवरिया का पुलिस अधीक्षक, फलौदी,बृजेश ज्योति उपाध्याय का पुलिस अधीक्षक, झुन्झुनू, सुमित मेहरडा का पुलिस उपायुक्त (यातायात), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, प्रवीण नायक नूनावत का पुलिस अधीक्षक, सीकर,अमित जैन का पुलिस उपायुक्त (पूर्व), पुलिस आयुक्तालय, जोधपुर,शाहीन सी. का पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय एवं यातायात, पुलिस आयुक्तालय, जोधपुर, अभिषेक शिवहरे का पुलिस अधीक्षक, जैसलमेर, रमेश का पुलिस अधीक्षक, बालोतरा,प्रशांत किरण का पुलिस अधीक्षक, भिवाडी, बी आदित्य का पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़, अभिषेक अंडासु का पुलिस अधीक्षक, बारां, मनीष कुमार का पदस्थापन पुलिस अधीक्षक, डूंगरपुर में हुआ हैं।

मानव तस्करी पर दो दिवसीय मंथन में लिया अपराधियों पर नकेल कसने का संकल्प

जयपुर। राजस्थान पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने 18 और 19 जुलाई को राजस्थान पुलिस अकादमी में दो दिवसीय राज्य-स्तरीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य मानव तस्करी के सभी रूपों से निपटने के लिए एक मजबूत और समन्वित रणनीति तैयार करना था, जिसमें बंधुआ मजदूरी, यौन तस्करी, सीमा पार तस्करी और ऑनलाइन बाल यौन शोषण जैसे गंभीर मुद्दे शामिल थे।

समापन समारोह में बोलते हुए पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने मानव तस्करी की वैश्विक और स्थानीय चुनौती को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि तस्करी अपने सभी रूपों में एक गंभीर समस्या है, न केवल यहां, बल्कि पूरी दुनिया में। समस्या बहुत बड़ी है, लेकिन हमारी प्रतिक्रिया अभी भी कम पड़ रही है। हमें अपने प्रयासों में महत्वपूर्ण सुधार करने की आवश्यकता है।डीजीपी शर्मा ने बचाव अभियानों के बाद बच्चों के फिर से तस्करी की स्थितियों में लौटने पर चिंता व्यक्त की, जो पुलिस, अन्य सरकारी विभागों और नागरिक समाज संगठनों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने विशेष रूप से अंतरराज्यीय तस्करी से निपटने के लिए एक अंतरराज्यीय सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया।

डीजीपी शर्मा ने संगठित अपराधों, विशेषकर तस्करी के मामलों में गहन जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्या हम असली अपराधियों की पहचान कर रहे हैं, या सिर्फ बचाव के दौरान मौके पर पाए गए कुछ व्यक्तियों पर ही आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने मजबूत मामले बनाने और अदालतों में सफल अभियोजन सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच को आवश्यक बताया। पुलिस महानिदेशक मानव अधिकार और एएचटीयू मालिनी अग्रवाल ने बताया कि यह सम्मेलन गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप राजस्थान पुलिस की मानव अधिकार एवं मानव तस्करी विरोधी शाखा के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य मानव तस्करी के उभरते रुझानों को समझना, जांच के तरीकों में सुधार करना, पीड़ितों की पहचान और बचाव, बचे हुए लोगों का प्रभावी पुनर्वास, और तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई लागू करना था। डीजीपी अग्रवाल ने मानव तस्करी को व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला एक गंभीर, संगठित और संज्ञेय अपराध बताया।

न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश जारी, अफसरों की 25 को बैठक

जयपुर। कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर प्रदेश के न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश दूसरे दिन भी जारी रहा। जिसके चलते प्रदेश की अदालतों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ। अदालतों ने मुकदमों में आगामी दिनों की तारीखें दी। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 25 जुलाई को बैठक बुलाई है। जिसमें हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के साथ-साथ प्रमुख वित्त और प्रमुख विधि सचिव को बुलाया गया है।

प्रदेश न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रवक्ता योगेश महर्षि ने बताया कि शनिवार को कर्मचारियों ने कोर्ट परिसर में रैली निकालकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं सीजे सहित अन्य के नाम ज्ञापन दिया गया। दूसरी ओर कुछ कर्मचारी भूख हड़ताल में शामिल हुए।

राजस्थान पुलिस कर्मियों के बच्चों को फीस में 50 प्रतिशत की छूट

जयपुर। राजस्थान पुलिस, विभाग के समस्त कर्मचारियों के बच्चों को कक्षा 8वीं से 12वीं तक तथा 12वीं पास के विद्यार्थियों हेतु प्री-फाउंडेशन, ओलंपियाड, नीट, आईआईटी, जेईई, एसएससी एवं आरएएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग में क्लास 24 कोचिंग संस्थान 50 फीसदी की छूट देगा।पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कर्मियों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर उपलब्ध करवाने में ये पहल काफी सहायक सिद्ध होगी। इससे न केवल पुलिस कर्मियों के बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मदद मिलेगी, बल्कि पुलिसकर्मी भी अपनी परिवारिक जिम्मेदारी अच्छे से वहन कर सकेंगे और इसका सकारात्मक प्रभाव पुलिस कर्मचारियों की कार्यक्षमता पर भी पड़ेगा। जोसफ ने बताया कि पुलिस कार्मिकों की कार्यकुशलता बढ़ाने और उनमें सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए इस तरह की पहल होती रहें। समाज में अपराध मुक्त वातावरण के लिए पुलिस का सकारात्मक ऊर्जा से भरा होना जरूरी है।

राजस्थान में साइबर अपराधों पर पुलिस का शिकंजा

धोखाधड़ी की रकम में कमी आई

जयपुर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियानों और व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों के कारण राज्य में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण देखने को मिल रहा है। पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम राजस्थान जयपुर के कार्यालय के अनुसार साइबर धोखाधड़ी से संबंधित धन राशि में उल्लेखनीय कमी आई है,जबकि होल्ड-रिफंड की राशि में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 और व्हाट्सएप साइबर हेल्पलाइन नंबर 9256001930, 9257510100 की शुरुआत के साथ-साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में जारी एडवाइजरी के चलते आमजन में साइबर जागरूकता बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि लोग या तो साइबर अपराधों का शिकार होने से बच पा रहे हैं या तुरंत रिपोर्टिंग के कारण त्वरित कार्रवाई संभव हो पा रही है।एसपी सिंह ने बताया कि इन आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 2024 और 2025 के पहले 6 महीनों की तुलना में साइबर अपराधों में शामिल कुल धनराशि में लगभग 26 करोड़ की कमी आई है। वहीं, बैंक/पेमेंट पोर्टल पर होल्ड/अकाउंट फ्रीज की गई राशि में लगभग 23 करोड़ की वृद्धि हुई है। यह दर्शाता है कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से ठगी गई राशि को रोकने और वापस दिलाने में बड़ी सफलता मिल रही है।

- **6 महीनों की तुलना में साइबर अपराधों में शामिल कुल धनराशि में लगभग 26 करोड़ की कमी आई है**

राजस्थान पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर क्राइम घटना होने पर तुरंत इसकी सूचना दें। यह सफलता राजस्थान पुलिस की साइबर सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और प्रभावी कार्रवाई का परिणाम है।

फिर आ रहा है फोटोग्राफी का महाकुंभ, 30 तक कर सकेंगे आवेदन

जयपुर। राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर में एक बार फिर बहुप्रतीक्षित "फोटोग्राफी महाकुंभ" "नजर फोटो एग्जिबिशन" का आयोजन किया जा रहा है। जवाहर कला केन्द्र में एग्जिबिशन का चौथा सीज़न 24 से 26 अगस्त तक होगा। यह तीन दिवसीय भव्य आयोजन भारतवर्ष के फोटोग्राफी प्रेमियों और पेशेवरों के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन अपनी विशालता और विविधता के लिए जाना जाता है, जिसमें 300 से अधिक प्रतिभागी और 600 से अधिक उत्कृष्ट तस्वीरें प्रदर्शित की जाती हैं। यह एकमात्र ऐसा फेस्टिवल है जहां प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर भारतवर्ष के फोटो पत्रकार, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, डॉक्टर, फोटोग्राफी के छात्र और पेशेवर फोटोग्राफर भी हिस्सा लेते हैं। यह राजस्थान की सबसे बड़ी एग्जिबिशन हे।इसमें कई देशों और कई राज्यों के कलाकार अपनी प्रतिभागिता दर्ज करवा चुके हैं। इस प्रदर्शनी में मोबाइल फोन से खींचे गए फोटो को भी प्रदर्शित किए जाते हैं।

पौधारोपण कर स्वतंत्रता सेनानी को दी श्रद्धांजलि

- **भाजपा नेता नारायण मीणा बोले- पेड़ लगाना समय की जरूरत**

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा ने कहा है कि हर व्यक्ति को पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़ लगाना चाहिए, क्योंकि यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार है। वे यह बात कस्तूरी देवी शैक्षिणक विकास एवं सामाजिक शोध संस्थान की ओर से स्वतंत्रता सेनानी मूलचंद चंदेल की स्मृति में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मीणा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के सच्चे सिपाही मूलचंद चंदेल ने देश की आज़ादी के लिए गुजरात में लगातार संघर्ष किया। उन्होंने अपने जीवन में देशहित को सर्वोपरि रखा और युवाओं को प्रेरणा दी कि वे भी देश और समाज के लिए योगदान दें। मीणा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में इस प्रकार के आयोजन करना हमारा कर्तव्य है। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत प्रचार प्रमुख और पूर्व पंचायत समिति सदस्य डॉ. धर्मवीर चंदेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

इस मौक़े पर उप प्रचार्य डॉ.शिवकुमार शर्मा,भारतीय किसान संघ के प्रांत सह प्रचार प्रमुख डॉ.लोकेश कुमार चन्देल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तहसील अध्यक्ष मूलचन्द् मीना, विकास कुमार जामडोली, भाजपा नेता किशन बेनीवाल आदि लोग मौजूद थे।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, छात्र और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सबने मिलकर पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इस अवसर पर वक्ताओं ने मूलचंद चंदेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी तरह निस्वार्थ सेवा ही देश की असली पूंजी है।

सावन की रंगीन फ़िज़ाओं में लगा ग्लैमर का तड़का

जयपुर। सावन की फुहारों और मानसून की ठंडी फिज़ाओं के बीच होटल सफ़ारी ग्रुप के सहयोग से मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम ऑर्गेनाइजेशन की ओर से निर्माण नगर मानसरोवर स्थित होटल प्राइम सफारी में "इंडिया ग्लैम लहरिया उत्सव 2025" का आयोजन किया गया।

- **इंडिया ग्लैम मॉडल्स ने फोटोशूट में लहरिया के लेटेस्ट फैशन ट्रेंड्स की देखने को मिली झलक**

इंडिया ग्लैम मॉडल्स ने मंदाकनी साडीज् एवं रेडियंस स्टुडियो वाय रितु अरोड़ा के स्पेशल आउटफ़िट लहरिया फैशन को सावन के रंग, लहरिया के अंदाज़ और ग्लैमर की बहार के साथ बड़ी ही खूबसूरती के साथ अपने ही अंदाज में पेश किया।

मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम के डायरेक्टर पवन टांक ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जयपुर की पारंपरिक लहरिया संस्कृति को आधुनिक फैशन के साथ जोड़कर नए अंदाज़ में प्रस्तुत करना था। सभी ने सावन में रंगों के संगम को सेलिब्रेट करते हुए फोटोशूट एक्टिविटी के साथ साथ भरपूर डांस और म्यूज़िक एवं मज़ेदार गेम्स का भी लुत्फ उठाया। बारिश की ठंडी फ़िज़ाओं और रंग-बिरंगे डिज़ाइनों के बीच मेहमानों ने सावन के इस जश्न को यादगार पलों में संजो लिया। इस दौरान मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम की विनर्स ओर अन्य सभी मॉडल्स ने भगवान शिव पार्वती और राधा कृष्ण के झूले पर झूलते हुए चित्र के समक्ष अपनी अपनी बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस से सावन के मदमस्त माहौल को ख़ुशनुमा बनाते हुए साकार किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ क्रेडाई राजस्थान के नव निर्वाचित अध्यक्ष रविन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी पवन गोयल, प्रमोद गोयल, जेडी माहेश्वरी, राजस्थान यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र यादव, नवीन मन्ड्डा , एसके ज्वेलर्स के चेयरमैन संजय जोशी, मंदाकनी साडीज् के डायरेक्टर किशन जोगानी प्रशांत पोद्दार, अजोर के डायरेक्टर समाजसेवी युवराज सिंह, जाट पोलो क्लब एवं जाट एवियंस के डायरेक्टर कुंवर विजय राज, बेराला ग्रुप के चेयरमैन भगवान निठारवाल, रेडियंस स्टूडियो की डायरेक्टर रितु अरोड़ा, विनिंग वेगा वेलनेस सेंटर की निदेशक शमिता शर्मा, इंडिया ग्लैम के मैनेजिंग डायरेक्टर श्याम लाल गुप्ता, सीईओ कीर्ति टांक एवं ज्योति टांक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

जिला कलक्टर ने की स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

जयपुर । जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सर्वप्रथम स्कूल हैल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम कक्षा 6 से 12 में अध्ययनरत 10-19 वर्ष आयुवर्ग के विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, सांस्कृतिक व शैक्षिणक उन्नयन पर आधारित है। कार्यक्रम तृतीय चरण में जयपुर जिले को शामिल किया है। यह कार्यक्रम चिकित्सा विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त समन्वय से संचालित किया जाएगा। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान अध्यक्ष महोदय ने आगामी 14 अगस्त तक आयोजित होने वाले विशेष टीकाकरण अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया। उन्होंने आगामी 24 जुलाई, गुरुवार को जिले में टीकाकरण हेतु विशेष अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए। इस हेतु आगामी 22 जुलाई को ब्लॉक स्तरीय जन-जागरूकता रैली आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके बाद टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत चर्चा हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने अभियान में उत्तरोत्तर प्रगति किए जाने के निर्देश दिए। गैर संचारी रोग कार्यक्रम पर चर्चा के दौरान उन्होंने शहरी क्षेत्र में अपेक्षित प्रगति लाए जाने के निर्देश दिए। वय- वंदन योजना की प्रगति में असंतोष जाहिर करते हुए अध्यक्ष महोदय ने योजना में लाभार्थियों का अधिकाधिक पंजीकरण किए जाने के निर्देश दिए।

जालूपुरा पुलिस ने एटीएम कार्ड व अवैध सिम का पार्सल जब्त किया

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सूचना पर जयपुर के जालूपुरा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक कोरियर पार्सल जब्त किया है, जिसमें बड़ी संख्या में अवैध मोबाइल सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और बैंक पासबुक जैसी संदिग्ध वस्तुएं मिली हैं। यह पार्सल महाराष्ट्र भेजा जा रहा था और माना जा रहा है कि इसका इस्तेमाल अपराधिक गतिविधियों में किया जाना था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स) दिनेश एमएन के निर्देशन और उप पुलिस महानिरीक्षक योगेश यादव व सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत ने किया।

एडीजी एमएन ने बताया कि एजीटीएफ से मिली विशेष सूचना के आधार पर जालूपुरा थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि पोलोविक्ट्री स्थित जैन पार्श्वनाथ ट्रेवल्स से एक संदिग्ध पार्सल नागपुर

पुलिस ने कोरियर पार्सल में अवैध मोबाइल सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और बैंक पासबुक जब्त किए ।

भेजा जा रहा है। जिसमें अवैध सिम और एटीएम कार्ड हो सकते हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत ट्रेवल्स पर दबिश दी। ट्रेवल्स कर्मचारी बलवंत सिंह बैढ़ा ने बताया कि पार्सल "विजय सण्डे नागपुर" के नाम से बुक किया गया था और बस खराब होने के कारण अभी वहीं रखा है। भेजने वाले ने इसे मकान की रजिस्ट्री के कागजात बताया था।

- **मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस जुटी जांच मेंमहाराष्ट्र में सप्लाई होना था पार्सल**

स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में जब पार्सल खोला गया तो पुलिस टीम हैरान रह गई। पार्सल के अंदर एक कैरी बैग में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की तीन असली सेविंग बैंक पासबुक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के तीन रुपये डेबिट कार्ड और इंडियन ओवरसीज बैंक के छह क्लासिक डेबिट प्रीपेड कार्ड रूपये मिले।

इसके अलावा चार मोबाइल सिम के खाली रैपर कार्ड और विभिन्न बैंकों की निर्देशिका पुस्तिका वाले लिफाफे भी जब्त किए गए। पुलिस को संदेह है कि गरीब और सीधे-सादे लोगों के नाम पर फर्जी बैंक खाते, सिम डेबिट कार्ड जारी कराये गये है।

जिनका इस्तेमाल अपराधिक गतिविधियों और साइबर ठगी में किया जा रहा था। यह एक बड़े क्राइम सिंडिकेट का हिस्सा हो सकता है।

इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने सभी जब्त दस्तावेजों और ट्रेवल्स की मूल बिल्टी को जांच के लिए अपने कब्जे में ले लिया है।

इस रैकेट के पीछे कौन है और यह कितने बड़े पैमाने पर फैला हुआ है, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस अब इस रैकेट के मास्टरमाइंड तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल और मोबाइल नंबरों के आधार पर गहन जांच में जुटी है।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल हेमंत शर्मा (जिनकी सूचना पर यह कार्रवाई की गई), उपनिरीक्षक प्रताप सिंह, सहायक उप निरीक्षक बनवारी लाल, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, महावीर, देवेंद्र, कांस्टेबल गंगाराम, गोपाल धाबाई, विजय सिंह और जितेंद्र कुमार के साथ थाना जालूपुरा की उपनिरीक्षक माया मीणा और उनकी टीम का भी विशेष योगदान रहा।

मोबाइल लूटकर भागे बदमाशों की फायरिंग में एक युवक को लगी गोली

जयपुर। बजाज नगर थाना इलाके में शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि को मोबाइल लूटकर भागे बदमाशों की फायरिंग में एक युवक को गोली लग गई।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया। वही पुलिस ने वारदात स्थल पर मिली कार को जब्त कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर आदित्य पूनिया ने बताया कि फायरिंग में बजाज नगर के बरकत नगर निवासी फिरोज के पेट में गोली लगी है। वह टोंक पुलिया स्थित गट्टे वाले बाबा की दरगाह के पास प्रसाद की दुकान लगाता है।

अजमेर में अतिवृष्टि से प्रभावित इलाकों में पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष देवनानी

देवनानी ने कलेक्टर सहित सभी संबंधित विभागों के साथ वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

- देवनानी ने जलभराव वाले क्षेत्रों से आमजन को निकाल कर रेस्क्यू सेंटर तक पहुंचाने, उन्हें दूध, पेयजल व फूड पैकेट देने के निर्देश दिए
- देवनानी ने बोराज ग्राम पहुंचकर वहां स्थित तालाब की पाल की स्थिति का जायजा लिया और पाल की मरम्मत एवं सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

अजमेर, (कासं)। शहर में अति भारी वर्षा के तुरंत बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को स्वयं फील्ड में उतरे। उन्होंने जिला कलेक्टर सहित सभी संबंधित विभागों के साथ भारी वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, स्वयं पानी में उतरे, लोगों से मिले और उनकी समस्याएं जानकर प्रशासन को राहत के निर्देश दिए। देवनानी ने जलभराव वाले क्षेत्रों से आमजन को निकाल कर रेस्क्यू सेन्टर तक पहुंचाने, उन्हें दूध, पेयजल व फूड पैकेट देने के निर्देश दिए। नालों व सड़कों पर पानी निकासी में बाधाओं को समाप्त करने तथा 24 घंटे मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। देवनानी ने प्रशासन से कहा कि जब तक बारिश का अलर्ट है, सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीमें तैनात रहें।

जानकारी के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को जिला कलेक्टर लोक बन्धु, निगम व एडीए के अफसरों के साथ शहर का दौरा किया। वे स्वयं जल भराव वाले क्षेत्रों में गए और जलभराव से प्रभावित लोगों से मुलाकात की। देवनानी ने आनासागर एस्केप चैनल से जल निकासी का मौका मुआयना किया। इसके आसपास की कॉलोनी में जलभराव से बचाव के लिए निवासियों को रेस्क्यू केंद्र पर शिफ्ट करने एवं मिट्टी के कट्टे लगाकर पानी के प्रवाह को दिशा देकर नालों से होकर खानपुरा तालाब पहुंचने के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने इसके बाद सागर विहार, बधिर विद्यालय के पीछे आनासागर चौपाटी के समीप स्थित रिहायशी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। जल निकासी के लिए पंप द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था देखी। बस्ती में रह रहे लोगों को अन्यत्र स्थान पर शिफ्ट करने के दिए निर्देश। स्थानीय निवासियों से बात कर समस्याएं सुनी। उन्होंने इसके बाद चौधरी कॉलोनी जलभराव के समाधान के लिए नाले की सफाई के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए। चौरसियावास, वरुण सागर से इनफ्लो कम हुआ है। आनासागर से लगातार अतिरिक्त जल की निकासी की जा रही है। इससे आनासागर के समीप रिहायशी क्षेत्रों में पानी नहीं भरेगा।

उन्होंने वरूण सागर पहुंचकर झील में जल आवक की वस्तुस्थिति का अवलोकन किया। इस दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में वरुण सागर झील की जलधारण क्षमता 27 फीट है। इससे अधिक पानी की आवक हुई है। इस कारण जल की चादर चल रही है। इस पर देवनानी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि झील का कैचमेंट एरिया बढ़ाने के लिए प्रत्येक वर्ष झील में वर्षा पूर्व नियमित सिल्टिंग की जाए। इससे भविष्य में अधिक जलभराव की स्थिति से बचा जा सकेगा।

देवनानी ने बोराज ग्राम पहुंचकर वहां स्थित तालाब की पाल की स्थिति का जायजा लिया और पाल की मरम्मत एवं सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ड्रेनेज सिस्टम की दीर्घकालिक समस्या के समाधान के लिए एक विस्तृत कार्य योजना सरकार को भेजी गई है। सरकार से वित्तीय स्वीकृति मिलने के पश्चात कार्य चरणबद्ध ढंग से प्रारंभ किया जाएगा।

बच्चों की जान जोखिम में डालना महंगा पड़ा

- एक बाइक पर आठ बच्चों सहित नौ जने सवार थे
- वीडियो वायरल होने के बाद युवक को गिरफ्तार किया

पुलिस ने बाइक जब्त कर युवक को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के फुलियाकला थाना क्षेत्र स्थित खामोर गांव के एक बाइक पर आठ बच्चों को बैठाकर स्कूली छात्रों की जान जोखिम में डालना एक युवक के लिए तब भारी पड़ गया जब उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और उसके बाद उसके घर तक पुलिस आ धमकी। वायरल वीडियो मीडिया पर चलने के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए उसे गिरफ्तार कर बाइक जब्त कर ली।

जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में खामोर कालबेलिया बस्ती निवासी गोवर्धन पुत्र अमरनाथ कालबेलिया नजर आ रहा था, जो कि स्कूल की छुट्टी के बाद अपने परिवार व भाइयों के 8 बच्चों को बाइक पर बैठाकर स्कूल से राज्यास रोड स्थित कालबेलिया बस्ती अपने घर की और जा रहा था। बाइक पर 8 बच्चों को जबरदस्ती से ठूस-ठूस कर बैठा रखा था। इसी बीच किसी ने उसका वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में एक बच्चे को तो चलती बाइक पर कंधे पर बैठा रखा था। वहीं एक बच्चा पीछे डंडे पर लटका हुआ था। परिवहन नियमों की धज्जियां उड़ाता यह वीडियो सामने आने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए जिसके बाद फुलिया कलां थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने युवक को गिरफ्तार कर बाइक जब्त कर ली।

198 किलोग्राम डोडा-चूरा पकड़ा, तीन आरोपी गिरफ्तार

बौंली व सवाई माधोपुर थाना पुलिस ने तस्करों को गिपफ्तार किया।

- विभिन्न राज्यों की 11 फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट जब्त की

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में बौंली व सवाई माधोपुर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी करने के विरुद्ध अभियान के तहत हरशौता चौराहे से 198 किलोग्राम मादक पदार्थ डोडा-चूरा व कार एवं 11 फर्जी नंबर प्लेटों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने नेपाल सिंह राजपूत निवासी चंदेलाव थाना कापहेडा जिला जोधपुर, रूपेंद्र सिंह राजपूत निवासी सीनली थाना लूणी जिला जोधपुर व ललित कुमार धाकड़ उम्र 35 वर्ष निवासी सामिया थाना भवानी मंडी को गिरफ्तार किया है।

बौंली थाना प्रभारी राधारमन गुप्ता ने बताया कि 18 जुलाई को मुखबिर तंत्र व सायबर सेल सवाई माधोपुर से सूचना मिली कि सवाई माधोपुर के तरफ से एक संदिग्ध टाटा हैरियर कार भाडौती की तरफ आ रही है। इस पर जिलेभर में नाकाबंदी कराई गई। थोड़ी देर बाद फिर सूचना मिली कि उक्त कार टाटा हैरियर नहीं होकर क्रेटा है जो भाडौती होते हुए बौंली थाना क्षेत्र की तरफ गई है। सूचना के बाद बौंली थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल सवाई माधोपुर मानटाउन थाना प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता, सायबर सेल सहायक उप निरीक्षक अजीत मोगा, बौंली थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी, हैड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह, कांस्टेबल मुकेश कुमार, शीशराम, जितेंद्र सिंह, धर्मवीर, नंदकिशोर एवं रणवीर सिंह थाना बौंली एवं कांस्टेबल महेंद्र सिंह थाना सूरवाल की दो टीमों ने डिडवाड़ी की तरफ से बस स्टैंड हरशौता चौराहे पर कच्चे, पक्के रास्तों से होकर एक काले रंग की हुंडई क्रेटा कार बहुत तेज गति से आई जिसे टीम ने गाड़ी आगे लगाकर रोकना का प्रयास किया, लेकिन आरोपी तस्करों ने कार को बचाकर निकलने का प्रयास किया तो कार पानी के गड्ढे में चली गई एवं बिजली के पोल से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस द्वारा मौके पर ही कार को दबोच कर 198 किलोग्राम डोडा-चूरा व विभिन्न राज्यों की 11 फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों द्वारा कार की पहचान छुपाने के लिए इंजन व चेसिस नंबरों को भी ग्लाइडर से घिस गया था एवं तस्करी में अन्य शामिल साथियों के बारे में अनुसंधान जारी है।

राजीविका महिलाओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मिलेट उत्पाद भेंट किए

जयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को यहां दादिया में आयोजित सहकार एवं रोज़गार उत्सव सम्मेलन के अवसर पर राजीविका की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद किया।

इस दौरान करौली ज़िले के बरखेड़ा गांव की केडी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को मिलेट उत्पाद भेंट किए। राजीविका की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को इन महिलाओं की सफलता से अवगत कराते हुए बताया कि इन्होंने मई 2023 में केवल 11 सदस्यों के साथ मिलेट उत्पाद बनाने का कार्य शुरू किया था, जो आज अपनी मेहनत और समर्पण से देशभर में अपनी पहचान बना रही हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सहकार एवं रोज़गार उत्सव सम्मेलन के अवसर पर राजीविका की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस दौरान प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि इनके द्वारा तैयार किए गए मिलेट उत्पाद न केवल स्वाद और स्वास्थ्य से भरपूर हैं, बल्कि महिला सशक्तीकरण की मजबूत मिसाल भी पेश करते हैं।

सायबर ठगी गिरोह का मुख्य अभियुक्त और 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

- 10 प्रतिशत कमीशन पर लोगों का बैंकों में खाता खुलवाकर करोड़ों रुपए ट्रांजेक्शन किया था
- अभियुक्त शातिर है जो मोबाइल में सिम इस्तेमाल नहीं करता, नेपाल, मुंबई, यूपी, चंडीगढ़ व अन्य राज्यों में फरारी काटी

बीकानेर, (निसं)। सायबर थाना पुलिस ने 10 प्रतिशत कमीशन पर बैंकों में खाता खुलवा सायबर ठगी के करोड़ों रुपए ट्रांजेक्शन करने के मुख्य अभियुक्त और 10 हजार रुपए के इनामी को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त छह माह से फरार चल रहा था।

सायबर पुलिस थाने के एसएचओ एएसपी खान मोहम्मद ने बताया कि आम लोगों को 10 प्रतिशत कमीशन देकर बैंकों में खाते खुलवाने और उनमें सायबर ठगी के रुपयों का ट्रांजेक्शन करने का गिरोह पकड़ा था। गिरोह का सरगना नोखा में रासीसर निवासी प्रमोद गोदारा छह माह से फरार चल रहा था। पुलिस को उसके रासीसर में गांव के आसपास होने की जानकारी मिली।

टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त शातिर है जो मोबाइल में सिम इस्तेमाल नहीं करता। वाई-फाई से इंटरनेट लेकर सोशल मीडिया ऐप से लोगों से संपर्क कर रहा था। उसने नेपाल, मुंबई, यूपी, चंडीगढ़ व अन्य राज्यों में फरारी काटी। अभियुक्त नोखा थाने में सायबर ठगी और मुंबई कफ परेड थाने में डिजिटल अरेस्ट के मामले में वांछित है। प्रमोद लॉ कॉलेज में तृतीय वर्ष का छात्र है। उसने अलग-अलग राज्यों के लोगों से सायबर ठगी की और करीब एक करोड़ रुपए खातों में डलवाकर चेक व एटीएम से निकलवा लिए।

पूर्व में गिरोह के नोखा निवासी श्यामसुन्दर बिश्नोई, महाराणा प्रताप कॉलोनी निवासी लक्ष्मणसिंह और खेतेश्वर बस्ती निवासी एमएस कॉलेज की छात्रा गणपति राजपुरोहित को गिरफ्तार किया जा चुका है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में रमेश सर्वटा, हेड कांस्टेबल खेताराम, कांस्टेबल रामधन, सुभाष शामिल थे।

नाबालिग ने फांसी लगाई

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में 12वीं कक्षा के एक नाबालिग छात्र ने घर में पंखे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र को परिजनों ने जब पंखे पर लटका देखा तो नीचे उतारकर उपचार के लिये अस्पताल लेकर गये, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि मृतक नाबालिग छात्र बूंदी निवासी था जो परिजनों के साथ बोरखेड़ा इलाके के प्रताप नगर में किराये से रहता था। जिसने पंखे से फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया।

निराश्रित गौवंश से हादसों का अंदेशा

पावटा, (निसं)। सड़क पर घूम रहे निराश्रित गौवंश हादसों का कारण बन रहे हैं। आए दिन इनसे लोग घायल हो रहे हैं। मवेशी भी वाहनों की चपेट में आकर घायल हो जाते हैं। जिम्मेदारों की लापरवाही से निराश्रित गौवंश बाजार, वार्डों, सड़कों पर घूम रहे हैं। पशुओं के आपस में लड़ने तथा भीड़ भरे इलाके में अचानक दौड़ने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। मुख्य मार्ग सहित बाजार में मवेशियों के खुलेआम घूमने से सड़क पर वाहन चलना मुश्किल होता जा रहा है। झुंड में घूमते हुए इन पशुओं पर न तो नगरपालिका का ध्यान है और न ही पंचायती राज विभाग ही कोई ठोस कदम उठा रहा है। हालांकि तहसील क्षेत्र की बड़ी गौशालाओं में इनको भेजा जा सकता है। मुख्य बाजार की सड़कों व गली मोहल्लों में इनका जमावड़ा लगा होने से लोगों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कस्बे की शायद ही कोई ऐसी सड़क होगी, जिस पर बेसहारा घूमते पशु न दिखाई देते हों। गोवंश के कहीं-कहीं पर तो भारी जमावड़े से वाहन चालकों को परेशानी तो होती ही है, साथ ही कोई न कोई पशु सड़क पर बीच में ही बैठा नजर आता है।

चोरों ने तीन अलग-अलग जगहों से लाखों का सामान चुराया

चोरी की वारदात के बाद घर में सामान बिखरा पड़ा है।

- शिकायतों के आधार पर भाबरू थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। चोरों ने तीन अलग-अलग जगहों पर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। इन मामलों में शिकायतों के आधार पर भाबरू थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाबरू थाना पुलिस को दी शिकायत में ग्राम भाबरु में किशनलाल के घर से चोर सीढ़ी लगाकर घर में घुसे और विवाहिता के कमरे की कुंडी लगाकर ताला तोड़ा। यहां से तीन सोने के मंगलसूत्र, तीन जोड़ी कड़ी, नथ, टीका, कंगन और अंगूठी समेत करीब चार लाख रुपए के जेवरात चुरा लिए। वही दूसरी वारदात में चोरों ने रवि कुम्हार के घर से करीब ढाई लाख रुपए के जेवरात चोरी किए। चोरों ने यहां बाहर की कुंडी लगाकर चोरी को अंजाम दिया। तीसरी वारदात में एक पत्रकार पंकज कौशिक के घर का ताला तोड़कर उनकी बाइक चुरा ली। भाबरू थाना अधिकारी अंकित समरिया ने बताया कि सूचना मिलते ही क्षेत्र में चारों तरफ नाकाबंदी कर दी गई है। पुलिस मौके का मुआयना कर मामले की जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस जल्द ही चोरी का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

दुष्कर्मी को बीस साल का कारावास

जालोर, (नि.सं.)। पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने दुष्कर्म करने के आरोपी दिलीपसिंह को बीस साल के कारावास की सजा सुनाई।

विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीतसिंह राजपुरोहित के अनुसार पीड़िता के भाई ने 16 अगस्त 2023 को रिपोर्ट पेश कर बताया थाा कि वह तथा उसकी नाबलिग बहन पीड़िता दोनों ही पिछले दस दिन से अपने ननिहाल आई थी। 9 अगस्त को सुबह करीब चार बजे पता चला कि उसकी बहन पीड़िता अपने बिस्तर पर नहीं है। तब उन्होंने पीड़िता की सभी जगह तलाश की लेकिन पीड़िता का कोई पता नहीं चला। दो माह पहले दीपू उर्फ दिलीपसिंह पुत्र किशनसिंह मिला। दीपू आदतन बदमाश प्रवृति का है, जो उसकी बहन के साथ कोई संगीन वारदात कर सकता है। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी दीपू को गिरफ्तार किया और पीड़िता को दस्तयाब किया। पुलिस ने बाद अनुसंधान आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। अभियोजन पक्ष की ओर से तेरह गवाह के बयान लिये गये। पॉक्सो न्यायालय जालोर के न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने दोनों पक्षों की बहस सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद आरोपी दिलीपसिंह को नाबलिग के साथ दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुए बीस साल के कारावास का सजा सुनाई।

चाकूबाजी के तीन आरोपी बापर्दा गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रामपुरा कोतवाली पुलिस टीम ने मोहर्रम जुलूस के दौरान हुई चाकूबाजी के मामले में पूर्व में पकड़े गये आरोपी से पूछताछ के बाद मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि सात जुलाई को फरियादी रेहान हुसैन ने पर्चा बयान दिया था कि दोस्तों के साथ मोहर्रम का जुलूस देखने लाडपुरा कर्बला आया था। बयान में कहा कि किसी बात को लेकर इरशाद से कहासुनी हो गई, जिस पर इरशाद व उसके साथ दो अन्य ने मारपीट कर चाकू से हमला किया। उसके साथ आये दोस्तों ने बीच-बचाव किया। इस दौरान चाकू के हमले में उसके दोनों हाथ में चोट लगी, हमलावर भीड़ का फायदा उठाकर मौके से भाग गये। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी के बयान पर मामला दर्ज किया गया। हमलावरों की तलाश के लिये पुलिस उपअधीक्षक राजेश टेलर के निर्देशन में रामपुरा कोतवाली के उपनिरीक्षक थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने आरोपियों की तलाश के लिये संभावित स्थानों पर दबिशें दी।

शहर एसपी ने बताया कि टीम को मुखबिर से आरोपी संजय नगर निवासी इरशाद खान (19) के कोटा में होने की सूचना मिली। जिस पर टीम ने आरोपी इरशाद को 17 जुलाई को नयापुरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी ने चाकूबाजी अनुसंधान में पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी साहिल उर्फ बच्चा, मेहफुज और फरद्दीन का शामिल होना बताया जिस पर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर साहिल उर्फ बच्चा, मेहफुज और फरद्दीन को बापर्दा गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

प्लॉट पर अवैध कब्जा किया

पाटन, (निसं)। पाटन थाने से महज पांच सौ मीटर दूर पाटन-कोटपुतली रोड पर स्थित एक प्लाट में शुक्रवार दोपहर को जबरन ताला तोड़कर अवैध कब्जा किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित अनिल कुमार पुत्र रतनलाल अग्रवाल निवासी नीमकाथाना ने इस बाबत पाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी पहले भी इसी प्रकार की आपराधिक घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। घटना 18 जुलाई को दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है, जब दिपेन्द्र यादव पुत्र उमराव यादव, उमराव यादव पुत्र देवी सहाय यादव, भूप सिंह गुर्जर पुत्र रामशरण गुर्जर अपने 4-5 साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित के प्लाट (खसरा संख्या 1000 एवं 1003/1, रकबा 0.25 हेक्टेयर) का ताला तोड़ा और जबरन अपना ताला लगाकर कब्जा कर लिया। पीड़ित का कहना है कि वर्ष 2021 में भी इन्हीं आरोपियों ने उनके प्लाट में इसी प्रकार की डकैती की थी, जिसकी एफआईआर दर्ज हुई थी।

वन क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाया जाएगा : वन मंत्री संजय शर्मा

- वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने हरियालो राजस्थान कार्यक्रम में शिकरत की

अजमेर, (कासं)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर अजमेर पहुंचे। उन्होंने हरियालो राजस्थान के तहत विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और विधायक अनीता भदेल की ओर से आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में शिरकत की। दोनों ही कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इससे पूर्व वन मंत्री शर्मा ने विभागों की समीक्षा बैठक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सभागार में ली।

पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों से अतिक्रमण को हटाया जाएगा। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने शनिवार को वन विभाग की संभाग में प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने वन भूमि का संयुक्त सर्वे कराया जाने की आवश्यकता बताई। हरियालो राजस्थान अभियान के अन्तर्गत अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर तथा टोंक जिलों में किए गए पौधारोपण से अवगत कराया गया। उन्होंने अभियान के लिए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए कहा। विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने वन भूमि का संयुक्त सर्वे कराया जाने की आवश्यकता बताई। उन्होने कहा कि अजमेर पुष्कर शहर के आसपास की पहाड़ियों पर अलग-अलग ऋतुओं में फलने वाले फूलों के पेड़ पौधे लगाने चाहिए। इससे यहां आने वाले पर्यटकों तथा तीर्थ यात्रियों के लिए नया आकर्षण का केन्द्र होंगे। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

समीक्षा बैठक में विधायक अनिता भदेल ने प्रदूषण करने वाली राजकीय संस्थानों पर कार्यवाही करने की आवश्यकता बताई। उपमहापौर नीरज जैन ने नौसर घाटी में वन विभाग के नाके के पास पक्के अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। अध्यक्ष जीतमल प्रजापत ने ग्राम विकास समितियों के कार्य में पारदर्शिता के साथ स्थानीय समुदाय की सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता बताई। अध्यक्ष रमेश सोनी के द्वारा वन भूमि को अतिक्रमण युक्त रखने की बात कही गई। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक ख्याति माथुर, उप वन संरक्षक विरेन्द्र सिंह जोरा, अर्जुन नलिया सहित वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। मातृ वन उद्यान में विधायक अनिता भदेल के नेतृत्व में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने शिरकत की।

महिला से जेवर लूट मामले में दो बदमाश गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। सुनसान जगह पर अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर लूट की घटना को अंजाम देने व छेड़छाड़ करने के सनसनीखेज मामले में सिद्धमुख थाना पुलिस ने दो शातिर बदमाश लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों को शनिवार को बापर्दा शिनाख्त परेड कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश कर जेल भिजवाया।

आईपीएस अधिकारी निश्चय प्रसाद एवं तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल ने बताया कि लगभग चार माह पूर्व बाइक पर सवार दो बदमाशों ने सिद्धमुख थाना क्षेत्र में खेत में काम कर रही एक महिला को पिस्तौल की नोंक पर डरा-धमका कर कानों में पहनी सोने की बालियां और गले में पहना सोने का मंगलसूत्र लूट ले गए थे। घटना की सूचना मिलते ही जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय उच्च पुलिस अधिकारियों के सुपरविजन में थानाधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह तथा अनुसंधान अधिकारी प्रमोद कुमार हैड कास्टेबल के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया, जिसमें टीम ने लगातार प्रयास कर 150 किलोमीटर के दायरे में हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के अनेक गांवों में लगभग 15-20 दिन तक सीसीटीवी फुटेज और साइबर विश्लेषण के जरिए संदिग्धों की पहचान की। तकनीकी सहायता से कडी नजर रखी तथा शातिर बदमाश राजकुमार पुत्र राधेराम निवासी करंडी पुलिस थाना सर्दूलगढ़ जिला मानसा पंजाब व पवन कुमार पुत्र देवीलाल जाट निवासी राजराणा पुलिस थाना सर्दूलगढ़ जिला मानसा पंजाब को गिरफ्तार किया।

बदमाशों से पूछताछ करने पर और प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार बदमाश आपराधिक प्रवृत्ति के साथ-साथ चिट्टे के नशे के आदी हैं और नशे की लत पूरी करने के लिए सुनसान रास्तों और खेतों में अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर लूट की वारदात को अंजाम देते हैं।

खेल जगत

क्रिकेट में विराट कोहली की विरासत को उनके भाई के बेटे आर्यवीर कोहली आगे बढ़ाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। आर्यवीर कोहली क्रिकेट में करियर बनाने के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। – सरनदीप सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, आर्यवीर के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ मोहम्मद शमी

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी घरेलू सीजन के लिए बंगाल के 50 संभावित खिलाड़ियों की विस्तारित सूची में शामिल किया गया है। 28 अगस्त से शुरु होने वाली दलीप ट्रॉफी वे पूर्व जोन की ओर से खेल सकते हैं। यह शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का मंच बन सकता है। शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट, 108 एकदिवसीय और 25 टी–20 मैच खेले हैं। एक लंबे अंतराल के बाद टखने की सर्जरी से उबरकर उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इस टूर्नामेंट में भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने नौ टेस्ट मैनचेस्टर में खेले उनमें से चार हारे और पांच ड्रॉ हुए हैं, उसने इस मैदान पर पहला मुकाबला 1936 में इंग्लैंड से खेला था।

गार्ड्स पोलो क्लब में रोमांचक मुकाबले में जयपुर टीम ने जीती जयपुर ट्रॉफी

बारिश में खेले गए ऐतिहासिक मैच में जयपुर ने किया निर्णायक गोल

विंडसर, 19 जुलाई। इंडियन पोलो डे के तहत खेले गए प्रतिष्ठित जयपुर ट्रॉफी मुकाबले में जयपुर पोलो टीम ने रोमांचक अंदाज़ में जीत दर्ज की। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह के नेतृत्व में जयपुर टीम ने गार्ड्स पोलो क्लब को 8–7 से हराया। यह ऐतिहासिक ट्रॉफी 10 वर्षों के अंतराल के बाद फिर से पुन: प्रारंभ हुई और बारिश के बावजूद क्वीन स ग्राउंड में दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। यह मैच न केवल जयपुर ट्रॉफी के लिए था बल्कि यह इंडियन पोलो शील्ड (18 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला भी था।

सवाई पद्मनाभ सिंह ने 4 गोल किए, जिसमें फाइनल मिनटों में खेला गया विजयी गोल भी शामिल रहा। टीम जयपुर ने नए और अनजान घोड़ों के बावजूद बेहतरीन तालमेल और साहस का प्रदर्शन किया और पूरे खेल में दबदबा बनाए रखा। गार्ड्स पोलो क्लब ने भी कड़ी टक्कर दी। विलियम एमर्सन ने आक्रामक खेल दिखाया। एक समय पर गार्डस को जीत के लिए सिर्फ दो गोल की जरूरत थी, लेकिन जयपुर की टीम ने आखिरी तक अपनी पकड़ बनाए रखी। बारिश के कारण आखिरी चक्कर लगभग पूरी तरह बारिश में खेला गया, जिसने मैच को और भी रोमांचक बना दिया। सवाई पद्मनाभ सिंह ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और आख़िरी क्षणों तक मोर्चा संभाले रखा उनकी कप्तानी और जज़्बे ने टीम को जीत तक पहुँचाया। इस खास मौके पर कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जिनमें ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त श्री विक्रम दोराईस्वामी, भारतीय डायस्पोरा के प्रमुख सदस्य और अंतरराष्ट्रीय कारोबारी समुदाय शामिल थे। यूनाइटेड स्टेट्स पोलो एसोसिएशन के ग्लोबल सीईओ भी एचएच जयपुर के आमंत्रण पर विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम की सांस्कृतिक झलक भारतीय और ब्रिटिश दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही, जहां नाट्यश्री डांस ग्रुप की प्रमुख गीता के नेतृत्व में बच्चों द्वारा प्रस्तुत भारतीय फ्यूज़न नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। 2014 के बाद पहली बार खेली गई जयपुर ट्रॉफी, अब सवाई पद्मनाभ सिंह के प्रयासों से पुन: स्थापित हुई है। इसकी शुरुआत 1968 में हुई थी और यह मुकाबला एक बार फिर भारत–ब्रिटेन पोलो संबंधों के नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक बना।

संकट में एशिया कप! ढाका की बैठक का बहिष्कार करेगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, 19 जुलाई। बीसीसीआई ने 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की वार्षिक आम बैठक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। बांग्लादेश में भू-

राजनीतिक तनाव और मैदान पर बिगड़ती स्थिति के बीच, भारतीय बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया तो वह बैठक में पारित किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। इस साल टी20 प्रारूप में होने वाला एशिया कप अभी भी अधर में लटका हुआ है। भारत को मेज़बान देश घोषित किए जाने के बावजूद, टूर्नामेंट का न तो आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम तय किया गया है और न ही एसीसी ने इसके लिए कोई निश्चित स्थल तय किया है। हालाँकि अटकलें सितंबर में होने की ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन स्पष्टता की कमी ने असमंजस को और बढ़ा दिया है। 24 जुलाई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के स्थान को लेकर बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति ने इस अफरा–तफरी को और बढ़ा दिया है। इस घटनाक्रम से वाकिफ एक सूत्र ने एएनआई को बताया कि भारत ढाका में अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेगा और उसने पहले ही आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध कर दिया है। लेकिन एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए। उन्होंने कहा कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़्वी बैठक के लिए भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने उनसे बैठक स्थल बदलने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अगर मोहसिन नक़्वी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। गौरतलब है कि नक़्वी वर्तमान में पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री दोनों हैं, और इस दोहरी भूमिका ने एशिया कप की तैयारियों के राजनीतिक पहलुओं को और जटिल बना दिया है।

पवन ने वर्ल्ड स्ट्रैंथ लिफ्टिंग थाईलैंड में जीता कांस्य पदक

जयपुर, 19 जुलाई। पवन कुमावत ने एक बार फिर प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। राजस्थान

स्ट्रैंथ लिफ्टिंग संघ के सचिव चन्द्रेश सोनी ने बताया कि पवन कुमावत ने थाईलैंड में 16 से 19 जुलाई तक चल रही 12 वि वर्ल्ड स्ट्रैंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप सिनियर 76 किलो भार वर्ग मे इन्कलाईन बेन्च पर्स मे 125 किलो वजन उठाकर भारत के लिए ब्रोन्च मेडल जीता, पवन इससे पूर्व भी देश को कई अंतरराष्ट्रीय पदक दिला चुके हैं। पवन कुमावत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता जगदीश प्रसाद व नान्छी देवी तथा अपने मार्गदर्शक कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ को दिया है।

राजस्थान की बेटी गौरी का दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में चयन

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान की गौरी शर्मा ने प्रदेश का नाम रोशन करते हुए दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के अंतर्गत संचालित दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में बॉक्सिंग के लिए चयनित होकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह पहली बार है जब राजस्थान से किसी छात्रा का इस प्रतिष्ठित खेल संस्थान में चयन हुआ है। गौरी की इस सफलता से न केवल उसके परिवार में खुशी का माहौल है, बल्कि यह प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई है। गौरी अब राष्ट्रीय स्तर पर ट्रेनिंग के साथ देश के लिए पदक जीतने की दिशा में अग्रसर है।

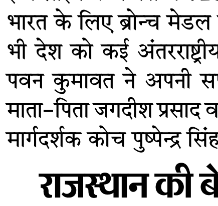

भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम ने कजाकिस्तान को हराया

शेनझेन (चीन), 19 जुलाई। भारतीय बास्केटबॉल टीम ने शनिवार को फीबा महिला एशिया कप 2025 डिवीजन बी टूर्नामेंट में कजाकिस्तान को 103–77 से हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। श्रीकला रानी ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल में सर्वाधिक 30 अंक बनाए, जबकि कजाकिस्तान की ओर से डारिया कोरोलेवा 15 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं। टूर्नामेंट में उच्च रैंकिंग वाली कजकिस्तान पर भारत की यह दूसरी जीत है, इससे पहले उसने ग्रुप ए के अपने पहले मैच में उन्हें 85–68 से हराया था। भारत ने अनीशा क्लीटस के थ्री–पॉइंटर के साथ शानदार शुरुआत की और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। इसके तुरंत बाद श्रीकला रानी ने भी आक्रामक खेल दिखाया और भारत ने शुरुआत में ही 5–0 की बढ़त बना ली। विश्व में 14वें नंबर की टीम कजाकिस्तान ने फिर वापसी की और 7–5 की बढ़त बना ली।

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को तीन माह की राहत दी

सिंगापुर, 19 जुलाई। संकटग्रस्त यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) को तीन महीने की राहत दी गई है, जबकि चयन का एक हाइब्रिड मॉडल 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में खेलने वाली टीमों का निर्धारण करेगा। शनिवार 19 जुलाई को सिंगापुर में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में यूएसएसी को और समय देने का फैसला किया गया, जो प्रशासन संबंधी मुद्दों को लेकर आलोचनाओं का शिकार रहा है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि अमेरिकी क्रिकेट संस्था, देश की सर्वोच्च ओलंपिक संस्था, अमेरिकी ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) के साथ टकराव में आ गई है।

आईसीसी द्वारा लगभग एक साल से नोटिस दिए जाने के बाद – जुलाई 2024 में आईसीसी के पिछले वार्षिक सम्मेलन में इसे नोटिस दिया गया था – यूएसएसी को अपनी व्यवस्था दुरुस्त करनी थी। हालांकि, पिछले महीने संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करने वाली सामान्यीकरण समिति, इस प्रगति से बहुत प्रभावित नहीं हुई।

किसी अन्य स्थिति में, आईसीसी सदस्य को निलंबित करने का अगला तार्किक कदम उठा सकता था। हालांकि, यूएसएसी को आगामी ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने वाले देश की असाधारण स्थिति का लाभ मिलता दिख रहा है। स्थिति की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए, जय शाह के नेतृत्व वाली आईसीसी ने इस संस्था को तीन महीने की मोहलत दी है – सिंगापुर में वर्तमान में चल रहे वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने वालों के अनुसार, यह निर्णय आईसीसी बोर्ड ने शनिवार को लिया।

हालांकि, यहां स्थिति की विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है। अमेरिकी पुरुष और महिला टीमों के ओलंपिक खेलों के लिए स्वत: योग्यता प्राप्त करने की उम्मीद है, लेकिन उन टीमों का चयन कौन करेगा, यह विश्व और स्थानीय क्रिकेट प्रशासकों के सामने एक बड़ी दुविधा बनी हुई है। क्या यूएसएसी को – अगर वह अगले तीन महीनों के भीतर प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा कर लेता है – यूएसओपीसी द्वारा टीमों का चयन करने की अनुमति दी जाएगी।

जुरेल को मैनचेस्टर टेस्ट में मिल सकती है प्लेइंग-11 में जगह

मैनचेस्टर, 19 जुलाई। गुरुवार की सुबह भारतीय अभ्यास सत्र के दौरान बेकेनहम के केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड से गेंद नेट्स के बाहर आ रही थी। बल्ले से गेंद टकराने के बाद टुक, टुक, टुक की एक मधुर आवाज भी आ रही थी जो खाली पड़े मैदान में गूंज रही थी। शॉट्स इतने ताकतवर थे कि गेंद सीधे प्लास्टिक की सीटों पर जाकर गिर रही थी, लॉन्ग ऑन से लेकर पेड़ों के बीच होते हुए ध्रुव जुरेल के लॉफ्टेड शॉट्स काऊ कॉर्नर तक पहुंच रहे थे। जुरेल सफेद टी–शर्ट में बेहद सहज अंदाज में आक्रामक शॉट्स खेल रहे थे।

जुरेल के सामने अब थे पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज और भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मॉर्कल, जो 20 यार्ड से गेंदबाजी कर रहे थे। मॉर्कल उनके स्टंप्स और ऑफ स्टंप के बाहर बल्ले के किनारे को निशाना बना रहे थे। जुरेल उनके सामने तकनीकी तौर पर बिल्कुल सहज थे और अच्छे फुटवर्क के साथ डिफेंस कर रहे थे। जुरेल का डिफेंस इसलिए भी अच्छा हो रहा था क्योंकि यही उनकी खासियत है, जब से उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए डेब्यू किया है तब से ही उनकी तकनीक डिफेंस और आक्रामक खेल दोनों में ही शानदार है। जिस वजह से उनकी बल्लेबाजी बेहद सहज नजर आती है।

भारतीय सैनिक के पुत्र जुरेल की शारीरिक भाषा भी एक सैनिक की ही तरह है, वह सीना चौड़ा कर चलते हैं और हमेशा आत्मविश्वास से लबरेज नजर आते हैं। जिस समर्पण और दिमागी तौर से बिल्कुल स्पष्ट अंदाज में वह खेलते हैं उसी की बदौलत कम समय में ही उन्होंने भारत के लिए मैच जिताऊ पारियां खेल ली हैं। इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट में धीमी और कम उछाल वाली पिच पर भी उन्होंने बेहतरीन 90 रन की पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से भी नवाजा गया था।

टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर जो रूट

मैनचेस्टर, 19 जुलाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं। गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की ज़रूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमश: 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। शेफ़ील्ड में जन्मे रूट को केवल 119 रनों की ज़रूरत है।

शास्त्री ने केएल राहुल की तकनीकी कुशलता का खुलासा किया

लंदन, 19 जुलाई। पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री को उम्मीद है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल लंबे प्रारूप में और शतक लगाएंगे। इंग्लैंड के खिलाफ चल रही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला में भारत के लिए बल्ले से अहम योगदान देने वालों में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल शामिल हैं। तीन टेस्ट मैचों में 375 रन, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, के साथ राहुल अब तक श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल के हालिया प्रदर्शनों ने उन्हें भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री की सराहना दिलाई है।

आईसीसी रिव्यू के नवीनतम संस्करण में बात करते हुए, शास्त्री ने इस अनुभवी सलामी बल्लेबाज के अच्छे प्रदर्शन का समर्थन किया। शास्त्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि दुनिया में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं था जिसने उनकी क्षमता को नकारा हो और कहा हो कि वह (राहुल) प्रतिभाशाली नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''लोगों को इस बात से चिढ़ थी कि इतनी प्रतिभा के बावजूद, वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे। और इस सीरीज में, आप राहुल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देख रहे हैं।'' शास्त्री ने आगे बताया कि राहुल ने इस फॉर्म को पाने के लिए एक तकनीकी बदलाव किया है। उन्होंने कहा, ''मैं देख रहा हूं कि उन्होंने अपने अगले पैर, अपनी मुद्रा और डिफेंस करते समय थोड़ा सा बदलाव किया है।''

शास्त्री ने कहा, ''यह थोड़ा खुल गया है, जिससे उनकी पीठ आसानी से बाहर आ जाती है। यहां तक कि जब वह मिड–विकेट की ओर मार रहे होते हैं, तब भी ब्लेड का पूरा मुंह सामने होता है।'' शास्त्री ने कहा, ''उन्हें ब्लेड का सामने वाला हिस्सा बंद करने और गिरकर मुसीबत में पड़ने की जरूरत नहीं है, जैसा कि वह पहले करते थे। वह पगबाधा आउट हो जाते थे, बोल्ड हो जाते थे, वह बहुत दूर निकल जाते थे और फिर पगबाधा आउट भी हो जाते थे।''

रन बनाने के लिए पावर की जरूरत होती है : डेविड

जमैका, 19 जुलाई। कैरेबियाई मैदान पर अधिक टी–20 मैच खेलने का अनुभव रखने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड का मानना है कि होबार्ट हरिकेंस के साथी मिच ओवेन की शैली वेस्टइंडीज में खेलने के लिए उपयुक्त है। आप अच्छी पिच पर निर्भर नहीं रह सकते है, कई बार रन बनाने के लिए पावर की जरूरत होती है। रविवार से शुरु हो रही टी–20 श्रृंखला से पहले डेविड ने कहा, वह अपने करियर की शुरुआत में है, इसलिए मुझे यकीन है कि उसे दुनिया के इस हिस्से में खेलने का काफी अनुभव होगा। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे कैरिबियन में टी–20 क्रिकेट खेलने का थोड़ा अनुभव है और मिच का खेल यहां खेले जाने वाले क्रिकेट की इस शैली के लिए काफी उपयुक्त है। आप केवल अच्छी पिचों पर निर्भर नहीं रह सकते। कई बार रन बनाने के लिए आपको पावर की जरूरत होती है, और आपको खुद पर भरोसा करना होता है। डेविड ने 31 मैच खेले हैं, जिनमें से 24 कैरिबियाई प्रीमियर लीग में और सात पिछले साल के टी–20 विश्व कप के दौरान खेले थे। यह उन्हें मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम में कैरिबियाई परिस्थितियों में खेलने का सबसे अनुभवी खिलाड़ी बनाता है।

हैदराबाद करेगा दूसरे महिला कबड्डी विश्वकप की मेजबानी

हैदराबाद, 19 जुलाई। बिहार के हटने के बाद हैदराबाद तीन से 10 अगस्त तक चलने वाले महिला कबड्डी विश्व कप 2025 की मेजबानी करेगा। अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ द्वारा भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ के सहयोग से हैदराबाद के गाचीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस विश्वकप में 14 टीमें भाग लेंगी। भारत के अलावा, ईरान, बंगलादेश, नीदरलैंड, जापान, पोलैंड, यूगांडा, केन्या, हंगरी, थाईलैंड, नेपाल, जर्मनी और अर्जेंटीना महिला कबड्डी विश्वकप के दूसरे संस्करण में भाग लेने की पुष्टि कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट मूल रूप से बिहार के राजगीर में आयोजित होना था, लेकिन राज्य द्वारा मेजबानी से हटने के बाद इसे हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया। हैदराबाद 2005 में एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप की मेजबानी कर चुका है। बिहार ने 2012 में पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित महिला कबड्डी विश्व कप के पहले संस्करण की भी मेजबानी की थी।

अभिनव बिंद्रा ने साय से की मुलाकात

रायपुर, 19 जुलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शनिवार को उनके निवास कार्यालय में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शूटर अभिनव बिंद्रा ने सौजन्य भेंट की और साय ने बिंद्रा से छत्तीसगढ़ में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन, स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी एवं स्पोर्ट्स साइंस डेवलपमेंट के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की। साय ने बिंद्रा का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बिंद्रा से छत्तीसगढ़ में खेल गतिविधियों के विकास एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने संबंधी योजनाओं पर गहन चर्चा की। मुख्यमंत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने हेतु पूर्णत: प्रतिबद्ध है। प्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति स्वाभाविक रुचि एवं नैसर्गिक प्रतिभा है, विशेषकर आदिवासी अंचलों के युवाओं में अत्यधिक संभावनाएं हैं।

गोल्ड जीतने के बाद नहीं मिले कई पुरस्कार, अरशद नदीम ने खोली पाकिस्तान की पोल

नई दिल्ली, 19 जुलाई। पाकिस्तान के ओलंपिक हीरो अरशद नदीम ने 2024 के पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने देश की सरकार और अधिकारियों द्वारा किए गए अधूरे वादों पर सवाल उठाए हैं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत के नीरज चोपड़ा को हराकर पाकिस्तान के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम ने खुलासा किया कि उनकी उपलब्धि के लिए इनाम के तौर पर घोषित ज़मीन के टुकड़े कभी नहीं दिए गए। अरशद नदीम ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की छलांग लगाकर इतिहास रच दिया और डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन द्वारा 2008 में बनाए गए ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रजत पदक जीतने वाले गत विजेता नीरज चोपड़ा पर उनकी जीत पाकिस्तान के लिए बेहद गर्व की बात थी। सरकार, राज्य के अधिकारियों और सार्वजनिक संस्थाओं ने नदीम को नकद पुरस्कार, ज़मीन के प्लॉट और विभिन्न सम्मानों सहित ढेरों इनाम देने का वादा किया। हालांकि, एक साल बाद, नदीम ने जियो टीवी से बात करते हुए खुलासा किया, ''मेरे लिए जितने भी इनामों की घोषणाएँ की गईं, उनमें से सभी प्लॉट की घोषणाएँ फ़र्ज़ी थीं, जो मुझे नहीं मिलीं। इसके अलावा, मुझे घोषित सभी नकद पुरस्कार मिल चुके हैं।''

राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन की साधारण सभा की वार्षिक बैठक आज

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन की साधारण सभा की वार्षिक बैठक रविवार 20 जुलाई 2025 को सायं 6 बजे रेडिसन होटल सिटी सेंटर पर आयोजित होगी। इस बैठक में मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के चेयरमैन नीरज के पवन होंगे तथा सचिव राजेंद्र सिंह विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लेंगे। बैठक का आयोजन राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। बैठक में विशेष सहयोग के लिए अनुज गोयल और अमित गोयल, निदेशक, गुस्तूरा फूड प्राइवेट लिमिटेड, दीपेंद्र सिंह प्रेसिडेंट राजस्थान तीरंदाजी संघ, संजीव गौड ओरिएंटल एडुमेड प्राइवेट लिमिटेड कोसम्मानित किया जाएगा। इसके बैठक में भाग लेने वाले सभी सदस्यों से आवश्यक विवरण प्राप्त कर उनको एक्रेडिटेशन कार्ड जारी किए जा चुके हैं। बैठक के दौरान उन्हीं लोगों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी जिनको एक्रेडिटेशन कार्ड जारी किए गए हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने नाथद्वारा पहुंच मिराज स्टेडियम का किया निरीक्षण

मिराज स्टेडियम पर बीसीसीआई - आरसीए के मैच आयोजित होने पर हुई चर्चा : डी.डी. कुमावत

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान क्रिकेट संघ की नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत , सदस्य पिंकेश पोरवाल व मोहित यादव ने नाथद्वारा पहुंच आराध्य देव श्रीनाथ जी के दर्शन कर मिराज स्टेडियम का अवलोकन किया।संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 – 26 की विभिन्न राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं, आरसीए की घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण शिविरों के नाथद्वारा के मिराज क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित करने का प्रस्ताव आरसीए को मिराज क्रिकेट स्टेडियम संचालकों द्वारा प्राप्त हुआ था।पिछले दिनों आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में इस सबंधमें चर्चा के बाद आज हमारी 3 सदस्य कमेटी ने नाथद्वारा पहुंचकर

मिराज क्रिकेट स्टेडियम का व्यापकनिरिक्षण किया इसमें विशेष रूप से क्रिकेट मैदान, पिच, पवेलियन, मीडिया बॉक्स, मैच ऑफिशल्ससुविधाएं सहितवीवीआईपी जोन, दर्शक दीर्घा की जानकारी प्राप्त की। हमारी कमेटी मिराज स्टेडियम के खेल मैदान सहित सभी सुविधाओं से संतुष्ट है। संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने इस दौरान मिराज क्रिकेट स्टेडियम के संचालकों से मिराज स्टेडियम के आरसीए से एमओयू पर विस्तृत चर्चा की व सभी परिस्थितियों को आरसीए की आवश्यकता के अनुसार समझा।संयोजक के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी का उद्देश्य राज्य में क्रिकेट के विकास के साथ युवा खिलाडियों को उच्च स्तरीय खेल मैदान व तकनिकप्राप्त हो के अनुसार ही हमने आज नाथद्वारा के मिराज क्रिकेट स्टेडियम का निरिक्षणकर उसके आरसीए से एमओयू को जल्द से जल्द करने पर चर्चा की जिससे राज्य के युवा खिलाडियों को एक उच्च स्तरीय क्रिकेट स्टेडयम में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा।

दिलीप सिंह शेखावत बने हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के मेंबर सेक्रेटरी

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत को अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने एक बड़ी और अहम जिम्मेदारी देते हुए उन्हें हरियाणा फुटबॉल संघ के कामकाज और चुनाव कराने हेतु एडहॉक कमेटी में मेंबर सेक्रेटरी मनोनीत किया है। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के अनुसार उन्हें डिस्टिक रजिस्टार गुरुग्राम ने हरियाणा फुटबॉल संघ के विभिन्न कार्यकलापों और चुनाव को सुचारू रूप से करने हेतु एक एडॉक कमेटी बनाने को कहा है।

यह एडहॉक कमेटी हरियाणा ओलंपिक संघ की देखरेख में काम करेगी। दिलीप सिंह शेखावत को स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर काफी लंबा अनुभव रहा है और वर्तमान में वह राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव होने के साथ राजस्थान ओलंपिक संघ के सह सचिव और अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ की बीच सॉकर कमेटी के सदस्य भी हैं।

जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि विगत कुछ वर्षों में दिलीप सिंह शेखावत ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ की विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का राजस्थान में सफलतापूर्वक संचालन किया है जिससे कि अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें इस भूमिका के लिए चुना है। इस अवसर पर जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार, मनोज शर्मा, हितेश शर्मा, डॉ दिलीप सिंह चुंडावत और सेबी फिलिप्स ने दिलीप सिंह शेखावत को शुभकामनाएं दी है।

अपहरण-वसूली के आरोपी चारों कांस्टेबल सेवा से बर्खास्त

जोधपुर, 19 जुलाई (कासं)। पुलिस को शर्मसार करने वाले, जोधपुर कमिश्नरेट के माता का थान पुलिस थाना के निलंबित चारों पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उन पर दो दोस्तों का अपहरण कर वसूली करने का आरोप है।

डीसीपी ईस्ट आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस सेवा आचरण नियमों के तहत दोषी मानते हुए, कांस्टेबल जगमाल राम जाट, नृसिंह जाट, राकेश पूनिया और लादूराम मेघवाल को बर्खास्त किया गया है। इस मामले में थानाधिकारी की भूमिका को लेकर पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है।

डीसीपी श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़ित दिलीप गौड़ व उसके दोस्त रमेश शर्मा का माता का थान थाने के पुलिसकर्मी जगमाल राम जाट,

■ इन पुलिस कर्मियों पर जोधपुर में दो युवकों का अपहरण कर पैसे वसूलने का आरोप है।

नृसिंहलाल जाट, राकेश पूनिया, लादूराम मेघवाल व सरदारपुरा थाने के कांस्टेबल ऋषभ और एक अन्य ने साथ मिलकर महामंदिर थाना क्षेत्र से 14 जुलाई को अपहरण किया। उसके बाद वे उन्हें माता का थान थाने लेकर गए, जहां सीसीटीवी बंद कर, दोनों से 2 लाख नकद और करीब 9 लाख की क्रिप्टो करेंसी हड़पी। इस मामले को लेकर पीड़ित डीसीपी आलोक श्रीवास्तव के पास पेश हुए। इसके बाद डीसीपी ने एसीपी हेमंत कलाल को निर्देश देकर पड़ताल की। महामंदिर थाने में मामला दर्ज कराया और चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन्हें कोर्ट में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया। पहले चारों आरोपी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया और शनिवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया।

दो दिन की रिमांड पर पता चला कि दिलीप गौड़ के साथ ही रमेश शर्मा की पत्नी के अकाउंट से एक लाख रुपए निकालने के लिए एक आरोपी रमेश शर्मा को केनरा बैंक के एटीएम ले गया। यहां दस हजार के दस ट्रांज़ैक्शन किए। इसके फुटेज पुलिस के हाथ लगे हैं। जिस जगह से दोनों को अगुवा किया, वहां के फुटेज भी मिल गए। चारों पुलिस कांस्टेबल अभी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं व किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं।

'अडानी के विरोध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दबाने की कोशिश करते हुए उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनका कहना था कि भाजपा इस तरह के हथकंडे अपनाती रहती है लेकिन कांग्रेस के लोग इससे डरने वाले नहीं है और वे इसका विरोध करते रहेंगे। उन्होंने कहा,"भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के सारे जंगल अडानी जी को समर्पित कर दिए हैं। पेसा कानून और एनजीटी के निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए जंगलों को तबाह किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी विधानसभा में यह मुद्दा उठाने वाले थे। उन्हें रोकने के लिए सुबह-सुबह प्रवर्तन निदेशालय ने उनके घर पर छापा मारा और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया।"

'भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकते हैं, लेकिन उनके बाहर निकलने का मतलब यह नहीं है कि इंडिया गठबंधन कमज़ोर हो गया है।"

सोजती गेट के पास बैंक की छत भरभरा कर गिरी, कोई हताहत नहीं

जोधपुर का ड्रेनेज सिस्टम हर तरफ से फेल नज़र आया, शहर में हर जगह पानी इकट्ठा

जोधपुर, 19 जुलाई (कासं) । चौबीस घंटे भी नहीं गुजरे थे कि बरसात के पानी में डूबने से एक युवक की आज फिर मौत हो गई। कल, करना झरना में डूबने से एक युवक की मौत हुई थी।

दक्षिण पश्चिम मानसून की प्रदेश में सक्रियता से कई जिलों में हालात विकट होने लगे हैं। पिछले चार -पांच दिनों से मारवाड़ में बारिश का दौर बना हुआ है। जोधपुर शहर में भी लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित होने लगा है। मूसलाधार बारिश से शहर की सड़कें पानी से लबालब हो गई हैं। साथ ही, पर्यटन स्थलों पर झरने बहने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, शहर के राव जोधा मार्ग घोड़ाघाटी में सुबह पानी में एक युवक डूब गया, जिसे दोपहर तक रेस्क्यू किया जा सका। पाली रोड मोगड़ा के समीप एक बस की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। शहर के सोजती गेट के समीप एक बैंक की छत भरभरा कर गिर गई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। खेत- खलिहान पानी से लबालब भरे हैं।

जोधपुर शहर में आज ड्रेनेज सिस्टम हर तरफ से फेल नजर आया। शहर में शायद ही कोई ऐसी जगह बची हो, जहां

■ शहर की सड़कों पर पानी दरिया की तरह बहा। रेलवे स्टेशन के पास की कॉलोनियों में 2 से 3 फीट पानी भरा।

पर पानी इकट्ठा ना हुआ हो। सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया। सुबह नौ बजे शहर में बरसात का दौर शुरू हुआ, जो दोपहर में तेज बारिश में तब्दील हो गया। सड़कों पर पानी के दरिया बहने लगे। शहर के भीतरी क्षेत्र की सड़कें भी दरिया बन गईं। मणाई गांव में भी जोरदार बारिश हुई है और खेतों में पानी भर गया है। बावड़ी इलाके में चटालिया गांव के खेतों में भी पानी भर गया है। रेलवे स्टेशन के नजदीक वाली कॉलोनियों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। लूणी विधानसभा क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बानियावास के रास्ते में करीब एक से डेढ़ फीट पानी भर गया। जोधपुर शहर के पाली रोड मोगड़ा के पास सुबह एक सड़क हादसा हो गया। बारिश के चलते एक युवक बस की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान नहीं हो पाई है। सूचना पर, बाद में विवेक विहार पुलिस मौका स्थल पर पहुंची।

पुष्कर के फीडर के किनारे बने होटलों को खाली करने के आदेश

ग्यारह करोड़ की लागत से बना नाला भी मूसलाधार बारिश में काम नहीं आया

पुष्कर,19 जुलाई (निसं)। अलसुबह से हुई तेज मूसलाधार बरसात से तीर्थ नगरी तरबतर हो गई, साथ ही पवित्र सरोवर एक बार फिर लबालब होने के कगार पर हैं सरोवर में 13 फीट पानी आया है और अभी भी लगातार पानी की आवक जारी है। अलसुबह से ही रुक रुक कर हो रही तेज मूसलाधार बरसात से निचली बस्तियों में पानी भर गया।

पुष्कर सरोवर के पीछे बने फीडरो में 8 से 10 फीट पानी चला, जिसकी वजह से कई खेत जलमग्न हो गए। पुष्कर की सिविल डिफेंस टीम ने रेस्क्यू करके वहां से लोगों तथा जानवरों को निकाला। छोटी पुलिया के बाइस गुब्बारों से सरोवर में पानी आ रहा है।

बड़ी पुलिया पर पानी देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ लग गई, जिन्हें बाद में हटाया गया। कृष्ण गोपाल जाट के नेतृत्व में सिविल डिफेंस की टीम डूबे हुये क्षेत्र में मुस्तैदी से काम कर रही है तथा लोगों को बाहर निकाल रही है।

■ पुष्कर के पीछे बने फीडरों में 8 से 10 फीट पानी चला। कई खेत जलमग्न हो गए। सिविल डिफेन्स टीम ने लोगों को और जानवरों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला।

पुष्कर में 11 करोड़ की लागत से बनाए गए नाले भी मूसलाधार बरसात में जवाब दे गए तथा पानी का एक तरफ बहाव होने के कारण पहली बार बड़े गणेश जी मंदिर तक पानी भर गया वहां दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सावित्री मार्ग ब्रह्मा मंदिर रोड आदि, सब जलमग्न है।

पुष्कर का विख्यात भट बाय गणेश मंदिर पूर्ण रूप से डूब गया। लोगों ने 1975 और 1983 के बाद पहली बार भट बाय गणेश जी का मंदिर पूर्ण रूप से पानी में डूबा देखा है।

बुड्ढा पुष्कर तीर्थ में भी पानी भर गया। अजमेर जिला कलेक्टर ने पुष्कर का दौरा किया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा फीडर के किनारे बने होटलों को खाली करने के आदेश दिए गए।।

पुष्कर में सुबह से हो रही तेज बरसात से पुष्कर सरोवर लबालब हो गया तथा निचली बस्तियों में बारिश का पानी भर गया।

सरवाड़ उपखंड क्षेत्र में भारी बारिश, डाई नदी उफान पर

सरवाड़, 19 जुलाई (निसं)। सरवाड़ शहर और उपखंड क्षेत्र में 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से क्षेत्र के ग्रामीण एवं निचले इलाकों में पानी भर गया। खेतों में फसलें डूब जाने से किसान चिंतित हैं। क्षेत्र में 131 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है।

सरवाड़ उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर व तहसीलदार बंटी राजपूत

■ सरवाड़ में 24 घंटे में 131 मि.मी. बारिश हुई है, पानी भरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

ने बडला, जावला, बोराड़ा, फतेहगढ़ , धानवा बांध, सरवाड़ समेलिया, हिंगोनिया व लल्लाई के बीच नालों की रपटों का दौरा कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। सरवाड़ की डाई नदी उफान पर है और नदी को देखने के लिए शहरवासियों की भीड़ उमड़ रही है। इस दौरान हिन्दू उत्सव समिति के तत्वावधान में डाई नदी को चुनरी ओढ़ाई गई और नदी के विकाल रूप को कम करने हेतु प्रार्थना की गई। नदी के उफान पर होने के कारण सरवाड़ - जड़ाना मार्ग भी अवरुद्ध हो गया।

ट्रंप ने जीनियस एक्ट पर साइन किए

नयी दिल्ली, 19 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को गाइडिंग एंड इस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फॉर यू.एस. स्टेबलकॉइन्स (जीनियस) एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिये। इससे देश में स्टेबलकॉइन्स को आधिकारिक मान्यता मिल गयी है।

स्टेबलकॉइन क्रिप्टो करेंसी की वह श्रेणी है जिसका मूल्य डॉलर या सोने जैसे किसी अपेक्षाकृत स्थिर एसेट के आधार पर निर्धारित होता है। इसलिए, इसमें बिटकॉइन तथा ऐसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तरह बड़ा उथल-पुथल देखने को नहीं मिलता है।

इस कानून के लागू होने के दो बड़े प्रत्यक्ष प्रभाव होंगे। एक रिजर्व के रूप में डॉलर की मांग बढ़ेगी और दूसरा अमेरिकी ट्रेज़री बॉन्ड मजबूत होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि कानून में यह प्रावधान है कि स्टेबलकॉइन जारी करने वालों को शत-प्रतिशत लिक्विड एसेट का रिजर्व बनाना होगा। वे अमेरिकी डॉलर या अल्पावधि वाले ट्रेजरी बॉन्ड का रिज़र्व तैयार कर सकते हैं।

इस कानून से राष्ट्रपति ट्रंप ने निजी और देश हित दोनों को साधने का प्रयास किया है। पिछले कुछ समय में उनके पारिवारिक कारोबार ने स्टेबलकॉइन में

■ इस कानून से अमेरिका में स्टेबल कॉइन्स को मान्यता मिल गई है जो क्रिप्टो करैंसी की एक श्रेणी है। ट्रंप का पारिवारिक बिज़नैस इस क्षेत्र में काफी रुचि ले रहा है।

अधिक रुचि दिखायी है। वहीं, हाल के समय में अमेरिकी डॉलर से इतर दूसरी मुद्राओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ने के प्रभाव को समाप्त करने में भी इससे मदद मिलेगी। यही कारण है कि संसद में इस विधेयक को दोनों दलों का समर्थन मिला।

बेंगुलुरु हवाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कवर में छिपाकर रखे गए सफेद पाउडर को सावधानीपूर्वक बरामद किया। इसके, बाद यात्री को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

मेड़ता में 24 घंटे में 228 मिलीमीटर बरसात

मेड़ता सिटी,19 जुलाई (निसं)। मेड़ता क्षेत्र में 24 घंटे से हो रही बारिश के कारण शहर की निचली बस्तियों सहित मुख्य सड़कों पर भी पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में 228 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। बारिश के कारण करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

बारिश के कारण तमाम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है मेड़ता उपखंड अधिकारी पूनम चोयल ने भी एक एडवायजरी जारी की ओर सभी विभागों को तेज बारिश के चलते आमजन की समस्याओं के निस्तारण के लिए आदेश

■ क्षेत्र की निचली बस्तियों व मुख्य सड़कों पर पानी भरा, करंट से एक की मौत हुई।

किया।

मेड़ता नगरपालिका अध्यक्ष लाहोटी ने उपखंड अधिकारी के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों का मुआयना किया।

जनपथ मार्ग पर एक व्यक्ति की करंट आने से मौत हो गई । जानकारी के अनुसार जनपथ मार्ग पर स्थित गोदाम के गेट में करंट आ रहा था जब उक्त व्यक्ति ने गेट खोला तो करंट लगने से उसकी मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित किया पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को शव सुपुर्द किया ।

अजमेर के पास नाड़ी में डूबने से तीन किशोरियों की मौत

आना सागर व वरुण सागर ओवरफ्लो हुए, दरगाह क्षेत्र में कई लोगों को बहने से बचाया

अजमेर, 19 जुलाई (कासं)। अजमेर शहर में दो दिन से लगातार हो रही मूसलाधार बरसात से शहर के कई भागों में पानी भर गया है। आनासागर और वरुण सागर जैसे प्रमुख जलाशय पानी से लबालब हो गए हैं, तथा पानी ओवरफ्लो होने से निचले इलाकों में पानी भरने के हालात बन रहे हैं। वहीं जिला कलेक्टर, निगम आयुक्त सहित, प्रशासनिक अमला व एसडीआरएफ व सिविल की टीम मुस्तैदी से हालात से निपटने में जुटे हुए हैं।

गेगल थाना क्षेत्र के ऊंटड़ा गांव की नाड़ी में डूबने से तीन किशोरियों की मौत हो गई, जबकि एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। दरगाह क्षेत्र में पानी भर गया है। यहां कई लोगों को बहने से बचाया गया।

ऊंटडा गांव में शनिवार सुबह करीब 11 बजे चार किशोरियां, सिमरन पुत्री फिरोज, बिलकिश बानो पुत्री कमरूद्दीन, नाज़िया पुत्री बदरूद्दीन और

■ गेगल थाने के ऊंटड़ा गाँव की चार किशोरियाँ बकरियाँ चराने नाड़ी के क्षेत्र में गई थीं। पाल पर फिसलने से एक पानी में गिर गई। अपनी सहेली को बचाने के लिए बाकी तीनों भी नाड़ी में कूद गईं।

आयशा बकरियां चराने के लिए गांव के पास स्थित नाड़ी के क्षेत्र में गई थीं। नाड़ी की पाल पर चलते समय सिमरन का पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गई। अपनी सहेली को डूबता देख, बिलकिश बानो, नाजिया और आयशा उसे बचाने के लिए एक-एक कर नाड़ी में कूद गईं। इस दौरान, आयशा ने चिल्लाकर मदद मांगी, जिसे सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने तुरंत चारों किशोरियों को नाड़ी से बाहर निकाला और उन्हें जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने सिमरन, बिलकिश बानो और नाज़िया को मृत घोषित कर दिया,जबकि आयशा गंभीर रूप से घायल हो गई। आयशा की हालत नाज़ुक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही गेगल थाना पुलिस और सीओ रामचंद्र चौधरी अस्पताल पहुंचे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हादसा संतुलन बिगड़ने के कारण हुआ।

अजमेर में अब तक कुल 200 मिलीमीटर से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है। शनिवार को जिला कलेक्टर लोकबंधु ने शहर के जल भराव वाले क्षेत्रों का दौरा किया। जिला प्रशासन, नगर निगम सहित, एसडीआरएफ व सिविल डिफ्रेंस के साथ विभागीय टीमें राहत कार्य में जुटी हैं।

पायलट एसोसिएशन ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी करे जिसमें यह स्वीकार किया जाए कि अभी तक किसी भी जांच एजेंसी द्वारा कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है।

एफ.आई.पी. ने अपनी कानूनी नोटिस में कहा, "हमें, रॉयटर्स और सभी संबंधित प्लेटफार्मों को यह चेतावनी देने को कहा गया है कि वे विमान क्रैश और विमान के पायलटों से संबंधित बिना सत्यापित, अटकलों या अनौपचारिक सिद्धांतों का प्रसार या प्रचार न करें।" नोटिस में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें मानहानि, मानसिक पीड़ा और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के लिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अमेरिका के नैशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एन.टी.एस.बी.) की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कड़े शब्दों में कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स की निंदा की, जिन्होंने अधूरी जानकारी के आधार पर निष्कर्ष पर पहुंचने की कोशिश की। होमेंडी ने कहा, "एयर इंडिया 171 क्रैश पर हाल की मीडिया रिपोर्ट जल्दीबाजी और अटकलों पर आधारित हैं।" उन्होंने कहा, "भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (ए.ए.आई.बी.) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इस प्रकार की जांचों में समय लगता है। हम ए.ए.आई.बी. की पब्लिक अपील का पूरी तरह समर्थन करते हैं, जो गुरुवार को जारी की गई थी और हम उस जांच को समर्थन देंगे, जो अभी चल रही है। सभी जांच संबंधी प्रश्न ए.ए.आई.बी. को संबोधित किए जाने चाहिए।"

भारत के एयरक्राफ्ट एक्टिडैंट इन्वैस्टिगेशन ब्यूरो (ए.ए.आई.बी.), जो प्रमुख जांच एजेंसी है, ने भी जैनिफर होमेंडी की भावना को दोहराया। अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में ए.ए.आई.बी. ने यह स्पष्ट किया कि उसका फोकस यह बताने पर है कि क्या हुआ, न कि क्यों हुआ। "इस समय, किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना बहुत जल्दबाजी होगी। एजेंसी ने कहा, "अंतिम जांच रिपोर्ट मूल कारणों की पहचान करेगी और सिफारिशें देगी।"

ए.ए.आई.बी. की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त हुए बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में कोई यांत्रिक या रखरखाव संबंधी समस्या का प्रमाण नहीं था। तथापि, अधिकारियों ने यह कहा कि रिपोर्ट निष्कर्षात्मक नहीं है और उन्होंने ब्लैक बॉक्स डेटा, उड़ान रिकॉर्ड्स और आवाज ट्रांसक्रिप्ट्स का पूरा विश्लेषण किए बिना कोई निष्कर्ष निकालने से बचने की सलाह दी।

एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने इस विचार को दोहराया। उन्होंने कहा, "प्रारंभिक रिपोर्ट में न तो कोई कारण पाया गया है और न ही कोई सिफारिश की गई है," उन्होंने कहा। "मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि वे जल्दबाजी में निष्कर्ष पर न पहुँचें। हमें अपने कार्य और उन मूल्यों पर फोकस बनाकर रखना चाहिए जिनकी बदौलत एयर इंडिया की परिवर्तन यात्रा संभव हुई है। ये मूल्य हैं-ईमानदारी, उत्कृष्टता, कस्टमर फोकस, नवाचार और टीमवर्क।"

एन.टी.एस.बी. के बयान पर और विस्तार से बात करते हुए, कैप्टन रंधावा ने अमेरिकी एजेंसी के हस्तक्षेप का स्वागत किया। "हम एन.टी.एस.बी. बोर्ड के बयान से खुश हैं। यह पश्चिमी मीडिया में रिपोर्टों को रोक देगा। वे अपनी दुनिया में हैं और सोचते हैं कि वे कुछ भी प्रकाशित कर सकते हैं और बच सकते हैं। भारतीय रिपोर्ट बहुत स्पष्ट है-हमें अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना होगा।"

ऐसे में, जबकि, पूरी दुनिया भारत के सबसे बड़े विमानन हादसों में से एक के नुकसान पर शोक मना रही है, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय अधिकारियों ने धैर्य रखने की अपील की है। अधिकारी कहते हैं कि अंतिम जांच में समय लगेगा, लेकिन जब यह पूरी होगी, तो यह तथ्यों को स्पष्टता और जवाबदेही के साथ सामने लाएगी।

'ट्रंप के दावे पर प्रधानमंत्री जवाब दें'

नई दिल्ली, 19 जुलाई। डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि भारत-पाक संघर्ष में 5 फाइटर जेट गिरे थे। इस दावे को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार से तीन सवाल किए हैं, जिसका जवाब सीधे पीएम मोदी से मांगा गया है। राज्यसभा सासंद जयराम रमेश ने कहा कि कोई और मंत्री नहीं चलेगा।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के हालिया दावे पर सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को केंद्र सरकार से तीन सीधे सवाल पूछते हुए जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ट्रम्प के इन दावों का मानसून सत्र में पीएम मोदी से जवाब मांगती है।

राज्य सभा सांसद जयराम रमेश ने कहा कि ट्रूम्प सार्वजनिक रूप से 24 बार यह कह चुके हैं कि

■ कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि ट्रंप ने भारत-पाक युद्ध में 5 फाइटर जेट नष्ट होने का दावा किया है। इस पर प्र.मंत्री ही संसद में जवाब दें कोई और मंत्री नहीं चलेगा।

उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका। ऐसे में पहला सवाल है कि क्या ट्रम्प ने वास्तव में सीजफायर रुकवाया? दूसरा सवाल- क्या ट्रम्प ने व्यापार की धमकी देकर जंग रुकवाई? तीसरा और सबसे अहम सवाल- भारत-पाक संघर्ष में किसके 5 लड़ाकू विमान गिरे?

दरअसल, ट्रंप ने शुक्रवार रात व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान यह दावा किया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान 5 फाइटर जेट गिरे गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे फाइटर जेट भारत के थे या पाकिस्तान के। 21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगी, जिससे सत्र के दौरान हंगामा देखने को मिल सकता है।

उड़ान भरने से पहले ही मस्क की "अमेरिका पार्टी"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन करते हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि 74 प्रतिशत वयस्क और 77 प्रतिशत मतदाता इस विचार को पूरी तरह से नकारते हैं।

सीएनएन के विश्लेषक ने साफ कहा कि "मस्क इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए बिल्कुल गलत व्यक्ति हैं", जैसा कि मैंने शुरुआत में कहा, वह देश के सबसे अप्रिय राजनीतिक व्यक्तित्वों में से एक हैं।"

यह केवल सीएनएन का सर्वेक्षण नहीं है। क्विन्निपियाक यूनिवर्सिटी के एक सर्वेक्षण में भी ऐसे ही निष्कर्ष सामने आए, जिनमें सिर्फ 17 प्रतिशत मतदाता ही मस्क द्वारा नेतृत्व की जा रही किसी पार्टी का समर्थन करने के बारे में विचार करेंगे, जबकि 77 प्रतिशत से अधिक ने इस विचार को पूरी तरह से नकार दिया। ये आंकड़े केवल खराब नहीं हैं, वे हाल की तीसरी पार्टी की कोशिशों से भी बदतर हैं।

एक समय था, जब अत्याधुनिक नवाचारों के लिए उनकी प्रशंसा की जाती थी, लेकिन टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ मस्क की प्रतिष्ठा में तेजी से गिरावट आई है। उसी सीएनएन सर्वेक्षण में, केवल 23 प्रतिशत अमेरिकियों ने उन्हें सकारात्मक रूप से देखा, जबकि 60 प्रतिशत ने नकारात्मक राय व्यक्त की, जिससे उन्हें माइनस 37 अंकों की नैट अप्रूवल रेटिंग मिली। सीएनएन ने इसे एक शब्द में संक्षेपित किया, "ओफ्फ।"

यह 2016 के बाद हुआ एक चौंकाने वाला बदलाव है। उस समय मस्क की नैट पॉज़िटिव फेवरेबिलिटी प्लस 29 अंक थी और उन्हें एक दूरदर्शी के रूप में देखा जाता था। आज, उनकी सोशल मीडिया की आक्रामक उपस्थिति, विवादास्पद टिप्पणियां और दक्षिणपंथी राजनीति में बढ़ती भागीदारी ने उन सभी अच्छे इरादों को नष्ट कर दिया है।

ऐतिहासिक रूप से, यूएस में तीसरी पार्टी बनाने के प्रयासों को हमेशा ही कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। जॉर्ज वॉशिंगटन ही ऐसे एकमात्र राष्ट्रपति हैं, जिन्हें बिना किसी पार्टी के चुना गया, पर उस समय, जब राजनीतिक दल अस्तित्व में नहीं थे। राष्ट्रपति चुनाव में किसी तीसरी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में एक राज्य में भी जीतने वाले आखिरी व्यक्ति जॉर्ज वॉर्लेस थे, वे 1968 में विजयी हुए थे।

यहाँ तक कि रॉस पेरोट, एक अन्य अरबपति भी अपनी शुरुआती सक्रियता को

■ एक और उलझन है, मस्क के राष्ट्रपति बनने में, वे साउथ अफ्रीका में जन्मे हैं, अमेरिका में नहीं। अभी भी विदेश में जन्मे व्यक्ति को अमेरिका का राष्ट्रपति बनने का अधिकार प्राप्त नहीं है।

स्थायी राजनीतिक बदलाव में बदलने में विफल रहे। हालांकि उन्होंने 1992 में 20 प्रतिशत वोट प्राप्त किए और रिफॉर्म पार्टी की शुरुआत की, लेकिन यह आंदोलन जल्दी फीका पड़ गया। इसका आखिरी उच्चतम बिंदु 1998 में मिनेसोटा के गवर्नर के रूप में जेसी वेंचुरा का चुनाव था। आज वह पार्टी अमेरिकी राजनीति में महत्वहीन हो गई है।

1993 में, पेरोट का तीसरी पार्टी का दृष्टिकोण कम से कम अमेरिकी जनता में सुनाई तो देता था। सीएनएन के अनुसार, 50 प्रतिशत अमेरिकियों ने इसका समर्थन किया था। इसके विपरीत, मस्क तीन-चौथाई से अधिक अमेरिकियों के विरोध के साथ इस मंच पर उतर रहे है, वो भी किसी नीति, एजेंडा या नेतृत्व टीम की घोषणा किए बिना।

और एक और महत्वपूर्ण बात, मस्क राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे होने के कारण, संविधान के तहत वे देश का सर्वोच्च पद प्राप्त नहीं कर सकते। यह एक ऐसा तथ्य है, जो उनकी राजनीतिक आकांक्षाओं की विश्वसनीयता और उद्देश्य को और कमजोर करता है।

मस्क में जनता का भरोसा भी कम है, सुर्खियों में रह कर और पैसा खर्च कर वे उसकी भरपाई करते हैं। अपनी विशाल संपत्ति से वे प्रमुख अभियानों को फंड कर सकते हैं, एयरटाइम खरीद सकते है और अपनी मुहिम को अधिक समय तक सुर्खियों में बनाए रख सकते हैं। सीएनएन ने कहा, "कई तीसरी पार्टियाँ असफल हो जाती हैं, क्योंकि वे अपना संदेश नहीं पहुंचा पातीं," मस्क की पार्टी को यह समस्या नहीं होगी। लेकिन पैसा होना ही पर्याप्त नहीं है।"

वास्तव में, जैसे-जैसे जनता का नजरिया उनके खिलाफ हो रहा है, यह स्पष्ट हो रहा है कि पैसा खर्च कर भरोसा हासिल नहीं किया जा सकता, विशेषकर एक ऐसे देश में, जहाँ विश्वास कमाया जाता है, न कि ट्वीट किया जाता है।

जैसा कि सीएनएन ने कहा, "अमेरिकियों को मस्क की राजनैतिक सक्रियता जितनी ज्यादा दिखेगी, वे उन्हें उतना ही कम पसंद करेंगे।" एक आदमी, जो रॉकेट को अंतरिक्ष के ऑर्बिट में भेजा करता है, उसके लिए एक व्यवहारिक राजनीतिक पार्टी शुरू करना उसका शायद अब तक का सबसे कठिन मिशन साबित हो सकता है और शायद उसका सबसे विफल प्रयास भी।

स्वर्ण मंदिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में केन्द्रीय और राज्य एजेंसियों की विफलता पर सवाल उठाये हैं।

पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि जांच जारी है।

इस मामले में हिरासत में लिये गये एक संदिग्ध शुभम दुबे से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में तकनीकी विश्लेषण में समय लगता है।

उन्होंने कहा कि संदिग्धों की जल्द ही पहचान कर ली जायेगी।

पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वारा उसकी फोटो लेने के बाद रजिस्टर को जलाकर नष्ट कर दिया गया। उसके खिलाफ पेपर लीक को लेकर एसओजी में भी मामले दर्ज हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

ईडी ने उत्तराखंड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संचालित करता है।

ईडी ने जनवरी में पीएमएलए के तहत इन दोनों भूखंडों (कुल क्षेत्रफल 101 बीघा) को जब्त कर लिया था। इन दोनों अचल संपत्तियों का मूल्यांकन 6.56 करोड़ रूपए है, लेकिन एजेन्सी के अनुसार, इनकी वर्तमान बाजार कीमत 70 करोड़ रूपए से अधिक है।

'राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600